{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 14 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 351
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

भारत-चीन संबंधों पर जयराम ने पूछे पीएम मोदी से चार सवाल

-कांग्रेस का आरोप- चीन के सामने 'सुनियोजित आत्मसमर्पण' की नीति अपना रही सरकार

-बीजेपी ने ब्रिक्स समिट को बताया ऐतिहासिक सफलता

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय बैठक के बाद भारत-चीन संबंधों को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी से चार सवाल पूछे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चीन के सामने "सुनियोजित आत्मसमर्पण" की नीति अपना रही है। हालांकि, इन आरोपों पर सरकार या भारतीय जनता पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री की बैठक के बाद देश इन सवालों के जवाब जानना चाहता है। उन्होंने पहला सवाल 19 जून 2020 को चीन को दी गई प्रधानमंत्री की कथित "क्लीन चिट" को लेकर पूछा। रमेश ने कहा कि गलवान घाटी में 15-16 जून 2020 की रात हुई झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हुए थे। इसके चार दिन बाद सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा था कि न कोई भारत की सीमा में घुसा है और न ही कोई घुसा हुआ है। कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या इस बयान से बाद की बातचीत में भारत की स्थिति कमजोर नहीं हुई।

लद्दाख और अरुणाचल को लेकर सवाल

जयराम रमेश ने दूसरा सवाल लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में चीन की कथित क्षेत्रीय बढ़त को लेकर किया। उन्होंने दावा किया कि पूर्वी लद्दाख के बड़े हिस्से में भारत के पारंपरिक गश्त और चराई के अधिकार प्रभावित हुए हैं। साथ ही उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में चीनी गतिविधियों, स्थानों के नाम बदलने और ब्रह्मपुत्र नदी पर मेदोग परियोजना का मुद्दा उठाया। कांग्रेस नेता जयराम ने तीसरे सवाल में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को चीन के कथित समर्थन को लेकर सरकार की नीति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 2025 में सैन्य प्रतिष्ठान की ओर से चीन की भूमिका को लेकर जो आकलन सामने आया था, बाद में पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान के बयान में अलग रुख दिखाई दिया। जयराम रमेश ने पूछा कि क्या यह बदलाव शी जिनपिंग के साथ बैठक से पहले माहौल बदलने की रणनीति का हिस्सा था। चौथे सवाल में उन्होंने चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर सरकार को घेरा। रमेश के मुताबिक, 2025-26 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 112.6 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण कच्चे माल, कलपुर्जों और मध्यवर्ती वस्तुओं के लिए चीन पर निर्भरता बढ़ना चिंता का विषय है।

रविशंकर ने किया कांग्रेस पर पलटवार

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने ब्रिक्स समिट को ऐतिहासिक सफलता बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में चीन, रूस, ईरान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे देशों की भागीदारी ने ब्रिक्स को एक प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय मंच के रूप में मजबूत किया है। उन्होंने कांग्रेस पर समिट के नतीजों पर सवाल उठाने के लिए निशाना साधा और कहा कि आर्थिक संबंधों तथा द्विपक्षीय बैठकों समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

रैना के बयान से सहमत नहीं मनोज पांडे

ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणापत्र में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई। घोषणापत्र में आतंकवाद, सीमा-पार नेटवर्क और आतंकी फंडिंग के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात कही गई। साथ ही चीन और रूस ने संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में भारत व ब्राजील की बड़ी भूमिका की आकांक्षाओं के समर्थन को दोहराया। बीजेपी नेता रविंदर रैना ने पहलगाम हमले की निंदा को आतंकवाद के खिलाफ बड़ी ताकतों के एकजुट रुख का संकेत बताया। हालांकि, जेएमएम प्रवक्ता मनोज पांडे ने इसे बड़ी कूटनीतिक जीत मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमले का समर्थन कोई देश नहीं करता, इसलिए केवल निंदा को बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि नहीं कहा जा सकता।

खास खबर

अमित शाह ने मुंबई में किया ऐलान, पीएम मोदी के जन्मदिन से देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान'

मुंबई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में एक महीने तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की घोषणा की है। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान देशभर में सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अमित शाह ने मुंबई दौरे के दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे। अमित शाह ने बताया कि 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 12 अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें रक्तदान शिविर, आभार प्रदर्शन, नमो सेवा, संगीत एवं नाट्य प्रस्तुतियां, आंगनवाड़ी सेवा और सेवा ज्योति कलश यात्रा प्रमुख हैं। इसके अलावा वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर यात्रा, सेवा सेतु अभियान तथा ब्लॉक और तालुका स्तर तक सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

धारापुरम उपचुनाव में उतरेगा 'टोडी मूवमेंट', ताड़ी से प्रतिबंध हटाने की मांग

चेन्नई। तमिलनाडु में 'टोडी मूवमेंट' ने धारापुरम विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में अपना उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। संगठन के समन्वयक सी. नल्लसामी ने रविवार को कहा कि चुनाव के जरिए कावेरी जल अधिकारों की बहाली और टोडी पर लगी पाबंदी हटाने की मांग को आगे बढ़ाया जाएगा। नल्लसामी ने कहा कि संगठन पूरे विधानसभा क्षेत्र में जमीनी स्तर पर अभियान चलाएगा और ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतारेगा जो कावेरी जल अधिकारों की बहाली और टोडी को कानूनी मान्यता देने की नीतियों का समर्थन करता हो। नल्लसामी ने टोडी पर दशकों से जारी प्रतिबंध को चुनौती देते हुए कहा कि यदि कोई यह साबित कर दे कि प्रतिबंध सही है तो वह 10 करोड़ रुपये का नकद इनाम देंगे। उन्होंने विधायकों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे सुविधाओं और गाड़ियों की मांग करते रहते हैं। यदि कोई विधायक टोडी पर प्रतिबंध को सही साबित कर दे तो उसे इनोवा कार देने की बात भी कही। उन्होंने न्यायमूर्ति बी. गोकुलदास आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि आयोग ने टोडी पर प्रतिबंध को लेकर सवाल उठाए थे। यह आयोग कल्लाकुरिची में अवैध शराब त्रासदी की जांच के लिए गठित किया गया था। नल्लसामी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल चुनावी फंडिंग के लिए व्यावसायिक शराब लॉबी पर निर्भर हैं, इसलिए टोडी पर प्रतिबंध जारी है।

ब्रिटिश प्रभाव से मुक्त होगा भारत का इतिहास

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को भारत की स्मृति, इतिहास, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को देश की शक्ति का महत्वपूर्ण आधार बताया। मुंबई की एशियाटिक सोसाइटी में 'गणेश ज्ञानार्थी' विशेष पांडुलिपि प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि जो राष्ट्र अपनी स्मृति, इतिहास, सांस्कृतिक मूल्यों, भाषा, अभिलेखों और परंपराओं की रक्षा नहीं करता, उसका पतन होने में ज्यादा समय नहीं लगता।

अमित शाह ने कहा कि भारत ने सदियों की गुलामी के बावजूद अपनी ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखा। इसी वजह से भारत को पूरी तरह पराजित नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी वर्तमान उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि उसकी ऐतिहासिक स्मृति और सांस्कृतिक विरासत भी उसकी ताकत होती है। गृह मंत्री ने कहा कि ज्ञान केवल पुस्तकों और संस्थानों में सुरक्षित नहीं रहता। जब ज्ञान समाज की सामूहिक चेतना, स्मृति और मौखिक परंपरा का हिस्सा बन जाता है तो उसे नष्ट करना मुश्किल होता है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय का उदाहरण देते हुए कहा कि पुस्तकालय को जलाया जा सकता है, लेकिन वहां का ज्ञान लोगों की सामूहिक चेतना में मौजूद रहने पर समाप्त नहीं किया जा सकता।

पांडुलिपि संरक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण

अमित शाह ने एशियाटिक सोसाइटी के पुस्तकालय का दौरा किया और पांडुलिपि संरक्षण प्रयोगशाला के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा को नष्ट करने के प्रयासों के बावजूद यह ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता रहा। गृह मंत्री तीन दिवसीय मुंबई दौरे पर हैं। इस दौरान वह बांद्रा में रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के पुरस्कार समारोह और नवी मुंबई के वाशी स्थित सिडको प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भी शामिल होंगे। वह लालबागचा राजा के दर्शन भी करेंगे।

मैं दिमागी नक्सल हूं' यह कह कपिल सिब्बल ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने रविवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए खुद को 'दिमागी नक्सल' बताया। उन्होंने 'हॉर्स ट्रेडिंग एंड डेमोक्रेसी' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन की शुरुआत इसी टिप्पणी से की। सिब्बल ने कहा कि उन्हें यह स्वीकार करना है कि वह 'दिमागी नक्सल' हैं। 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की ओर से वैचारिक विरोधियों पर राजनीतिक हमले के लिए किया जाता रहा है। सिब्बल ने इसी शब्द का इस्तेमाल करते हुए सरकार और भाजपा पर तंज कसा। कार्यक्रम में सिब्बल ने विधायकों और सांसदों की खरीद-फरोख्त पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में युद्ध जीतने के लिए घोड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती थी और घोड़ों के व्यापारी खरीदारों को प्रभावित करने की कोशिश करते थे। उनके मुताबिक, आज राजनीतिक परिस्थितियां बदल गई हैं और नेताओं की खरीद-फरोख्त लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। सिब्बल ने कहा कि विधायकों और सांसदों की खरीद-फरोख्त कोई छोटा राजनीतिक घोटाला नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र के लिए बड़ा संकट है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद पैसों का लालच, पद का वादा या जांच से बचाने जैसे दबावों के जरिए बहुमत तैयार किया जाता है।

ब्रिक्स देशों के घोषणापत्र में भारतीय विदेश नीति की समावेशी और दूरदर्शिता दिखी-सीएम सरमा

दिसपुर। असम के सीएम हिमंत बिसवा सरमा ने ब्रिक्स देशों के नई दिल्ली घोषणापत्र की सराहना करते हुए कहा कि यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारतीय विदेश नीति के "व्यावहारिक, समावेशी और दूरदर्शी नेतृत्व" को दर्शाता है। नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में स्वीकार किए गए घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के प्रमुखों द्वारा हाल में जारी गुवाहाटी घोषणापत्र का भी स्वागत किया गया है। इसमें कहा गया है कि इससे "ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के बीच अभियानगत और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

सीएम सरमा ने एक पोस्ट में कहा है कि यह दस्तावेज बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारतीय विदेश नीति के व्यावहारिक, समावेशी और दूरदर्शी नेतृत्व का उदाहरण है। उन्होंने इस ऐतिहासिक दस्तावेज को सफलतापूर्वक स्वीकार किए जाने के लिए पीएम मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह घोषणापत्र भारत की अध्यक्षता की सफलता का सशक्त प्रमाण है। यह विषयवस्तु की दृष्टि से ठोस और दृष्टिकोण के लिहाज से दूरगामी है। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय सुधार और आतंकवाद से मुकाबले से

लेकर नई प्रौद्योगिकी, कृषि एवं पशु संरक्षण के क्षेत्र में करीबी सहयोग तक कई अहम मुद्दों पर वैश्विक शक्तियों के बीच सहमति बनी है। इसमें 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को भी शामिल किया गया है। 'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें विकासशील, अल्प विकसित या अविकसित के रूप में जाना जाता है।

सरमा ने कहा कि नई दिल्ली घोषणापत्र में गुवाहाटी घोषणापत्र का उल्लेख अत्यंत प्रतीकात्मक और अहम कदम है क्योंकि असम मादक पदार्थों की तस्करी के एक अहम मार्ग पर स्थित है। जुलाई में स्वीकार किए गए गुवाहाटी घोषणापत्र में राष्ट्रीय कानूनों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप सदस्य देशों के बीच सूचनाओं, खुफिया जानकारी और सर्वोत्तम तौर-तरीकों को समय पर साझा करने की जरूरत पर जोर दिया था। घोषणापत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कानून प्रवर्तन और नियामकीय प्रयासों को मजबूत करने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों, डिजिटल माध्यमों और आंकड़ों पर आधारित तरीकों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। 2026 में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का मुख्य विषय 'लचीलेपन, नवोन्मेष, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' है। भारत की अध्यक्षता में 6-7 जुलाई को गुवाहाटी में ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के प्रमुखों की दो दिवसीय बैठक हुई थी, जिसमें ब्राजील, चीन, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस और संयुक्त अरब अमीरात ने भाग लिया था।

सीएम शिवकुमार का दावा- भाजपा के कई नेता कांग्रेस के संपर्क में

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को दावा किया कि भाजपा के कई नेता और कुछ केंद्रीय स्तर के नेता कांग्रेस के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि इन नेताओं की कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत चल रही है। शिवकुमार के इस बयान से राज्य की राजनीति में एक बार फिर संभावित दल-बदल की अटकलें तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि भाजपा के कई नेता उनसे, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के अन्य नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला स्तर के मंत्रियों और पदाधिकारियों को कांग्रेस में शामिल होने के इच्छुक नेताओं की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस उन नेताओं का स्वागत करेगी जो पार्टी की विचारधारा और उसके नेतृत्व में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं को उनकी क्षमता और अनुभव के अनुसार जिम्मेदारियां दी जाएंगी। कांग्रेस पहले भी दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को संगठन और सरकार में अलग-अलग भूमिकाएं देती रही है और आगे भी जरूरत के अनुसार जिम्मेदारी दी जाएगी। शिवकुमार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि युवा पीढ़ी अब राजनीति को नए नजरिए से देख रही है और कांग्रेस को लेकर उम्मीदें बढ़ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को करीब 13 वर्षों से सत्ता का अवसर मिला है और अब युवाओं का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है।

सुरक्षा परिषद में भारत को मिलेगा वीटो पॉवर? पुतिन यूएनएससी पर भड़के

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को सुरक्षा परिषद में शामिल करने की बात करते हैं तो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के विश्लेषक इसे सीधे तौर पर भारत की स्थाई सदस्यता के समर्थन के रूप में देख रहे हैं। एशिया से भारत आज ना केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है बल्कि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से ग्लोबल साउथ का सबसे प्रभावी नेतृत्वकर्ता बनकर उभरा है। अब सवाल यह है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार क्यों अनिवार्य देखिए वर्तमान सुरक्षा परिषद का ढांचा 1945 की परिस्थितियों पर आधारित है। जहां केवल स्थाई सदस्यों के पास वीटो पावर है और पिछले आठ दशक में दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है। पूरे अफ्रीकी महाद्वीप और लैटिन अमेरिका से एक भी स्थाई सदस्य नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिअक दुनिया की 60फीसदी से अधिक आबादी एशिया में रहती है। फिर भी यहां से केवल एक स्थाई सदस्य है। समकालीन वैश्विक संकट युद्ध और मानवीय युद्ध को हल करने में मौजूदा ढांचा बार-बार अप्रभावी साबित हुआ है। वैसे भारत लंबे समय से जी4 भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील के जरिए सुधारों की मांग उठाता रहा है और सबसे बड़ी बात भारत के पक्ष में ठोस तर्क है।

संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में शांति अभियानों में सबसे बड़ा सैन्य और मानवीय योगदान देने वाले देशों में भारत पहले नंबर पर रहा है। भारत ने हमेशा विकासशील देशों, ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं जैसे खाद्य सुरक्षा, जलवायु न्याय और डिजिटल समावेशन को वैश्विक एजेंडे पर मजबूती से रखा है। ऐसे में पुतिन का बयान लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी और एशियाई देशों को शामिल करने का प्रस्ताव अपने आप में बहुत बड़ी बात है।

पुतिन के बयान का दूसरा सबसे अहम हिस्सा था। वैश्विक वित्तीय गवर्नेंस, आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान में वोटिंग अधिकार आज भी पश्चिमी देशों के पक्ष में झुके हैं। जो आज की आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप नहीं है। ब्रिक्स देश अब स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे तंत्रों के जरिए अधिक संतुलित और समावेशी वित्तीय प्रणाली तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पुतिन का रुख साफ करता है कि मल्टीपोलर विश्व व्यवस्था की मांग अब केवल एक विचार नहीं बल्कि एक जरुरत बन गई है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या वर्तमान स्थाई सदस्य अपनी वीटो शक्ति और वर्चस्व को छोड़कर विकासशील देशों को उनके वाजिब हक देने के लिए तैयार होंगे?

'हेल्थ फॉर ऑल' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिक्स की प्रतिबद्धता की तारीफ

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस ने पीएम मोदी का जताया आभार

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने रविवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी की ओर से किए गए स्वागत के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को मजबूत करने और 'हेल्थ फॉर ऑल' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिक्स की प्रतिबद्धता की तारीफ की। घेब्रेयसस ने एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह ब्रिक्स नेताओं की ओर से डब्ल्यूएचओ और बहुपक्षवाद के लिए दिए गए मजबूत समर्थन की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली घोषणा में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, मजबूत और लचीली स्वास्थ्य प्रणालियों, महामारी समझौते के तहत पैथोजन एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग एनेक्स पर वार्ता सफलतापूर्वक पूरी करने, टीबी को समाप्त करने के प्रयासों, स्वास्थ्यकर्मियों को मजबूत करने, डिजिटल स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा के एकीकरण और 'हेल्थ फॉर ऑल' को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई। बता दें शनिवार को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपनाई गई 'नई दिल्ली घोषणा 2026' में वैश्विक स्वास्थ्य पहलों में सहयोग बढ़ाने का स्वागत किया गया। साथ ही लचीले, समावेशी और लोगों को केंद्र में रखने वाले दृष्टिकोण के जरिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। रिपोर्ट के मुताबिक घोषणा में कहा गया कि ब्रिक्स देशों के बीच लगातार सहयोग जरूरी है और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए अनुभवों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा किया जाना चाहिए। नेताओं ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुपक्षीय सहयोग को बनाए रखने और मजबूत करने पर जोर देते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की अहम समन्वयकारी भूमिका को रेखांकित किया। ब्रिक्स नेताओं ने जुलाई में चंडीगढ़ में हुई 16वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के परिणामों का भी स्वागत किया। उन्होंने टीबी को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बताया और इससे निपटने के लिए समन्वित कार्रवाई, निरंतर निवेश, अनुसंधान तथा अनुभवों और नवाचारों के प्रभावी आदान-प्रदान की जरूरत पर जोर दिया। इस बीच, डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला ने भी पीएम मोदी के साथ हुई बातचीत के बाद बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और डब्ल्यूटीओ सुधार के लिए उनके समर्थन का आभार जताया।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक?

मुंबई। मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने की चर्चा तेज हो गई है। प्रस्ताव का उद्देश्य डॉक्टरों की पूरी सेवाएं मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पतालों में उपलब्ध कराना है, मरीजों को बेहतर उपचार देना है। इसके साथ ही मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान ज्ञान हासिल हो. उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और स्वास्थ्य आयुक्त की बैठक में इस बात पर विचार विमर्श किया गया है. डॉक्टरों के एक वर्ग ने इस तरह के प्रतिबंध पर सवाल उठाते हुए कहा है, पहले मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त सुविधाएं, स्टाफ, उपकरण, आवास और बेहतर वेतन उपलब्ध कराया जाए, उसके बाद निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाई जाए। डॉक्टरों का तर्क है, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मरीजों का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जबकि कई संस्थानों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी है। ऐसे में केवल निजी प्रैक्टिस रोकना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। देश के कुछ राज्यों में सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर पहले से ही प्रतिबंध या कड़े प्रतिबंध लागू हैं। केरल और पश्चिम बंगाल में सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक है। बिहार ने अप्रैल 2026 में सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर पूर्ण प्रतिबंध घोषित किया है। त्रिपुरा में भी अगरतला मेडिकल कॉलेज और जीबीपी अस्पताल के डॉक्टरों पर निजी प्रैक्टिस रोकते हुए 20 प्रतिशत नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस मंजूर किया गया है। राजस्थान में मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य और अधीक्षकों पर निजी प्रैक्टिस की रोक का फैसला लागू है।

व्यास पीठ से बहने वाली ज्ञान की धारा ने सामाजिक एकता बढ़ाई-सीएम योगी

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि मध्यकाल में देश की राजनीतिक कमजोरियों के बावजूद आध्यात्मिक चर्चा के पारंपरिक केंद्र व्यास पीठों से बहने वाली ज्ञान की धारा ने सामाजिक एकता को मजबूत करने का काम किया। इससे भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्थान को भी आगे बढ़ाने में मदद मिली। मुख्यमंत्री रायबरेली में आयोजित शिव महापुराण कथा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि भारत में धर्म को केवल पूजा-पाठ की विधियों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसे समाज की जीवन शक्ति के रूप में अपनाया गया। धर्म को कर्तव्यों से जोड़ा गया और राष्ट्र की प्रेरक शक्ति माना गया। उन्होंने कहा कि मध्यकाल में विदेशी आक्रांताओं ने भारत के पवित्र स्थलों को नुकसान पहुंचाया, लेकिन व्यास पीठों से निकली ज्ञान की धारा ने समाज को एकजुट बनाए रखा। मुख्यमंत्री योगी ने श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें मुगल बादशाह अकबर के दरबार के नवरत्नों में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया था। योगी के मुताबिक, जब तुलसीदास के सामने यह प्रस्ताव रखा गया तो उन्होंने पूछा कि अकबर कौन है। उन्हें बताया गया कि वह भारत का सम्राट है।

कुछ ना कहना

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) सिहोरा पं. क्र. ६४८

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०१.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), सिहोरा पं.क्र. ६४८ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक २८.०९.२०२६ दिन सोमवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है, बाबद् विचार।
३. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद् ।
४. शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार।
५. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद् विचार।
६. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे बाबद् विचार।

-: भवदीय :-

एच.सी. बोपचे, संस्था प्रबंधक
अरूणा मर्सकोले, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) सिहोरा पं. क्र. ६४८

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) जाम पं. क्र. ३८

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०१.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), जाम पं.क्र. ३८ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १८.०९.२०२६ दिन शुक्रवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है, बाबद् विचार।
३. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद् ।
४. शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार।
५. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद् विचार।
६. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे बाबद् विचार।

-: भवदीय :-

डी.के. लिल्हारे, संस्था प्रबंधक
अरूणा मर्सकोले, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) जाम पं. क्र. ३८

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) नेवरगांव ला. पं. क्र. ४७

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०१.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), नेवरगांव ला पं.क्र. ४७ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक २२.०९.२०२६ दिन मंगलवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है, बाबद् विचार।
३. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद् ।
४. शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार।
५. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद् विचार।
६. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे बाबद् विचार।

-: भवदीय :-

डी.के. लिल्हारे, संस्था प्रबंधक
अरूणा मर्सकोले, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) नेवरगांव ला. पं. क्र. ४७

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) मोहगांव ध पं. क्र. ४०१

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०१.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), मोहगांव ध पं.क्र. ४०१ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १६.०९.२०२६ दिन बुधवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है, बाबद् विचार।
३. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद् ।
४. शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार।
५. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद् विचार।
६. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे बाबद् विचार।

-: भवदीय :-

एच.सी. बसेने, संस्था प्रबंधक
अरूणा मर्सकोले, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) मोहगांव ध पं. क्र. ४०१

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) मिरेगांव पं. क्र. ५०३

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०१.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), मिरेगांव पं.क्र. ५०३ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक २३.०९.२०२६ दिन बुधवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है, बाबद् विचार।
३. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद् ।
४. शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार।
५. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद् विचार।
६. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे बाबद् विचार।

-: भवदीय :-

एम.आर. गोन्दुडे, संस्था प्रबंधक
अरूणा मर्सकोले, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) मिरेगांव पं. क्र. ५०३

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) घोटी पं. क्र. १५१

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०१.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), घोटी पं.क्र. १५१ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १५.०९.२०२६ दिन मंगलवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है, बाबद् विचार।
३. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद् ।
४. शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार।
५. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद् विचार।
६. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे बाबद् विचार।

-: भवदीय :-

गोपाल लानगे, संस्था प्रबंधक
अरूणा मर्सकोले, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) घोटी पं. क्र. १५१

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) लालबर्रा पं. क्र. ७०१

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०१.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), लालबर्रा पं.क्र. ७०१ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक २१.०९.२०२६ दिन सोमवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है, बाबद् विचार।
३. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद् ।
४. शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार।
५. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद् विचार।
६. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे बाबद् विचार।

-: भवदीय :-

एच.सी. बोपचे, संस्था प्रबंधक
अरूणा मर्सकोले, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) लालबर्रा पं. क्र. ७०१

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) डोकरबंदी पं. क्र. ४९९

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०२.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), डोकरबंदी पं.क्र. ४९९ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १९.०९.२०२६ दिन शनिवार को समय १२ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
३. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०२५-२०२६ के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
४. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
५. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
६. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
७. संचालक मंडल के निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

बी.के. राणा, प्रभारी प्रबंधक
अतुल राय, प्रशासक

समस्त कर्मचारीगण
रामकरण भगत, संजय राहंगडाले, संपत राउत, अमित खोखले, ईश्वरदयाल सलामे, तेजराम परते, मोरेश्वर सोनवाने, अंजीलाल नगपुरे, भीवेन्द्र आमाडारे
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) डोकरबंदी पं. क्र. ४९९

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) बल्हारपुर पं. क्र. ४०९

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०३.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), बल्हारपुर पं.क्र. ४०९ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १९.०९.२०२६ दिन शनिवार को समय १२ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
३. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०२५-२०२६ के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
४. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
५. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
६. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
७. संचालक मंडल के निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

विनोद ठाकरे, संस्था प्रबंधक
अतुल राय, प्रशासक

समस्त कर्मचारीगण
दुलीचंद डहाकल (लेखापाल), सीताराम पंचेश्वर, खिलेश्वर पटले, राजकुमार ठाकरे, अशोक खैरवार, श्यामलाल कोल्होटे, उमेदलाल पटले व रूपकुमार दमाहे।
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) बल्हारपुर पं. क्र. ४०९

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) मांझापुर पं. क्र. ४६७

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ३१.०८.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), मांझापुर पं.क्र. ४६७ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १६.०९.२०२६ दिन बुधवार को समय १२ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
३. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०२५-२०२६ के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
४. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
५. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
६. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
७. संचालक मंडल के निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

एल.पी. सोनगड़े, संस्था प्रबंधक
अतुल राय, प्रशासक
संजय हनवत, लिपिक
दीपक ठाकरे, सहायक लिपिक

समस्त कर्मचारीगण
डीके आश्वले (विक्रेता), उमेश बिसेन, सूर्यकांत नगपुरे, चंद्रशेखर कुम्हलवार (दै. विक्रेता), मेहतलाल भलावी (भृत्य), उमा तेलासे (आपरेटर), चित्रसेन कटरे (आपरेटर), पोतनलाल हटले (दै. चौकीदार), दीपक सपाटे
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) मांझापुर पं. क्र. ४६७

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) खमरिया पं. क्र. ३२७

क्रमांक/ आमसभा/२०२६ दिनांक - ३१.०८.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), खमरिया पं.क्र. ३२७ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १६.०९.२०२६ दिन बुधवार को समय दोपहर १२ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
३. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०२५-२०२६ के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
४. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
५. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
६. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
७. संचालक मंडल के निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

आर.एल. बोरकर, संस्था प्रबंधक
अतुल राय, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) खमरिया पं. क्र. ३२७

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) गारापुरी पं. क्र. ५५६

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - २९.०८.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैकस), गारापुरी पं.क्र. ५५६ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १८.०९.२०२६ दिन शुक्रवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
३. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०२५-२०२६ के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
४. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
५. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
६. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
७. संचालक मंडल के निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

एम.पी. ठाकरे, संस्था प्रबंधक
अतुल राय, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) गारापुरी पं. क्र. ५५६

डैमेज कंट्रोल के लिए भोपाल से बुलाए गए थे बाहरी इन्फ्लुएंसर

भोपाल से भेजे जाने की बात सामने आने के बाद उठे तीखे सवाल, स्थानीय मीडिया को दरकिनार करने और कथित बदसलूकी पर माफी की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर और बिरसा में आदिवासी बच्चों की मौत के मामले को लेकर 12 सितंबर को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके के बालाघाट दौरे के दौरान सामने आया विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। दीपके के दौरे के दौरान बाहरी इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबरों द्वारा स्थानीय पत्रकारों के साथ कथित तौर पर किए गए विवाद और दीपके को सवालों के जरिए ट्रोल किए जाने को लेकर जिले के पत्रकारों में पहले से ही नाराजगी थी। अब 13 सितंबर को स्थानीय पत्रकारों की बैठक में जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कथित तौर पर यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि बाहरी इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर भोपाल जनसंपर्क विभाग के सीपीआर अधिकारी के निर्देश पर भेजे गए थे, पूरे मामले ने नया राजनीतिक और प्रशासनिक रंग ले लिया है।

बताया गया कि 12 सितंबर को अभिजीत दीपके बालाघाट पहुंचे थे। उनका उद्देश्य बैहर और बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत के मामले की जमीनी हकीकत जानना और प्रभावित परिवारों से मुलाकात करना था। लेकिन उनके प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचने के साथ ही कुछ बाहरी इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर भी सक्रिय हो गए। दीपके से लगातार सवाल-जवाब किए गए और उनके दौरे को लेकर सोशल मीडिया पर भी तरह-तरह की टिप्पणियां सामने आईं। इस दौरान स्थानीय पत्रकारों के साथ भी कथित विवाद की स्थिति बनी, जिसके बाद मामला केवल दीपके के दौरे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बालाघाट के स्थानीय मीडिया के सम्मान का सवाल बन गया। घटनाक्रम के बाद 12 सितंबर की शाम से ही जिले के पत्रकारों में नाराजगी देखी जा रही थी। इसी नाराजगी के बीच 13 सितंबर को स्थानीय पत्रकारों की बैठक सर्किट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में बाहरी इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबरों की भूमिका, स्थानीय पत्रकारों के साथ कथित व्यवहार और जिले की मीडिया की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले घटनाक्रम को लेकर खुलकर चर्चा हुई। बैठक में मौजूद जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक जनसंपर्क माथन सिंह उइके ने पत्रकारों के समक्ष यह स्पष्ट किया कि 12 सितंबर को बालाघाट पहुंचे बाहरी यूट्यूबर और इन्फ्लुएंसर किसी स्थानीय स्तर के अधिकारी की इच्छा से नहीं आए थे, बल्कि उन्हें भोपाल जनसंपर्क विभाग के सीपीआर अधिकारी के निर्देश पर भेजा गया था। बताया गया कि उनका उद्देश्य डैमेज कंट्रोल करना था। अधिकारी के इस कथन के बाद बैठक में मौजूद पत्रकारों के बीच मामला और गंभीर हो गया, क्योंकि सवाल सीधे तौर पर यह खड़ा हुआ कि आखिर स्थानीय मीडिया को दरकिनार कर बाहरी लोगों के माध्यम से जिले की घटनाओं की तस्वीर क्यों पेश की जा रही थी?, बैठक में वरिष्ठ पत्रकार सुनील कोरे ने इस पूरे घटनाक्रम पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि बार-बार बाहरी लोगों के आने और स्थानीय पत्रकारों की छवि धूमिल करने की स्थिति स्वीकार नहीं की जा सकती। उनका कहना था कि जिले के पत्रकार लंबे समय से प्रशासन और शासन की गतिविधियों को जनता तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं, ऐसे में बाहर से लोगों को बुलाकर

स्थानीय मीडिया की अवहेलना करना उचित नहीं है। उन्होंने कथित बदसलूकी के लिए संबंधित बाहरी इन्फ्लुएंसरों से तत्काल माफी मांगने और उन्हें जिले से बाहर किए जाने की मांग रखी। वरिष्ठ पत्रकार माधुरी कटरे ने भी इस मामले को सीधे पत्रकारों के सम्मान से जोड़ते हुए कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि पत्रकार अपने मान-सम्मान से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे। बाहरी इन्फ्लुएंसरों द्वारा स्थानीय पत्रकारों के साथ कथित तौर पर किए गए व्यवहार पर उन्होंने तत्काल माफी की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि माफी नहीं मांगी गई तो स्थानीय मीडिया प्रशासन के प्रचार-प्रसार में सहयोग करने के अपने रुख पर पुनर्विचार कर सकता है। उन्होंने साफ कहा कि शासन और प्रशासन अपने स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन स्थानीय पत्रकारों के सम्मान के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार नंदलाल मानेश्वर ने भी बाहरी इन्फ्लुएंसरों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस तरह मृत बच्चों के परिजनों के बीच जाकर उनसे सवाल-जवाब किए जा रहे हैं, वह संवेदनशील मामले में उचित नहीं माना जा सकता। उनका कहना था कि पीड़ित परिवार पहले ही अपने बच्चों को खोने के दर्द से गुजर रहे हैं, ऐसे में कैमरों और सवालों के बीच उन्हें घेरना संवेदनशील पत्रकारिता की कसौटी पर भी सवाल खड़े करता है। वरिष्ठ पत्रकार अशोक मोटवानी ने 12 सितंबर को हुए पूरे घटनाक्रम की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पत्रकारों के सम्मान और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। वहीं आनंद ताम्रकार, भानेश साकुरे सहित अन्य पत्रकारों ने भी घटनाक्रम पर नाराजगी जताई और कथित दुर्व्यवहार की निंदा की। पत्रकारों ने एक स्वर में यह संदेश दिया कि यदि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा होती है तो स्थानीय पत्रकारों का समूह उसका खुलकर विरोध करेगा। पूरे घटनाक्रम ने अब एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है, जब जिले में स्थानीय पत्रकार वर्षों से जमीन पर रहकर खबरें जुटा रहे हैं, तो फिर संवेदनशील मामलों में बाहर से इन्फ्लुएंसर बुलाकर नैरेटिव तैयार करने की जरूरत क्यों पड़ी? और यदि जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के सामने रखी गई जानकारी सही है कि इन लोगों को भोपाल से भेजा गया था, तो फिर यह भी पूछा जाना स्वाभाविक है कि डैमेज कंट्रोल आखिर किसका किया जा रहा था और किस तस्वीर को जनता के सामने रखने की कोशिश थी?, सबसे अहम बात यह है कि बैहर-बिरसा में बच्चों की मौत का मूल सवाल अब भी अपनी जगह खड़ा है। मौतों की वास्तविक वजह, जिम्मेदार कौन और प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही कब तय होगी, इन सवालों के जवाब अभी भी जनता मांग रही है। ऐसे में यदि पूरा ध्यान वास्तविक मुद्दे से हटकर बाहरी इन्फ्लुएंसर, सोशल मीडिया ट्रोलिंग और स्थानीय पत्रकारों के साथ विवाद पर चला जाता है, तो इससे मूल सवाल और भी गंभीर हो जाता है कि क्या बच्चों की मौत के सवाल से ध्यान भटकाने के लिए अब विवाद की नई पटकथा तैयार हो रही है?

सीपीआर के माध्यम से बुलाये गये थे, बाहरी इंफ्लुएंसर - माथन सिंह

संयुक्त संचालक, संभागीय जनसंपर्क कार्यालय जबलपुर के माथन सिंह उइके ने बताया बताया कि बीते दिनों दिल्ली से आए कुछ सोशल मीडिया क्रिएटरों द्वारा बालाघाट सहित बैहर-बिरसा क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को लेकर सोशल मीडिया पर काफी नकारात्मक माहौल बनाया गया था। इसी नकारात्मकता की भरपाई और शासन-प्रशासन की छवि को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से जनसंपर्क कार्यालय भोपाल स्तर से सीपीआर के माध्यम से कुछ बाहरी सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों और यूट्यूबर्स को बैहर, बिरसा सहित बालाघाट जिले में भेजा गया था, श्री उइके के मुताबिक, इसी दौरान 12 सितंबर को बाहरी इंफ्लुएंसरों और बालाघाट के स्थानीय मीडिया कर्मियों के बीच विवाद की स्थिति बनी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बाहरी इंफ्लुएंसरों द्वारा स्थानीय मीडिया के साथ व्यवहार में गलती हुई और उनके द्वारा मीडिया कर्मियों के साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। इस पूरे घटनाक्रम के बीच उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बाहर से आए उक्त बाहरी इंफ्लुएंसर और यूट्यूबर्स 12 सितंबर की रात ही बालाघाट जिले से रवाना हो चुके हैं।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) कंजई पं. क्र. ६६९

क्रमांक / आमसभा/२०२६ दिनांक - ०१.०९.२०२६

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैक्स), कंजई पं.क्र. ६६९ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १९.०९.२०२६ दिन शनिवार को समय दोपहर १ बजे दिन में संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि प्रशासकीय बैठक द्वारा आगामी वर्ष २०२७-२८ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है, बाबद् विचार।
३. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने बाबद् ।
४. शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार।
५. आगामी सहकारी वर्ष २०२७-२०२८ के लिए बजट प्रस्तुत करने बाबद् विचार।
६. वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति बाबद् विचार।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जावे बाबद् विचार।

-: भवदीय :-

बी.एल. ठाकरे, संस्था प्रबंधक
अरूणा मर्सकोले, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) कंजई पं. क्र. ६६९

बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या. नेवरगांव (वा.) पं. क्र. ७६५

८१ वीं वार्षिक आमसभा की सूचना

दिनांक - ०५/०९/२०२६

मान्यवर,
श्रीमान/ श्रीमती ....

आपको सूचित किया जाता है कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित नेवरगांव (वा.) पं.क्र. ७६५ की वार्षिक आमसभा दिनांक १८/०९/२०२६ दिन शुक्रवार को दोपहर १२ बजे स्थान प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित नेवरगांव (वा.) के कार्यालय भवन में आयोजित की गई है।

निर्धारित समय पर गणपूर्ति के अभाव में आमसभा स्थगित की जाकर स्थगित आमसभा की बैठक उसी दिन उसी स्थान पर निर्धारित समय से आधा घंटे बाद अपराह्न १२.३० बजे प्रारंभ होगी।

आमसभा के समक्ष विचार हेतु प्रस्तुत विषयों की सूची निम्नानुसार है -
१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष के लिये तैयार किया गया हो, अनुमोदन करना।
२. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०२५-२६ के वित्तीय का वाचन एवं अनुमोदन।
३. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन, यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया है।
४. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो, तथा वार्षिक रिपोर्ट विचार करने एवं अनुमोदन करना।
५. आगामी वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिये अनुमानित बजट प्रस्तुत करने एवं अनुमोदन करना।
६. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए घाटे के कारणों का परीक्षण करना।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिये संपरीक्षक की नियुक्ति करना।
८. किसी अन्य विषय पर जो उपविधियों के अनुसार लाया जायें, विचार करने के लिये।

-: विनीत :-

एस. डी. बोपचे, संस्था प्रबंधक
अतुल राय, प्रशासक

समस्त कर्मचारीगण
एस.सी.देवारे, राकेश बोपचे, रमेश ठाकरे, राजेश सोनी, टिपेश मुखे, दिव्या पारधी, जीवनलाल नेवारे, कृष्णा सोनी, राजेश जामरे।
बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या. नेवरगांव (वा.) पं. क्र. ७६५

शराब के अवैध परिवहन पर पुलिस की कार्रवाई, 4 गिरफ्तार

62.640 बल्क लीटर शराब जब्त, 46 हजार से अधिक का माल बरामद, आसपास के गांवों में पैकारी की शिकायतों से व्यवस्था पर सवाल

पद्मेश न्यूज। परसवाड़ा। परसवाड़ा क्षेत्र में शराब के अवैध परिवहन को लेकर पुलिस की कार्रवाई ने एक बार फिर शराब के कारोबार से जुड़े सवालों को सामने ला दिया है। परसवाड़ा थाना पुलिस ने शराब दुकान से दूसरी दुकान तक शराब के कथित अवैध परिवहन के मामले में 04 लोगों को गिरफ्तार कर 62.640 बल्क लीटर देशी-अंग्रेजी शराब जब्त की है। जब्त शराब और अन्य सामग्री की कुल कीमत 46,080 रुपए बताई गई है।मामले में पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्यवाही

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि परसवाड़ा बस स्टैंड स्थित शराब दुकान से काले रंग की टीयूवी कार में देशी और अंग्रेजी शराब भरकर बीजाटोला स्थित शराब दुकान तक ले जाई जा रही है। सूचना की तस्दीक के लिए पुलिस ने दोनों शराब दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की।जिसमे काले रंग की कार में शराब के कार्टून रखे जाने तथा इसके बाद वाहन के बीजाटोला शराब दुकान पहुंचने की जानकारी सामने आई।

इन 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

उधर पुलिस ने फुटेज और पूछताछ के आधार पर चंदन सिंह राजपूत, राजेश कुमार गुप्ता, रोहित मेरावी और विजय मिश्रा को आरोपी बनाया है।पुलिस कार्रवाई में देशी प्लेन मदिरा का 1 कार्टून, गोवा के 4 कार्टून, मेगडावल रम का 1 कार्टून और बेकपाईपर का 1 कार्टून जब्त किया गया। इसके अलावा 3 खाली बीयर कार्टून भी मिले।

लगातार परिवहन की बात ने बढ़ाई चिंता

मामले में सामने आए पुलिस रिकॉर्ड से शराब के परिवहन को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। यदि शराब को एक दुकान से दूसरी दुकान तक इस तरह ले जाया जा रहा था, तो सवाल यह भी है कि क्या यह एक बार की घटना थी या लंबे समय से इसी तरह शराब का परिवहन किया जा रहा था? पुलिस जांच में सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर इस पहलू की भी पड़ताल जरूरी है कि इससे पहले कितनी बार और कितनी मात्रा में शराब का परिवहन किया गया।

पैकारी के माध्यम से गुपचुप तरीके से शराब बेचने की शिकायत

बताया गया कि यह मामला केवल 7 कार्टून शराब की जब्ती तक सीमित नहीं माना जाना चाहिए। क्षेत्र में शराब की उपलब्धता और उसके कथित अवैध वितरण को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। खासकर शराब दुकानों से जुड़े आसपास के गांवों में पैकारी के माध्यम से गुपचुप तरीके से शराब बेचे जाने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। हालांकि इन शिकायतों की स्वतंत्र पुष्टि और वास्तविक स्थिति जांच का विषय है, लेकिन यदि ऐसी गतिविधियां हो रही हैं तो इसका सीधा असर गांवों के सामाजिक माहौल पर पड़ना स्वाभाविक है।

गांवों तक आसानी से पहुंच रही शराब

ग्रामीण क्षेत्रों में शराब आसानी से उपलब्ध होने की शिकायतों के बीच सबसे बड़ी चिंता युवा वर्ग को लेकर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई गांवों में युवाओं के बीच शराब सेवन बढ़ रहा है। कम उम्र में नशे की आदत लगने से पढ़ाई, रोजगार और परिवार की जिम्मेदारियों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है।शराब की बढ़ती उपलब्धता को लेकर सामाजिक स्तर पर भी चिंता व्यक्त की जा रही है। परिवारों में आर्थिक परेशानी, घरेलू विवाद और आपसी तनाव जैसी स्थितियों को शराब की लत से जोड़कर देखा जाता है। लंबे समय में यह स्थिति परिवार और सामाजिक ताने-बाने में विघटन की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकती है।

केवल गिरफ्तारी नहीं, सप्लाई चैन तक पहुंचना जरूरी

पुलिस की कार्रवाई निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल परिवहन करने वालों पर कार्रवाई से अवैध शराब की समस्या समाप्त हो पाएगी? यदि शराब वास्तव में दुकानों से निकलकर आसपास के गांवों तक पैकारी के माध्यम से पहुंच रही है, तो पुलिस और आबकारी विभाग को इसकी पूरी सप्लाई चैन की जांच करनी होगी।यह पता लगाना जरूरी है कि शराब कहां से निकलती है, किसके माध्यम से परिवहन होती है और गांवों में किन स्थानों तक पहुंचती है। साथ ही वैध शराब दुकानों से होने वाले स्टॉक और बिक्री के रिकॉर्ड का भी नियमित मिलान किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदारी तय हो सके।

कार्रवाई की मांग

क्षेत्रवासियों की अपेक्षा है कि इस मामले की जांच केवल गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों तक सीमित न रहकर शराब के कथित अवैध परिवहन और ग्रामीण क्षेत्रों में पैकारी की शिकायतों की तह तक पहुंचे।यदि कहीं अवैध बिक्री हो रही है तो उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के साथ युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रशासन और सामाजिक संगठनों को भी जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

महिलाओं के आंदोलन में पीएमएसए क्लब भी आया सामने, बच्चों ने भी शराब दुकान के खिलाफ खोला मोर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बूढ़ी क्षेत्र में शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग को लेकर वार्ड क्रमांक 12 और 13 की महिलाओं का विरोध अब लगातार तेज होता जा रहा है। कई दिनों से महिलाएं बूढ़ी शराब दुकान के सामने प्रदर्शन कर दुकान को आबादी वाले क्षेत्र से हटाने की मांग कर रही हैं। इसी आंदोलन को 13 सितंबर को पीएमएसए क्लब के पदाधिकारियों ने समर्थन देते हुए नशामुक्ति अभियान चलाया। अभियान में क्लब के पदाधिकारियों के साथ छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल हुए और हाथों में नशामुक्ति से जुड़े संदेशों वाली तख्तियां लेकर शराब दुकान के सामने विरोध दर्ज कराया। बताया गया कि आनंद मार्ग जागृति, माता मंदिर के सामने वार्ड नंबर-1 बूढ़ी से जुड़े पीएमएसए क्लब के पदाधिकारियों ने महिलाओं की मांग को समर्थन देते हुए कहा कि आबादी वाले क्षेत्र में शराब दुकान होने से स्थानीय परिवारों और विशेषकर महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी मुद्दे को लेकर 13 सितंबर की दोपहर क्लब के पदाधिकारी और बच्चे शराब दुकान के सामने पहुंचे और कुछ समय तक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान बच्चों के हाथों में मौजूद तख्तियां लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहीं। इन तख्तियों के माध्यम से नशे के खिलाफ संदेश देते हुए शराब दुकान को आबादी वाले क्षेत्र से स्थानांतरित करने की मांग उठाई गई। महिलाओं का कहना है कि वे लंबे समय से दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग कर रही हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। महिलाओं के आंदोलन को सामाजिक संगठन का समर्थन मिलने के बाद मामला और चर्चा में आ गया है। पीएमएसए क्लब द्वारा निकाली गई रैली के जरिए नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश भी दिया गया। रैली में बच्चों की भागीदारी ने यह सवाल भी सामने रखा कि आखिर नई पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए प्रशासन और संबंधित विभाग किस स्तर पर कदम उठा रहे हैं। महिलाओं का विरोध केवल शराब दुकान बंद कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी मुख्य मांग दुकान का स्थान परिवर्तन है। उनका तर्क है कि आबादी के बीच शराब दुकान होने से आसपास के रहवासियों को असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में प्रशासन को स्थानीय लोगों की शिकायत और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को गंभीरता से लेते हुए उचित निर्णय लेना चाहिए। 13 सितंबर को हुए प्रदर्शन के दौरान कुछ समय तक शराब दुकान के सामने माहौल आंदोलनकारी रहा। इसके बाद रैली के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया गया। अब देखना यह है कि लगातार विरोध और सामाजिक संगठनों के समर्थन के बाद प्रशासन शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर क्या निर्णय लेता है।

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अखंड सौभाग्य की कामना का महापर्व हरितालिका आज

पूजा सामग्री खरीदने बाजारों में उमड़ी सुहागिनों की भीड़

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

हिंदू धर्मावलंबियों का पावन और आस्था का प्रतीक हरितालिका तीज पर्व इस वर्ष दो तिथियों में मनाया जा रहा है। जिसमें कुछ हिन्दु धर्मालंबियों ने रविवार को यह पर्व मनाया है। तो वहीं अधिकांश श्रध्दालुओं के द्वारा 14 सितंबर (सोमवार) को श्रध्दा, भक्ति और उल्लास के साथ हरितालिका का पर्व मनाया जायेगा। सुहागिन महिलाएं जहां अपने पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य के लिए यह कठिन निर्जला व्रत रखेंगी। वहीं कुंवारी कन्याएं भी मनवांछित वर की प्राप्ति के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना करेंगी। पर्व के एक दिन पूर्व 13 सितंबर को बाजार में खासी भीड़ देखने को मिली। बाजारों में सुहागिन महिलाओं और नवयुवतियों की दोपहर से ही चहल-पहल शुरू हो गई थी, जो देर शाम तक खासी भीड़ नजर आई। इस अवसर पर बाजार क्षेत्र में लगी दुकानों से महिलाओं के द्वारा बांस से निर्मित टोकनी, फूलेरा, फूल, बेलपत्ती, नारियल, अगरबत्ती, हल्दी, कुमकुम, सिंदूर, राम दतुन एवं फलों सहित समस्त सामग्रियों की खरीदी की गई और उक्त सामग्री की दुकानों में ग्राहकों का तांता लगा रहा। पर्व के चलते फल और फूल की दुकानों में भी भीड़ नजर आई।

सुहागिन महिलायें एवं कुंवारी युवतियां रखेगी निर्जला व्रत

आपको बता दे कि हरितालिका पर्व पर सुहागिन महिलाओं व कुंवारी युवतियों के द्वारा निर्जला व निराहार व्रत रखकर फुलेरा सजाया जायेगा एवं भगवान शिव व माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना कर रतजगा करने के पश्चात दूसरे दिन प्रात: नदी व तालाबों में फुलेरा को विसर्जित किया जायेगा। वहीं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए जंगल में तपस्या करते हुए यह निर्जला व्रत धारण किया था। माता पार्वती की कठोर भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर भोलेनाथ ने उन्हें पत्नि रूप में स्वीकार किया था, तभी से यह परंपरा चली आ रही है। इस दिन महिलाएं दिनभर अन्न-जल त्यागकर रात्रि में फुलेरा बांधकर भगवान शिव-पार्वती की बालू रेत की प्रतिमा बनाकर विधि-विधान से पूजन करती हैं और तीज माता की कथा सुनती हैं। वहीं सभी हिन्दु धर्मालंबियों में इस तीज पर्व को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है और सभी घरों में पूजन की तैयारियां में जुट गये है। चर्चा में सुहागन महिलाओं ने बताया कि इस वर्ष दो तिथियों में हरितालिका का पर्व मनाया जा रहा है, जिसमें कुछ श्रध्दालुओं ने रविवार को यह पर्व मनाया है किन्तु अधिकांश महिलाएं 14 सितंबर को यह पर्व मनायेगी। इस दिन सुहागन महिलाएं पति की दीर्घायु व कुंवारी युवतियां अच्छे वर की कामना के लिए हरितालिका व्रत रखते है। जिसमें महिलाओं के द्वारा 24 घंटे का निर्जला व्रत रखकर फूलेरा सजाया जाता हैं। जिसके बाद रात में भगवान शिव व माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना कर रात्रि में भजन-कीर्तन किया जाता है। जिसके बाद दूसरे दिन प्रात: नदी व तालाबों में फुलेरा का विसर्जन किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि इस हरितालिका पर्व का विशेष महत्व है और इस दिन गौरी-शंकर की पूजा का विधान है जिसमें मान्यता है कि हरितालिका तीज का व्रत करने से सुहागिन महिलाओं के पति की उम्र लंबी होती है तथा कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है।

महाविद्यालय में वृक्षारोपण और राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में शनिवार को राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पर्यावरण संरक्षण के लिए एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। वहीं एनएसपीसी 2026 के उद्देश्यों के अंतर्गत सामुहिक प्रयासों और प्रकृति संरक्षण के माध्यम से एक स्थायी जीवन शैली को बढ़ावा देना है। इस व्याख्यान माला का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है तथा उन्हें यह जानकारी देना है कि वृक्षारोपण करने से हवा शुध्द होती है और मिट्टी का कटाव रूकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया और विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने भाग लिये और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. निर्मल कीर्ति गेड़ाम ने विद्यार्थियों को वृक्षारोपण करने व संरक्षण से ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरों को कैसे कम किया जा सकता है उसके बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की सहसंयोजक श्रीमती अनिभा शरणागत ने एनएसपीसी 2026 के उद्देश्यों की पूर्ण जानकारी प्रदान की। वहीं महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने प्राकृतिक संसाधनों, जीव-जन्तुओं और पारिस्थितिक तंत्र को प्रदूषण व विनाश से बचाने के लिए वृक्षारोपण करने की बात कही। राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. कामाक्षा बिसेन ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया एवं विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त किया। राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के अन्तर्गत व्याख्यान माला का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। वहीं कार्यक्रम के अंत में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में आम, अमरूद, केला, सागौन व नींबू के पौधो का रोपण किया। "एक पेड़ माँ के नाम" भारत सरकार का जन सहयोग एवं सामुदायिक सहयोग से पूर्ण होने वाला राष्ट्रव्यापी अभियान है। "एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य धरती माँ के संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना है। पर्यावरण संरक्षण के लिए यह पहल बहुत ही सराहनीय है। इस अवसर पर प्राध्यापक सुमन बरया, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. हषिकेश पटेल, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे, प्रसिक हुमनेकर एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

सौहार्दपूर्वक और आपसी भाईचारे के साथ मनाये गणेशोत्सव एवं अन्य पर्व - थाना प्रभारी

थाने में शांति समिति की हुई बैठक, पंडालों में सीसीटीवी कैमरे और वालंटियर्स अनिवार्य, नियम उल्लंघन पर होगी कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित थाना परिसर में गणेश चतुर्थी, नवदुर्गा उत्सव, दशहरा सहित अन्य पर्व को मद्देनजर रखते हुए शनिवार को शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार, थाना प्रभारी राजमल दायमा सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिकों एवं गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारियां की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में गणेश उत्सव, मूर्ति विसर्जन, सहित अन्य पर्व दौरान क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये जाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिस पर उपस्थितजनों ने अपनी समस्याएं रखने के साथ ही सुझाव भी दिये। इस दौरान उपस्थितजनों ने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, नगर में बिजली व्यवस्था, बस-स्टैण्ड परिसर की साफ सफाई, सड़क पर धमाचौकड़ी मचा रहे मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने, रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की गई है। वहीं बैठक में गणेशोत्सव समिति की जानकारी लेकर पर्व के दौरान होने कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करवाने निर्देशित किया गया। साथ ही गणेशोत्सव सहित अन्य पर्व सौहार्दपूर्वक एवं शांतिपूर्वक मनाने एवं पर्व के दौरान अगर कोई शांति भंग करने प्रयास करता है उसकी जानकारी थाने में देने कहा गया है ताकि वैधानिक कार्यवाही कर शांति व्यवस्था बनाया जा सके। वहीं सार्वजनिक पंडालों में सीसीटीव्ही कैमरे एवं पर्याप्त वालंटियर्स रखने भी समिति को निर्देशित किया गया है। साथ ही पुलिस प्रशासन के द्वारा गणेशोत्सव समितियों को डीजे बजाने की अनुमति लेने के बाद ही डीजे निर्धारित समय पर ही बजाने निर्देशित किया गया है और नियम का पालन नही करने एवं पर्व के दौरान अशांति फैलाने वालों पर वैधानिक कार्यवाही भी की जायेगी। वहीं श्रीगणेश गंज समिति लालबर्रा के पदाधिकारियों ने हाई स्कूल मार्ग के दोनों साईड में बड़े वाहन खड़े रहते है और इस मार्ग से स्कूल के बच्चें आना-जाना करते है इसलिए उक्त मार्ग पर खड़े रहने वाले बड़े वाहनों को हटाये जाने एवं नगर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की है। जिस पर थाना प्रभारी ने आश्वास्त करते हुए कहा कि उच्चाधिकारियों को अवगत करवाकर उक्त व्यवस्था एवं समस्याओं का निराकरण करने की बात कही। साथ ही क्षेत्रीयजनों से गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव सहित अन्य पर्व सौहार्दपूर्वक मनाने एवं समितियों से डीजे बजाने के लिए अनिवार्य रूप से अनुमति लेने की अपील की है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

आज सार्वजनिक पंडालों और घरों में विराजेगें प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश

भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापना कर भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा गणेशोत्सव पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। दस दिनों तक चलने वाला गणेशोत्सव पर्व 14 सितंबर को शुभ मुहूर्त में भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापना के साथ प्रारंभ हो जायेगा। जिससे पूरे क्षेत्र में दस दिनों तक भक्तिमय माहौल बना रहेगा और चहूंओर प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश, गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों की गुंज सुनाई देगी। गणेशोत्सव पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिये नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों के द्वारा व्यापक रूप से तैयारी की गई है। जिसमें दस दिनों तक विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। 14 सितंबर को प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश के पर्व का शुभारंभ होगा जिसके लिए मूर्तिकारों के द्वारा प्रतिमाओं के रंगरोगन का कार्य कर अंतिम रूप देना प्रारंभ कर दिया गया है। साथ ही बाजार में लालबर्रा छोटी प्रतिमाओं का विक्रय भी किया जा रहा है, लेकिन लालबर्रा मुख्यालय में रविवार को दोपहर 1 बजे तक रूक-रूक कर हुई तेज बारिश होने के कारण मूर्तिकारों को मूर्ति को तैयार करने में काफी परेशानियों सामना करना पड़ा।

शुभ मुहूर्त पर की जायेगी प्रतिमा स्थापना

नगर मुख्यालय स्थित मंडी परिसर, अमोली स्थित देवी मंदिर, माँ सतबहनी मंदिर चौक सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर समितियों के द्वारा पंडालों का निर्माण किया जा रहा है। श्री गणेशोत्सव पर्व के एक दिन पूर्व 13 सितंबर से ही भक्तजन मूर्तिकारों के घर व बाजार से भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को लेकर जा रहे है एवं 14 सितंबर को गणेश प्रतिमा स्थापना हेतु गणेश उत्सव समितियों के द्वारा प्रात: से ही ढोल-नगाड़े के साथ ही प्रतिमाओं को स्थापना स्थल ले जाने का सिलसिला प्रारंभ हो जायेगा और शुभ मुहुर्त पर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्रतिमा की स्थापना की जायेगी। चर्चा में मूर्तिकारों ने बताया कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का निर्माण कार्य जारी है जिसमें छोटी प्रतिमाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और कुछ भक्तजन घर पहुंचकर प्रतिमा लेकर जा भी रहे है एवं बड़ी प्रतिमाओं को तैयार करने में समय लगता है जो 14 सितंबर की सुबह तक तैयार हो जायेंगे। साथ ही यह भी बताया कि इस वर्ष पेंट व आवश्यक सामग्रियों के दाम बढ़े है और महंगाई के दौर में मेहनत के हिसाब से दाम भी नही मिल पाता है। साथ ही लालबर्रा कुम्हारी मोहल्ला में करीब 1500 से अधिक भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का निर्माण किया गया है और क्षेत्र भर के भक्तजन घर पहुंचकर प्रतिमा लेकर जायेंगे एवं शुभ मुहूर्त पर स्थापना कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व मनायेंगें। साथ ही यह भी बताया कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापना के बाद अब नवरात्र पर्व के लिए माँ दुर्गा की प्रतिमा बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा।

अमोली के शास. कन्या उमावि. में किया गया पौधारोपण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हरियाली महोत्सव के तहत शनिवार को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस एवं युवक रेडक्रॉस इकाई के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर एवं शाला पहुंच मार्ग के दोनों ओर फलदार व छायादार पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। इस अभियान की मुख्य विशेषता यह रही कि केवल पौधे लगाने तक ही सीमित न रहकर उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी तय की गई। रेडक्रॉस की 20 छात्राओं, विद्यालय के समस्त स्टाफ तथा अन्य विद्यार्थियों ने रोपित किये गये सभी पौधों की आगामी 5 वर्षों तक निरंतर देखरेख और सुरक्षा करने का दृढ़ संकल्प लिया है। वहीं विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए सभी को पर्यावरण संतुलन बनाये रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका रोपण करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर शासकीय कन्या उमावि. अमोली के प्राचार्य संजीत भालेकर, रेडक्रॉस प्रभारी विभव पाटिल, शिक्षिका श्रीमती सीमा रहांगडाले, सुश्री रोशनी मिरचेश्वर, दिशी नागेश्वर, अजय बनवाले सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027' को लेकर जागरूकता पंजीयन अभियान शुरू

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग बालाघाट जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के निर्देशानुसार 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027' को लेकर जिलेभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खेल विभाग के ब्लाक समन्वयक लव नगपुरे के द्वारा लालबर्रा विकासखंड में विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों, स्कूलों एवं कालेज में पहुंचकर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर उन्हे जागरूक कर पंजीयन किया जा रहा है। चर्चा में खेल विभाग के ब्लाक समन्वयक लव नगपुरे ने बताया कि विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज्-2027 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश के सामने अपने विचार, अपना विजन तथा अपने जिला और राज्य को प्रतिनिधित्व करने का सबसे बड़ा राष्ट्रीय मंच है। जिसमें सभी 15-29 वर्ष के युवा साथियों का पंजीजन किया जा रहा है। ताकि वे बढ़ चढ़ कर भाग ले और विकसित भारत 2047 के निर्माण में भागीदार बने। श्री नगपुरे ने बताया कि युवाओं को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और माय भारत की एक प्रमुख युवा पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं को नेतृत्व, संवाद, नवाचार और राष्ट्र निर्माण से जोड़ना तथा विकसित भारत 2047 के लिए उनके विचार और समाधान सामने लाना है। इसलिए अधिक से अधिक युवाओं को पंजीयन के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पांच किसानों के ट्यूबवेल से केबल चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

किन्ही में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से किसान परेशान, पुलिस से कार्यवाही की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत किन्ही में चोरी की लगातार बढ़ रही घटनाओं ने किसानों और ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। पोला पर्व की रात अज्ञात चोरों ने खेतों में लगे ट्यूबवेलों को निशाना बनाते हुए पांच किसानों की मोटर के केबल चोरी कर लिए। चोरी की इस वारदात में किसानों को हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। घटना के बाद किसानों ने खैरलांजी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

चोरो ने केबल को छीलकर तांबा निकालकर की चोरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार पोला पर्व के दौरान जब ग्रामीण और किसान पर्व की तैयारियों एवं आयोजन में व्यस्त थे उसी दौरान अज्ञात चोरों ने ग्राम किन्ही एवं आसपास के खेतों में लगे ट्यूबवेलों पर धावा बोला। चोरों ने ट्यूबवेल से मोटर निकालकर उसके केबल को काट लिया तथा केबल को छीलकर उसमें से तांबा निकालकर फरार हो गए। चोरी की जानकारी किसानों को अगले दिन खेत पहुंचने पर हुई। चोरी की यह घटना पतिराम भोयर, अजब पताहे, राधेश्याम पताहे, महादेव बनेवार घुबड़गोंदी और रेखलाल पताहे के ट्यूबवेल से हुई हैं। किसानों के अनुसार प्रत्येक किसान को करीब २० हजार रुपए का नुकसान हुआ है। इस तरह पांच किसानों को सामूहिक रूप से लगभग एक लाख रुपए की क्षति होने का अनुमान है। किन्ही क्षेत्र में ट्यूबवेल के केबल चोरी की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी करीब छह किसानों के बोरवेल से केबल चोरी की वारदातें सामने आ चुकी हैं। लगातार खेतों में चोरी होने से किसानों में असुरक्षा का माहौल है। किन्ही में चोरी की घटनाओं का सिलसिला केवल किसानों के खेतों तक सीमित नहीं है। गांव में स्थित लिल्हारे कृषि केंद्र से करीब २५ क्विंटल धान चोरी होने की घटना भी सामने आ चुकी है। इसके अलावा बाजार क्षेत्र से बाइक चोरी की वारदात भी हो चुकी है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार शिकायतों और वारदातों के बावजूद अब तक चोरों का सुराग नहीं लग पाया है। इससे चोरों के हौसले बढ़ते नजर आ रहे हैं और ग्रामीणों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। पिछले एक वर्ष के दौरान किन्ही क्षेत्र में चोरी की यह चौथी बड़ी घटना है। लगातार सामने आ रही वारदातों के कारण किसान और ग्रामीण अपने खेत कृषि उपकरण फसल और वाहनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पोला पर्व की रात हुई चोरी के बाद किसानों ने खैरलांजी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई जायें, पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं की जांच कर आरोपियों का पता लगाया जाए तथा चोरी का सामान बरामद कर किसानों को राहत दिलाई जाए।

पुलिस चोरों पर नहीं करती कार्यवाही-राजेन्द्र भोयर

किसान राजेंद्र भोयर ने बताया कि ट्यूबवेल के केबल चोरी हो गए हैं नारबोद की सुबह हम खेत गए तो पाइप बाहर निकला हुआ था। केबल चोरी हो गया था फिर हमारे द्वारा गजब भाई को फोन किया गया तो उनके खेत का भी केबल चोरी हो गया था। जब घर से बाहर निकल कर देखें तो करीब चार और किसानों के बोर से केबल चोरी हो गया था। इस प्रकार करीब अभी ५ किसान सामने आए हैं इसके पहले भी यह घटना हुई थी सुरेश बिसेन और विजय मोहारे के खेत में चोरों ने चोरी की है इन पर कार्यवाही होना चाहिए।

केबल चोरी की घटना को लेकर क्षेत्र के किसानों में आक्रोश है-सुभाष पटेल

सुभाष पटेल ने बताया कि नारबोद की सुबह करीब ५ किसानों के खेतों में चोरी हो गई। विषय चोरी किए हैं तो कार्यवाही होगी मगर इस दौरान कोई दुर्घटना हो जाए सभी कनेक्शन चालू रहते हैं, मौके पर किसी को करेंट लग जाए तो इसकी जवाबदारी कौन लेगा। घटना की जानकारी हमको फोन पर पता चले तो हमने अपने खेत में जाकर देखा उन्होंने बोर के अंदर से मोटर बाहर निकाल कर पूरा केवल काटकर चोरी किया है। प्रत्येक किसान को २०००० रुपए करीब का नुकसान हुआ है। इसके पहले भी धान मोटरसाइकिल एवं मोटर केबल की चोरी हुई हैं।

आज मनाया जाएगा हरतालिका तीजा पर्व

नगर में सजी फुलेरा व पूजन सामग्री की दुकानें,महिलाओं ने की जमकर खरीदारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । सुहागिन महिलाओं के अखंड सौभाग्य एवं पति की दीर्घायु की कामना के लिए रखा जाने वाला पावन हरतालिका तीजा पर्व १४ सितम्बर को नगर सहित पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है। वहीं तीजा पर्व के एक दिन पूर्व रविवार को वारासिवनी के बाजार में पूजन सामग्री की दुकानों पर अच्छी.खासी चहल.पहल देखने को मिली। हरतालिका तीज को लेकर नगर के विभिन्न बाजार क्षेत्रों में फुलेरा, टोकनी, सुहाग सामग्री सहित पूजा पाठ में उपयोग होने वाली विभिन्न वस्तुओं की दुकानें सज गई हैं। महिलाओं ने अपनी आवश्यकता के अनुसार इन सामग्रियों की खरीदारी की। पर्व को लेकर बाजार में दिनभर महिलाओं की आवाजाही बनी रही जिससे बाजार में रौनक दिखाई दी। तीजा पर्व के एक दिन पूर्व १३ सितम्बर को बाजार में पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। दुकानों पर फुलेरा और अन्य पूजन सामग्री की मांग रही। पर्व को लेकर दुकानदारों ने भी विशेष रूप से पूजन सामग्री की दुकानें सजाई हैं। हालांकि दुकानदारों का कहना है कि व्यापार सामान्य है लेकिन पर्व के चलते बाजार में ग्राहकी बढ़ी है और उन्हें अच्छे कारोबार की उम्मीद है। हरतालिका तीजा पर्व पर सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुखी दांपत्य जीवन की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार महिलाएं भगवान शिव एवं माता पार्वती की विधि.विधान से पूजा अर्चना करती हैं। कई स्थानों पर नदी की रेत से भगवान शिव एवं माता पार्वती की प्रतिमाएं बनाकर उनकी पूजा की जाती है तथा फुलेरा बांधा जाता है। पूजा के दौरान सुहागिन महिलाओं को वान देने की परंपरा भी निभाई जाती है ,जिसमें सुहाग से जुड़ी विभिन्न सामग्री शामिल रहती है। पर्व की पूजा के लिए टोकनी, फुलेरा, सुहाग सामग्री सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की जरूरत होती है जिसकी खरीदारी महिलाओं ने बाजार में लगी दुकानों से की। हिंदू संस्कृति में हरतालिका तीजा पर्व का विशेष धार्मिक एवं सामाजिक महत्व माना जाता है। पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख.समृद्धि की कामना को लेकर महिलाएं श्रद्धापूर्वक यह व्रत रखती हैं। नगर सहित ग्रामीण अंचलों में भी पर्व को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व पर महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करेंगी। इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना कर पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया जाएगा। पर्व को लेकर वारासिवनी सहित आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक माहौल बना हुआ है।

गणेश उत्सव को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

विसर्जन व्यवस्था सुरक्षा और आवश्यक अनुमति को लेकर समिति सदस्यों को दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । आगामी गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण , सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर वारासिवनी पुलिस थाना के सभा कक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके सहित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ की गयी। बैठक में दस दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमो, गणेश प्रतिमाओं की स्थापना, पंडाल व्यवस्था,सुरक्षा तथा विसर्जन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। गणेश उत्सव समितियों के सदस्यों ने अपने अपने पंडाल एवं प्रस्तावित आयोजनों की जानकारी पुलिस प्रशासन के समक्ष रखी। इस दौरान गणमान्य नागरिकों ने नगर में गणेश उत्सव के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं एवं असुविधाओं को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विशेष रूप से गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान यातायातए सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए जाने पर जोर दिया गया। नागरिकों द्वारा दिए गए सुझावों को पुलिस प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए दर्ज किया तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। पुलिस प्रशासन ने गणेश उत्सव समितियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रकार की आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद ही कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। पंडालों में विद्युत वायरिंग व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से कराने तथा विद्युत सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की गई। इसके साथ ही पंडालों में हर समय एक जिम्मेदार व्यक्ति की मौजूदगी सुनिश्चित करने और रात्रि के समय समिति के सदस्यों की उपस्थिति बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके ने बताया कि शांति समिति की बैठक में गणेश उत्सव के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी लेने के साथ ही नगर में संभावित समस्याओं एवं उनके समाधान को लेकर समिति सदस्यों और गणमान्य नागरिकों से सुझाव लिए गए हैं। विसर्जन के दौरान नगर में बेहतर यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाने तथा गणेश प्रतिमाओं का सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण विसर्जन सुनिश्चित कराने के लिए तहसीलदार एवं नगर पालिका के सीएमओ के साथ भी चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक, गणेश उत्सव समितियों के सदस्य तथा पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रीराम देव बाबा का जन्म अन्याय अत्याचार और बुराईयों को नाश करने व धर्म की स्थापना करने के लिये हुआ था-प्रदीप जायसवाल

धूमधाम से मनाया श्रीकृष्णावतार बाबा रामदेव का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । नगर के वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर स्थित प्राचीन श्री रामदेव बाबा मंदिर में श्रीकृष्णावतार बाबा रामदेव का दो दिवसीय जन्मोत्सव समारोह श्रद्धा ,भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रामदेव बाबा भक्त मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पूजा.अर्चना की और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किया। १३ सितम्बर को हवन.पूजन, महाआरती एवं महाप्रसादी वितरण के साथ जन्मोत्सव समारोह का विधिवत समापन हुआ। जन्मोत्सव के प्रथम दिवस १२ सितम्बर की शाम ७ बजे बाबा रामदेव की महाआरती की गई। इसके पश्चात मंदिर परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में गोंदिया के भजन गायक राजू अग्रवाल एवं दर्पण अग्रवाल ने संगीतमय भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। भक्तिमय गीतों और भजनों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। भजनों की प्रस्तुति के दौरान श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर झूमते और नृत्य करते नजर आए। देर रात तक चले भजन कार्यक्रम ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जन्मोत्सव के दूसरे दिन १३ सितम्बर को प्रात: बाबा रामदेव का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात रामदेव बाबा की प्रतिमा का विधि विधानपूर्वक अभिषेक किया गया। दोपहर १२ बजे मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन.पूजन का आयोजन हुआ। पंण् लक्ष्मीकांत मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत हवन एवं पूजन संपन्न कराया गया। हवन.पूजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर आहुतियां अर्पित कीं तथा बाबा रामदेव से सुख.समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान मंदिर परिसर में लगातार भक्तिगीतों एवं मंत्रोच्चार की गूंज सुनाई देती रही जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक एवं भक्तिमय बना रहा। हवन.पूजन के पश्चात महाआरती की गई और इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का वितरण किया गया। भक्तों ने श्रद्धाभाव से प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की काफ ी भीड़ रही। रामदेव बाबा भक्त मंडल के सदस्यों ने बताया कि वारासिवनी का यह रामदेव बाबा मंदिर वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर करीब १०० वर्ष पुराना है और यहां प्रतिवर्ष बाबा रामदेव का जन्मोत्सव परंपरागत रूप से श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। बाबा रामदेव को श्रीकृष्णावतार के रूप में मान्यता दी जाती है तथा राजस्थान में बाबा रामदेव के प्रति विशेष आस्था देखने को मिलती है। राजस्थान के रामदेवरा स्थित बाबा रामदेव के प्रमुख धार्मिक स्थल पर पांच नीम के पेड़ होने की मान्यता है और वारासिवनी स्थित इस प्राचीन मंदिर परिसर में भी पांच नीम के पेड़ हैं। इसी कारण मंदिर को बाबा रामदेव की आस्था और परंपरा से विशेष रूप से जुड़ा हुआ माना जाता है। श्रद्धालु यहां बाबा रामदेव के दर्शन और पूजा.अर्चना के लिए दूर.दूर से पहुंचते हैं। भक्तों का विश्वास है कि बाबा के दरबार में सच्ची श्रद्धा और आस्था के साथ की गई पूजा.अर्चना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि वर्षभर मंदिर में श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है। दो दिवसीय जन्मोत्सव के दौरान भी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रही। पहले दिन भजन संध्या और दूसरे दिन श्रृंगारए अभिषेक हवन.पूजन महाआरती एवं महाप्रसादी वितरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जन्मोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाता है। इस वर्ष भी भक्तों के सहयोग एवं सहभागिता से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की पिछले कई सालो से भक्तो के उत्साह ने एक छोटे से मंदिर को जंहा विशालता प्रदान की हैं। वहीं मंदिर के कार्यक्रमों में एक अनोखी दिव्यता और चमक देखी जा रही है। बाबा रामदेव ने सदैव वंचित वर्ग व गरीबो के कल्याण के लिये अपना जीवन समर्पित किया है। उनका अवतार अन्याय, अत्याचार और बुराईयो को नाश करने और धर्म की स्थापना के लिये हुआ था। इस अवसर पर रामदेव बाबा भक्त मंडल के सदस्य गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शिक्षक धन्नालाल बिसेन राज्यपाल पुरस्कार से हुए सम्मानित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । शिक्षक दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी के माध्यमिक शिक्षक धन्नालाल बिसेन को राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार २०२६ से सम्मानित किया गया। भोपाल स्थित प्रशासनिक अकादमी नरोन्हा स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित गरिमामय समारोह में श्री बिसेन को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारी कार्यों, विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास तथा विद्यालय एवं समुदाय के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में महामहिम राज्यपाल ,मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्री बिसेन मध्यप्रदेश के ग्रामीण अंचल में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आनंदमय शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कक्षा कक्ष में नवाचार, सहायक शिक्षण सामग्री के निर्माण, गतिविधि आधारित शिक्षण तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के विद्यार्थियों ने मोगली उत्सव, विज्ञान प्रदर्शनी, ओलंपियाड, मीन्स.कम.मेरिट परीक्षा, वार्षिक परीक्षा एवं बैगलेस डे जैसी विभिन्न गतिविधियों में ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है। स्वयं श्री बिसेन ने भी सहायक सामग्री निर्माण, विज्ञान प्रदर्शनी की विचार संगोष्ठी एवं शैक्षिक संगोष्ठियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्तरों पर उपलब्धियां अर्जित की हैं। एफ एल एन ऑनलाइन क्विज में जिला एवं राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए गणतंत्र दिवस के अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी द्वारा प्रशस्ति.पत्र से भी सम्मानित किया जा चुका है। राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त होने पर श्री बिसेन ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव के साथ साथ शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता पिता गुरुजन परिवारजन संस्था प्रमुख सहकर्मी शिक्षकों मित्रों विद्यार्थियों अभिभावकों एवं शिक्षा विभाग के सभी अधिकारीगण कर्मचारीगण एवं शिक्षक साथियों के सहयोग को दिया।

शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में उमंग दिवस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में उमंग दिवस उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं आनंददायी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ड्राइंग.पेंटिंग, अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी एवं आकर्षक सामग्री का निर्माण, गुलदस्ता निर्माण, कहानी कविता प्रस्तुति तथा विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साह पूर्वक सहभागिता की। वहीं माटी गणेश सिद्ध गणेश गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों ने मिट्टी से भगवान गणेश की सुंदर प्रतिमाओं का निर्माण कर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उमंग दिवस की गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कल्पनाशीलता, आत्मविश्वास, सहयोग की भावना तथा सीखने के प्रति आनंदपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करना रहा। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ गतिविधियों में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर शाला प्रमुख सविता रिनायत, शिक्षक रूपसिंह उइके ,धन्नालाल बिसेन सहित समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी रचनात्मक गतिविधियों की सराहना की।

सावरी के तान्हा पोला पर्व में शामिल हुये विधायक

तान्हा पोला पर्व नई पीढ़ी को जोड़ने अच्छा प्रयास-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । खैरलांजी जनपद क्षेत्र के ग्राम सावरी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मारबत पर्व के दूसरे दिन शनिवार को तान्हा पोले का आयोजन किया गया। जहां सावरी के आस पास ग्राम में निवासरत सैकड़ों की संख्या में नन्हे मुन्ने बच्चे अपने मिट्टी और लकड़ी से बने नंदी को सजाकर लाए थे। कई वर्षों से बड़े स्तर पर आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। इसे देखने के लिए दूर दराज के ग्रामीणजन भारी संख्या में पहुंचे। जिसने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि विधायक विवेक पटेल ने सभी को नगदी पुरस्कार दिया। इस दौरान नरेंद्र राहंगडाले,राहुल अरोरा,सुरेश लिल्हारे, डेविस दमाहे, मानसिंह बहेटवार,मुन्नालाल लिल्हारे, रामकुमार तितरमारे,आलोक सवालाखे, धनेन्द्र लिल्हारे, राधेश्याम नगपुरे,मुकेश डोंगरे,भुवन मेश्राम,विनोद बर्वे,ओमप्रकाश पध्रे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि पोला पर्व मूल रूप से खेती किसानी से जुड़ा किसानों का पारंपरिक त्यौहार है। खेती किसानी में बैल और गौ वंशीय पशुओं के महत्व को देखते हुए इस दिन बैल को विशेष रूप में सजाया जाता है। पोले के दिन किसान अपने बैलों को सजाकर उनकी पूजा करते हैं। मारबत पर्व के दूसरे दिन ग्राम सावरी में बच्चों के द्वारा मनाया जाने वाला नंदी पोला पर्व बालाघाट जिले के प्रसिद्ध है। सैकड़ों की संख्या में नन्हे मुन्ने बच्चे ने अपने मिट्टी और लकड़ी से बने नंदी को आकर्षण वेश भूषा में सजाकर लाते है। हर वर्ष इस स्थान पर प्रतिभागियों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह कार्यक्रम नई पीढ़ी को जोड़ने का एक अच्छा प्रयास है। ग्राम सावरी की पहचान बन चुके नंदी पर्व जिले में पहचान बन चुका है।

आडम्बर नहीं आत्मसाधना का पर्व है पर्युषण

भारतीय संस्कृति पर्वों और उत्सवों की समृद्ध परंपरा वाली संस्कृति है। यहां पर्व जीवन में उल्लास, उमंग, मेल-मिलाप और सामाजिक सौहार्द का अवसर बनते हैं। सामान्यत: पर्वों में खान-पान, नए वस्त्र, मनोरंजन और उत्सव की प्रधानता दिखाई देती है, लेकिन जैन धर्म का पर्युषण पर्व इन सबसे अलग अपनी आध्यात्मिक पहचान रखता है। यह बाहरी आडम्बर से दूर रहकर आत्मा की ओर लौटने, अपने भीतर झांकने और जीवन को शुद्ध बनाने की साधना का पर्व है। पर्युषण का वास्तविक सौंदर्य सजावट में नहीं, बल्कि संयम, त्याग, तप, स्वाध्याय, सेवा, क्षमा और आत्मचिंतन में है। इसका मूल उद्देश्य मनुष्य को स्वयं से परिचित कराना और उसके भीतर छिपी विकृतियों को दूर करना है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं है। अहिंसा, सत्य, सादगी, क्षमा और विश्वमैत्री जैसे आदर्श आज पूरे मानव समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। जिस समय संसार हिंसा, तनाव, वैमनस्य और असंतोष से जूझ रहा है, उस समय पर्युषण मनुष्य को शांति और आत्मसंयम का मार्ग दिखाता है। यह पर्व बताता है कि दुनिया को बदलने से पहले अपने मन को बदलना जरूरी है। बाहरी विजय से बड़ी विजय अपने क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और आसक्ति पर विजय है। पर्युषण के आठ दिनों की साधना इसी आंतरिक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ाती है। जैन परंपरा में आठ का विशेष महत्त्व माना गया है। सिद्ध भगवान के आठ गुण, अष्ट मंगल और आत्मसाधना से जुड़े अनेक प्रसंग इस संख्या की आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाते हैं। पर्युषण के आठ दिन साधक के लिए केवल धार्मिक अनुष्ठानों के दिन नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण और आत्मनिर्माण की आठ सीढ़ियां हैं। इस साधना की पहली प्रेरणा शांति और अहिंसा है। अहिंसा का अर्थ केवल किसी जीव को शारीरिक कष्ट नहीं देना नहीं है। मन, वचन और कर्म से किसी को पीड़ा न पहुंचाना भी अहिंसा है। हमारे विचारों में किसी के प्रति द्वेष, ईर्ष्या या अहित की भावना भी हिंसा का रूप ले सकती है। इसलिए पर्युषण हमें अपने व्यवहार के साथ-साथ अपने विचारों की भी जांच करने का अवसर देता है। जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं और साधनों के प्रति भी विवेक रखना जरूरी है, ताकि अनजाने में होने वाली हिंसा को कम किया जा सके। दूसरी सीढ़ी विरति अर्थात त्याग है। पर्युषण में व्रत और प्रत्याख्यान का महत्त्व इसलिए है कि मनुष्य अपनी इच्छाओं का स्वामी बने, इच्छाओं का दास नहीं। त्याग केवल किसी वस्तु को कुछ दिनों के लिए छोड़ देने का नाम नहीं है। वास्तविक त्याग तब है जब उस वस्तु के प्रति मन की लालसा और आसक्ति भी कम हो जाए। यदि मन लगातार उसी वस्तु को पाने के लिए बेचैन रहे और केवल दिखावे के लिए त्याग किया जाए तो वह साधना नहीं, आत्मछल है। पर्युषण हमें बाहरी त्याग के साथ भीतर की इच्छाओं पर नियंत्रण करना सिखाता है। तीसरी साधना उपशम की है। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसी कषायों के शांत होने पर ही धर्म का प्रभाव भीतर उतरता है। जिस प्रकार तपते हुए धरातल पर पड़ा बीज अंकुरित नहीं हो सकता, उसी प्रकार क्रोध और अशांति से भरे मन में ज्ञान और सदाचार का बीज भी आसानी से नहीं पनपता। पर्युषण में धर्मसभा, स्वाध्याय और प्रवचन सुनना तभी सार्थक है, जब मन उन्हें ग्रहण करने के लिए शांत हो। केवल कानों से धर्म सुनना पर्याप्त नहीं, उसे व्यवहार में उतारना ही वास्तविक आराधना है।

एआई और इंटरनेट के दौर में हिंदी की अगली क्रांति?

मोबाइल से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक बदल रही है भाषा की पूरी दुनियाँ?

वैश्विक स्तरपर भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं, सांस्कृतिक परंपराओं और विविध धार्मिक-सामाजिक विरासत से नहीं बनती,बल्कि उसकी भाषाई विविधता भी भारतीय सभ्यता की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है।देश के अलग-अलग राज्यों,क्षेत्रों और समुदायों में अनेक भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं,जिनमें प्रत्येक अपने भीतर सदियों का इतिहास, साहित्य लोक-स्मृति,संस्कृति और सामाजिक अनुभव समेटे हुए है।तमिल,तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, सिंधी बंगाली, पंजाबी, असमिया, उड़िया सहित भारत की अनेक भाषाएं देश की साझा सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं।इसी व्यापक भाषाई परिदृश्य में हिंदी काअपना विशिष्ट स्थान है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं,बल्कि साहित्य,संस्कृति,संवेदना, विचार और सामाजिक जुड़ाव की एक महत्वपूर्ण भाषा है।इसलिए हिंदी को आगे बढ़ाने का अर्थ केवल एक भाषा का विस्तार नहीं,बल्कि भारत की बहुभाषी लोकतांत्रिक संस्कृति में एक प्रभावी संपर्क और ज्ञान- माध्यम को मजबूत करना भी है। यही विचार हर वर्ष 14 सितंबर को मनाए जाने वाले हिंदी दिवस को सटीकता से विशेष महत्त्व प्रदान करता है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरपर 14 सितंबर 2026 को हिंदी दिवस मनाने की करें तो,देश भर में राष्ट्रीय हिंदी दिवस गौरव और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा मुंबई में छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन (14-15 सितंबर) किया गया है, जिसका उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किया जा रहा है।इस सम्मेलन में सरकारी कामकाज में हिंदी के सरल उपयोग को बढ़ावा देने और तकनीकी क्षेत्रों में राजभाषा को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।इसके साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के नेतृत्व में देश भर के स्कूलों, विश्वविद्यालयों और सरकारी संस्थानों में राजभाषा सप्ताह के तहत विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।पंचायती राज मंत्रालय के सचिव और मंत्री स्तर पर देश की सभी ग्राम पंचायतों से अपील जारी की गई है कि वे ग्रामीण स्तर पर हिंदी दिवस मनाएं और स्थानीय शासन में आधिकारिक तौर पर हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग बढ़ाएं।वैश्विक स्तर पर,विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में प्रवासी भारतीयों और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी उत्सव और कवि सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है,जो हिंदी को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान और सुदृढ़ता सटीकता से प्रदान कर रहा है। साथियों,14 सितंबर भारतीय भाषाई और संवैधानिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण तारीख है।14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था।स्वतंत्र भारत के सामने उस समय अनेक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न थे और उनमें संघ के सरकारी कामकाज की भाषा का प्रश्न भी अत्यंत संवेदनशील था। यहां हम कह सकते हैं कि राजभाषा हिंदी बनाम भारत की भाषाई विविधता–संविधान ने हिंदी को राजभाषा का अधिकार दिया है। भारत एक ऐसा देश था जहां विभिन्न क्षेत्रों में अलग- अलग भाषाएं प्रचलित थीं इसलिए भाषा का निर्णय केवल प्रशासनिक सुविधा का विषय नहीं था, बल्कि यह देश की एकता, विविधता, लोकतांत्रिक संवेदनशीलता और भविष्य की राष्ट्रीय व्यवस्था से भी जुड़ा हुआ था। संविधान सभा में इस विषय पर लंबी और गहन बहस हुई।राजभाषा से संबंधित विचार-विमर्श के बाद 14 सितंबर 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा स्वीकार करने का ऐतिहासिक निर्णय सामने आया और उसके लिए देवनागरी लिपि निर्धारित की गई।यही प्रावधान आगेचलकर संविधान के भाग 17 में शामिल हुए। साथियों,यहां एक महत्वपूर्ण संवैधानिक तथ्य को समझना आवश्यक है कि संविधान ने हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा घोषित नहीं किया है। संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और उसकी लिपि देवनागरी है। इसी संवैधानिक व्यवस्था में संघ के आधिकारिक कामकाज में अंकों के प्रयोग तथा अंग्रेजी के उपयोग को जारी रखने से संबंधित प्रावधान भी किए गए थे। बाद में संसद को कानून के माध्यम से संघ के आधिकारिक कार्यों में अंग्रेजी के उपयोग से जुड़ी व्यवस्था करने का अधिकार दिया गया।इसलिए हिंदी दिवस को समझते समय संवैधानिक शब्दावली की शुद्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी हिंदी के प्रति हमारी भावनात्मक प्रतिबद्धता। हिंदी का सम्मान तभी सार्थक होगा जब वह संवैधानिक मर्यादा, भाषाई सह-अस्तित्व और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़े। साथियों,14 सितंबर 1949 के ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हिंदी दिवस मनाने की परंपरा 1953 से शुरू हुई। तब से यह दिन हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, प्रयोग और विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने का अवसर बन गया है। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा तथा हिंदी माह जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राजभाषा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित भी किया जाता है। लेकिन हिंदी दिवस का वास्तविक उद्देश्य केवल सरकारी समारोहों, पुरस्कारों और औपचारिक भाषणों तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका व्यापक उद्देश्य यह होना चाहिए कि हिंदी को जीवन, प्रशासन, शिक्षा, साहित्य, विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान और डिजिटल संचार के प्रभावी माध्यम के रूप में लगातार विकसित किया जाए। साथियों,आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम हिंदी का सम्मान केवल 14 सितंबर को करते हैं, या फिर वर्ष के 365 दिन अपने व्यवहार और कार्यक्षेत्र में भी हिंदी को उचित स्थान देते हैं? भाषा किसी कैलेंडर की एक तारीख से जीवित नहीं रहती। भाषा तब जीवंत रहती है जब लोग उसे बोलते हैं, लिखते हैं, पढ़ते हैं, उसमें ज्ञान अर्जित करते हैं, नए विचार व्यक्त करते हैं और आने वाली पीढ़ियों तक उसे पहुंचाते हैं। इसलिए हिंदी दिवस आत्ममंथन का भी अवसर है। हमें यह देखना होगा कि हिंदी का प्रयोग केवल भावनात्मक या सांस्कृतिक अभिव्यक्ति तक सीमित है अथवा वह आधुनिक ज्ञान और अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों के साथ भी कदम मिला रही है। साथियों, इक्कीसवीं सदी में भाषा के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल दूसरी भाषाओं से प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि तकनीकी परिवर्तन की गति है। इंटरनेट, मोबाइल फोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया, डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन सेवाओं ने भाषाओं के स्वरूप को तेजी से बदल दिया है। इस डिजिटल परिवर्तन ने हिंदी के सामने अभूतपूर्व अवसर भी पैदा किए हैं। आज करोड़ों लोग हिंदी में समाचार पढ़ते हैं, वीडियो देखते हैं, सामाजिक माध्यमों पर संवाद करते हैं, ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करते हैं और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने विचार व्यक्त करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार के साथ हिंदी के लिए मशीन अनुवाद, वॉयस टेक्नोलॉजी, डिजिटल कंटेंट, भाषा मॉडल और भारतीय भाषाओं के बीच संवाद के नए रास्ते भी खुल रहे हैं। लेकिन इस अवसर को वास्तविक शक्ति में बदलने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली हिंदी डिजिटल सामग्री, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली, विश्वसनीय अनुवाद, शोध- संसाधन और आधुनिक भाषा -प्रौद्योगिकी का निरंतरविकास आवश्यक होगा। साथियों, हिंदी के भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसका विस्तार नहीं, बल्कि उसका समावेशी चरित्र होना चाहिए। भारत की भाषाई विविधता को चुनौती मानने के बजाय उसे अपनी ताकत के रूप में स्वीकार करना होगा। हिंदी को आगे बढ़ाने का अर्थ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बंगाली, पंजाबी, असमिया, उड़िया या किसी अन्य भारतीय भाषा को पीछे धकेलना नहीं हो सकता। वास्तव में सच्चा भाषाई सम्मान तभी संभव है जब हर भारतीय भाषा को उसके साहित्य, इतिहास, ज्ञान और सांस्कृतिक योगदान के साथ सम्मान मिले। हिंदी ऐसी संपर्क भाषा बन सकती है जो विभिन्न भाषाई समुदायों के बीच संवाद को आसान बनाए, लेकिन यह भूमिका सहयोग और सम्मान पर आधारित होनी चाहिए, प्रभुत्व पर नहीं। साथियों,हमें ऐसी हिंदी की आवश्यकता है जो सरल हो, सहज हो और आम नागरिक तक आसानी से पहुंचे; ऐसी हिंदी जो प्रशासनिक जटिलताओं को कम करे और ज्ञान को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए; ऐसी हिंदी जो साहित्य और संस्कृति की भाषा होने के साथ विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, कानून, चिकित्सा, शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भाषा भी बने। वैश्विक स्तर पर हिंदी की संभावनाएं तभी मजबूत होंगी जब वह आधुनिक ज्ञान-संसार से सक्रिय रूप से जुड़ेगी। हिंदी में उच्च स्तरीय शोध, विश्वस्तरीय शैक्षणिक सामग्री, वैज्ञानिक लेखन, डिजिटल संसाधन और अंतरराष्ट्रीय संवाद की क्षमता विकसित करना आज की आवश्यकता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि हिंदी दिवस केवल अतीत की उस संवैधानिक घटना को याद करने का दिन नहीं है,बल्कि भविष्य की भाषा -नीति पर विचार करने का अवसर भी है।14 सितंबर 1949 ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में संवैधानिक पहचान दी थी; अब इक्कीसवीं सदी की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि हिंदी ज्ञान, तकनीक,नवाचार और वैश्विक संवाद की सक्षम भाषा बने। हिंदी से प्रेम का अर्थ दूसरी भारतीय भाषाओं का विरोध नहीं, बल्कि भारत की पूरी भाषाई विरासत का सम्मान करते हुए हिंदी को आगे बढ़ाना है। यदि हिंदी अपनी जड़ों से जुड़ी रहते हुए तकनीक,विज्ञान और वैश्विक संचार की नई दुनिया से स्वयं को जोड़ लेती है,तो उसका भविष्य अत्यंत व्यापक हो सकता है।इसलिए हिंदी दिवस का सबसे बड़ा संदेश यही होना चाहिए,भाषा को विभाजन का नहीं, जुड़ाव का माध्यम बनाएं; हिंदी का सम्मान करें,लेकिन भारत की हर भाषा का सम्मान करते हुए,क्योंकि भारत की भाषाई विविधता ही उसकी सांस्कृतिक शक्ति है और भाषाई सह-अस्तित्व ही उसकी लोकतांत्रिक आत्मा हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भगवान गणेश-मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है। भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है। गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है—शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है—विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से। गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है—ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा। उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छा नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है। उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो। गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य

का नेतृत्व करेगा। गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है—ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे। गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है। गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन—यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे। गणेशजी का साहस हमें बताता है कि कठिनाई जितनी बड़ी हो, संकल्प उससे बड़ा होना चाहिए। ऋद्धि और सिद्धि का गणेशजी से जुड़ाव भी विकास की व्यापक अवधारणा को स्पष्ट करता है। केवल धन-संपदा ऋद्धि नहीं और केवल उपलब्धि सिद्धि नहीं; दोनों का संतुलन आवश्यक है। भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ ज्ञान, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की सिद्धि भी होनी चाहिए। तभी समृद्धि स्थायी और सार्थक बनेगी। शुभ और लाभ का संदेश भी यही है कि उपलब्धि तभी शुभ है जब वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में हो। गणेशजी को प्रथम पूज्य और बुद्धि के देवता के रूप में स्मरण करने की भारतीय परंपरा आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। जब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि विकसित सोच वाले नागरिकों की है। प्रत्येक भारतीय अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, उत्कृष्टता, नवाचार, अनुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे, तो विकास का लक्ष्य जनआंदोलन बन सकता है। गणेश चतुर्थी इसलिए हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने और उत्सव मनाने का अवसर न दे, बल्कि अपने भीतर गणेशत्व जगाने का संकल्प दे। बुद्धि में विशालता हो, दृष्टि में दूरदर्शिता हो, कानों में संवेदनशीलता हो, वाणी में मधुरता हो, कर्म में शक्ति हो, मन में धैर्य हो और व्यवहार में समावेशिता हो—यही गणेशजी की वास्तविक आराधना है। जब भारत का नागरिक अपने भीतर के विघ्नों—अज्ञान, आलस्य, अहंकार, स्वार्थ और संकीर्णता—पर विजय प्राप्त करेगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। भगवान गणेश का संदेश अंतत: यही है कि मंगल बाहर से नहीं आता, उसे अपने विचार, व्यवहार और कर्म से निर्मित करना पड़ता है। यदि गणेशजी की बुद्धि, विवेक, धैर्य, साहस, श्रवणशीलता, आत्मसंयम और समावेशी दृष्टि को राष्ट्रीय जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो भारत केवल आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र नहीं, बल्कि समृद्ध, संस्कारित, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व को दिशा देने वाला आदर्श राष्ट्र बन सकता है। यही गणेश चतुर्थी की सबसे बड़ी राष्ट्रीय साधना और विकसित भारत 2047 के संकल्प की सार्थक परिणति होगी।

-ललित गर्ग

हिंदी दिवस-उत्सव नहीं, भाषा के भविष्य का संकल्प

-डॉ. सत्यवान सौरभ

हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाने वाला हिंदी दिवस हमारे संवैधानिक इतिहास, भाषायी विविधता और सांस्कृतिक स्मृति से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। संविधान लागू होने के बाद इस निर्णय को अनुच्छेद 343 में स्थान मिला। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। लेकिन हिंदी दिवस का अर्थ केवल इतना नहीं होना चाहिए कि इस दिन हिंदी के महत्व पर भाषण दिए जाएँ, कविताएँ सुनाई जाएँ और सरकारी कार्यालयों में हिंदी सप्ताह या पखवाड़े आयोजित कर औपचारिकता पूरी कर ली जाए। असली सवाल यह है कि हिंदी हमारे जीवन, शिक्षा, प्रशासन, न्याय, विज्ञान, तकनीक और रोजगार की भाषा कितनी बन पाई है। यदि हिंदी का सम्मान समारोहों और घोषणाओं तक सीमित है, तो हिंदी दिवस हमें उत्सव से अधिक आत्ममंथन का अवसर देता है। सबसे पहले यह स्पष्ट समझना जरूरी है कि हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं, बल्कि संघ की राजभाषा है। संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और उसकी लिपि देवनागरी है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह अंतर केवल संवैधानिक शब्दावली का विषय नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक संवेदना का भी प्रश्न है। भारत की पहचान उसकी भाषायी विविधता से निर्मित होती है। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, असमिया, मराठी, गुजराती, पंजाबी, उड़िया, उर्दू, कश्मीरी, मैथिली और अनेक अन्य भारतीय भाषाएँ समाज की स्मृतियों, अनुभवों और सांस्कृतिक विरासत को अभिव्यक्ति देती हैं। इसलिए हिंदी का विकास इन भाषाओं के विरोध में नहीं, बल्कि उनके साथ संवाद और सहयोग के माध्यम से होना चाहिए। हिंदी को यदि भारत के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क की भाषा बनने का अवसर मिला है, तो उसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। हिंदी संवाद का पुल बने, प्रभुत्व का माध्यम नहीं। किसी भी भाषा का विस्तार तभी सहज और स्वीकार्य होता है, जब उसमें सम्मान, संवेदनशीलता और समावेश की भावना हो। हिंदी दिवस पर विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सरकारी संस्थानों में निबंध-लेखन, भाषण, वाद-विवाद, कविता-पाठ, प्रश्नोत्तरी और पुरस्कार-वितरण जैसे कार्यक्रम होते हैं। इन आयोजनों का अपना महत्व है और ये भाषा के प्रति उत्साह पैदा करते हैं, लेकिन हिंदी का वास्तविक विकास इन कार्यक्रमों के समाप्त होने के बाद शुरू होता है। हिंदी को समारोहों की भाषा से आगे बढ़ाकर प्रयोग और ज्ञान की भाषा बनाना समय की आवश्यकता है। आज भी सरकारी वेबसाइटों, शोध-सामग्रियों और अनेक आधिकारिक दस्तावेजों में अंग्रेजी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। उच्च शिक्षा में हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों और नवीन शोध-सामग्री की कमी का सामना करना पड़ता है। विज्ञान, चिकित्सा, कानून, प्रबंधन और सूचना-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में हिंदी सामग्री उपलब्ध तो है, लेकिन उसकी मात्रा, गुणवत्ता और अद्यतन स्वरूप को अभी और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। हिंदी को ज्ञान की भाषा बनाने के लिए केवल अनुवाद पर्याप्त नहीं होगा। मौलिक लेखन, आधुनिक शब्दावली, विषय-विशेषज्ञों की भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण संपादन भी जरूरी है। किसी अंग्रेजी पुस्तक का कठिन और यांत्रिक अनुवाद विद्यार्थियों को हिंदी के करीब नहीं लाता। ज्ञान तभी जनसुलभ होगा, जब उसकी भाषा सरल, स्वाभाविक और विषयानुकूल हो। भाषा और शिक्षा का संबंध भी अत्यंत गहरा है। जिस भाषा में बच्चा सोचता और अनुभव करता है, उसी भाषा में उसे जटिल विषयों को समझने का बेहतर अवसर मिलता है। इसके बावजूद भारत में भाषा-शिक्षा का प्रश्न अक्सर सामाजिक प्रतिष्ठा और रोजगार की चिंता से जुड़ जाता है। अंग्रेजी का ज्ञान आज के वैश्विक और रोजगारपरक परिवेश में महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं में शिक्षा को कमतर माना जाए। हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के सामने अक्सर दोहरी चुनौती होती है। एक ओर उन्हें अपनी भाषा में पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन-सामग्री नहीं मिलती, दूसरी ओर उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में अंग्रेजी शब्दावली के कारण अतिरिक्त कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसका समाधान किसी एक भाषा को हटाकर नहीं, बल्कि मजबूत बहुभाषी शिक्षा-व्यवस्था विकसित करके किया जा सकता है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में हिंदी में विज्ञान, समाज-विज्ञान, कानून, अर्थशास्त्र और तकनीक की उच्चस्तरीय सामग्री तैयार होनी चाहिए। विद्यार्थियों को हिंदी में शोध करने, डिजिटल सामग्री तैयार करने, पत्रकारिता करने और नए विचार व्यक्त करने के पर्याप्त अवसर भी मिलने चाहिए। हिंदी को केवल परीक्षा की भाषा नहीं, बल्कि चिंतन और नवाचार की भाषा बनाना होगा। डिजिटल युग ने हिंदी के सामने नई संभावनाएँ भी खोली हैं। इंटरनेट और स्मार्टफोन के विस्तार के साथ समाचार-पोर्टल, वीडियो मंच, पॉडकास्ट, ब्लॉग और सोशल मीडिया पर हिंदी सामग्री तेजी से बढ़ी है। करोड़ों लोग हिंदी में समाचार पढ़ते, मनोरंजन सामग्री देखते और डिजिटल सेवाओं का उपयोग करते हैं। यह हिंदी के लिए बड़ा अवसर है। लेकिन डिजिटल हिंदी के सामने चुनौतियाँ भी हैं। रोमन लिपि में हिंदी लिखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इससे त्वरित संवाद तो संभव होता है, लेकिन देवनागरी लेखन की आदत कमजोर पड़ने की आशंका भी रहती है। सोशल मीडिया पर भाषायी अशुद्धियों, अधूरी जानकारी और सनसनीखेज अभिव्यक्तियों का प्रसार भी चिंता का विषय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वर्तमान दौर में हिंदी को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना और भी जरूरी हो गया है। हिंदी में बेहतर अनुवाद-सॉफ्टवेयर, वाक्-पहचान प्रणालियाँ, डिजिटल शब्दकोश, ई-पुस्तकालय और ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकसित करने होंगे। भाषा-प्रौद्योगिकी में निवेश के बिना हिंदी डिजिटल भविष्य में केवल सामग्री की उपभोक्ता बनकर रह सकती है। उसे सृजन, ज्ञान और नवाचार की भाषा बनाने के लिए संस्थागत प्रयास आवश्यक हैं। हिंदी का भविष्य सरकारी आदेशों से अधिक युवाओं की पसंद और प्रयोग से तय होगा। युवा हिंदी में तभी लिखेंगे और पढ़ेंगे, जब उन्हें इसमें आधुनिक विषयों, रोजगार और अभिव्यक्ति के पर्याप्त अवसर दिखाई देंगे। इसलिए हिंदी को केवल अतीत के गौरव तक सीमित रखने के बजाय वर्तमान की जीवंत भाषा बनाना होगा। हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा को बेरोजगारी, जलवायु संकट, लैंगिक असमानता, प्रवासन, डिजिटल निजता, मानसिक स्वास्थ्य और बदलते पारिवारिक संबंधों जैसे समकालीन प्रश्नों से संवाद करना होगा। नई पीढ़ी की भाषा, उसके अनुभव और उसकी बेचैनी अभिव्यक्ति के विभिन्न माध्यमों में दिखाई देनी चाहिए। जो भाषा अपने समय की समस्याओं को व्यक्त नहीं करती, वह धीरे-धीरे औपचारिक होकर जीवन से दूर हो सकती है। आज हिंदी में ब्लॉगिंग, स्वतंत्र पत्रकारिता, पटकथा-लेखन, विज्ञापन, अनुवाद, पॉडकास्ट और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में अनेक संभावनाएँ मौजूद हैं। इन क्षेत्रों को संस्थागत समर्थन देकर हिंदी को रचनात्मक अर्थव्यवस्था और रोजगार से जोड़ा जा सकता है। हिंदी के विकास के लिए नीति के स्तर पर भी ठोस पहल आवश्यक है। सरकारी सेवाओं और न्यायिक प्रक्रियाओं में सरल तथा स्पष्ट हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उच्च शिक्षा और तकनीकी विषयों की गुणवत्तापूर्ण सामग्री हिंदी में तैयार होनी चाहिए। अनुवादकों, संपादकों और विषय-विशेषज्ञों को बेहतर अवसर और सम्मान मिलना चाहिए। हिंदी के साथ सभी भारतीय भाषाओं के अध्ययन और प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। डिजिटल मंचों के लिए सरल, आधुनिक और मानकीकृत हिंदी विकसित करने के साथ सरकारी वेबसाइटों और सार्वजनिक सेवाओं को बहुभाषी तथा उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया जाना चाहिए। हिंदी में मौलिक शोध, पत्रकारिता और साहित्यिक प्रयोगों को आर्थिक तथा संस्थागत सहयोग मिलना भी जरूरी है।

तेल-तिलहन बाजार-सोयाबीन, बिनौला लुढ़के; मूंगफली में चमक

पाम-पामोलीन में मामूली सुधार, पर लागत से नीचे बिकवाली जारी

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली और ब्रांडेड कंपनियों की कमजोर मांग के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन व बिनौला तेल के दाम गिरे। इसके विपरीत, मजबूत मांग से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार दर्ज हुआ। औद्योगिक मांग के कारण पाम-पामोलीन व सोयाबीन डीगम तेल में भी मामूली सुधार दिखा, जबकि सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातकों को सोयाबीन डीगम तेल की लागत से 5-6 रुपये प्रति किलो कम (लगभग 119.50 रुपये प्रति किलो) पर बेचना पड़ा। पाम-पामोलीन भी लागत से नीचे बिकवाली का शिकार हुआ। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) के निर्यात में पिछले वर्ष के मुकाबले 12.5 फीसदी की कमी तथा ब्रांडेड कंपनियों की घटती मांग से बिनौला तेल के दाम भी प्रभावित हुए। वहीं, मांग बढ़ने और आवक कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में पर्याप्त सुधार आया। किसानों की कम दाम पर फसल न बेचने की प्रवृत्ति और ऊंची खरीद पर पेराई मिलों के घाटे के चलते सरसों तेल-तिलहन पिछले सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,300-6,350 रुपये और 6,150-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी प्रकार, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये सुधार के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।अच्छी मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये के सुधार के साथ 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 14,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 25 रुपये के सुधार के साथ 16,025 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 25 रुपये के सुधार के साथ 14,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।ब्रांडेड कंपनियों की कमजोर मांग के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल का दाम 300 रुपये की गिरावट के साथ 16,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आरबीआई का टाटा संस को लिस्टिंग का आदेश, छूट की अर्जी खारिज

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का आदेश दिया है। केंद्रीय बैंक ने कंपनी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने खुद को अनरजिस्टर्ड कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) की श्रेणी से छूट देने की मांग की थी। इस फैसले से टाटा संस के लिए शेयर बाजार में लिस्टिंग अनिवार्य हो गई है। आरबीआई ने 11 सितंबर को जारी एक पत्र में कहा कि टाटा संस की अर्जी स्वीकार नहीं की जा सकती। केंद्रीय बैंक ने टाटा संस की कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) का दर्जा छोड़ने की मांग को भी नामंजूर कर दिया, जिससे कंपनी के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होना अब जरूरी हो गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर न बने रहने की इच्छा जताई है, जिसकी वजह बोर्ड में चल रही असहमति बताई जा रही है। कंपनी के भीतर नेतृत्व और रणनीतिक दिशा को लेकर खींचतान जारी है, जिसमें लिस्टिंग का मुद्दा भी एक बड़ा विवाद बन गया है। टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स, जिसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं, लिस्टिंग के खिलाफ हैं। ट्रस्ट्स ने इस मुद्दे पर एक प्रस्ताव भी पारित किया था। वहीं, दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पालोनजी समूह लिस्टिंग के पक्ष में है, क्योंकि यह उन्हें अपनी हिस्सेदारी बेचकर कर्ज चुकाने और पूंजी जुटाने का अवसर देगा। RBI के इस आदेश से यह आंतरिक संघर्ष और गहराने की संभावना है।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 13,000 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। एजेंसी। परिचय वैश्विक अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार से 13,138 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह निकासी जुलाई और अगस्त में हुई भारी खरीदारी के बाद हुई है, जब एफपीआई भारतीय शेयरों में शुद्ध निवेशक रहे थे। चालू वर्ष (2023) में अब तक भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.37 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले पूरे वर्ष (2022) की 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी काफी अधिक है। एक निवेश मंच के अधिकारी के अनुसार, सितंबर में बिकवाली का मुख्य कारण घरेलू नहीं, बल्कि वैश्विक घटनाक्रम हैं। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण उभरते बाजारों से पूंजी का बाहर निकलना स्वाभाविक है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 109.97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। बाजार के जानकारों ने चेताया कि ऊंची कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ती महंगाई से मौद्रिक नीति सख्त हो सकती है, जिससे बॉन्ड प्रतिफल और बढ़ेंगे। यदि अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल पांच प्रतिशत तक पहुंचता है, तो वैश्विक शेयर बाजारों में तेज गिरावट आ सकती है और विदेशी निवेशक शेयरों से पैसा निकालकर अधिक रिटर्न देने वाले बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। इस दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध रूप से 2,305 करोड़ रुपये की निकासी की है।

फेड के बयान, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों के लिए आगामी सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। पिछले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण देखी गई गिरावट के बाद, अब निवेशकों की निगाहें तीन प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक संकेतकों पर टिकी रहेंगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक, भारत के खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े, और कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय चाल मिलकर इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुक्त बाजार समिति की बैठक 15 और 16 सितंबर को निर्धारित है। इस बैठक में लिए जाने वाले नीतिगत फैसले और फेड चेयरमैन का बयान वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजारों के लिए भी एक अहम दिशा निर्धारित करेगा। ब्याज दरों पर कोई भी संकेत या अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर फेड का दृष्टिकोण दुनियाभर के

निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित करेगा। फेड के किसी भी कठोर रुख से वैश्विक इक्विटी बाजारों में बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है। घरेलू मोर्चे पर, भारत के खुदरा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक महंगाई के आंकड़े इसी सप्ताह जारी होने वाले हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है, तो यह बाजार की चिंताएं बढ़ा सकता है, क्योंकि इससे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की अटकलें तेज होंगी। वहीं, नियंत्रण में रहने पर निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर निवेशकों की प्राथमिक चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले सप्ताह इसमें आई भारी तेजी घरेलू बाजारों में गिरावट का एक प्रमुख कारण रही थी। इस सप्ताह भी कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल कंपनियों की लागत बढ़ाती हैं, बल्कि महंगाई और रुपये पर भी दबाव डालती हैं, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित होती है।

फार्मा पेटेंट जांच के लिए नए दिशानिर्देश, गुणवत्ता और एकरूपता पर जोर

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) ने औषधि क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों की जांच प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मौजूदा दिशानिर्देशों को अद्यतन करने का प्रस्ताव दिया है। जारी मसौदा दिशानिर्देशों में गुणवत्ता, निरंतरता और एकरूपता पर विशेष बल दिया गया है, साथ ही अदालतों के हालिया महत्वपूर्ण फैसलों को भी शामिल किया गया है। आईपीओ ने इस पहल का महत्व बताते हुए कहा कि भारत में फार्मास्युटिकल पेटेंट एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। जहां खराब पेटेंट समाज पर अनावश्यक बोझ बन सकते हैं, वहीं मजबूत और उचित पेटेंट नवोन्मेषण तथा प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यालय ने बताया कि वह अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े तंत्र को लगातार बेहतर बना रहा है। दिशानिर्देशों का अद्यतन, विशेष रूप से उत्पाद पेटेंट से जुड़े कई मुद्दों पर अदालतों के स्पष्ट होते फैसलों को ध्यान में रखकर किया गया है। इन न्यायिक व्याख्याओं को शामिल कर, पेटेंट कार्यालय जांच प्रक्रिया में उच्च स्तर की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करना चाहता है, जिससे भारतीय फार्मा उद्योग में स्वस्थ नवाचार को प्रोत्साहन मिल सके। यह कदम पेटेंट प्रणाली को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने की दिशा में उठाया गया है।

पेटेंट कार्यालय के लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर नकेल, मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी अनिवार्य

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) की आधिकारिक पहचान और लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर अब सख्त रोक लगा दी गई है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि आईपीओ के लोगो, प्रतीक चिह्न या उससे मिलते-जुलते डिजाइन का इस्तेमाल अब संबंधित मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। डीपीआईआईटी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, कारोबारी संस्था, डिजिटल मंच, ट्रेडमार्क या पेटेंट एजेंट अथवा कानूनी व्यवसायी किसी भी माध्यम ड्ड प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, वेबसाइट या प्रायोजित ऑनलाइन विज्ञापन ड्ड में भारतीय पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक लोगो का उपयोग, अनुकूलन या प्रदर्शन बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के नहीं कर सकेंगे। पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) के संज्ञान में आया था कि कई व्यक्ति, एजेंसियां और ऑनलाइन कानूनी सेवा मंच अपनी वेबसाइटों, सोशल मीडिया खातों और प्रचार सामग्री में भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का कथित रूप से अनाधिकृत इस्तेमाल कर रहे थे। डीपीआईआईटी ने चिंता व्यक्त की कि भारतीय पेटेंट कार्यालय का लोगो एक आधिकारिक सरकारी पहचान है और इसके अनधिकृत इस्तेमाल से आम लोगों, पेटेंट आवेदकों और अन्य हितधारकों के बीच सरकारी समर्थन या संबद्धता को लेकर गलत धारणा पैदा हो सकती है। डीपीआईआईटी ने सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वेबसाइट, प्रचार बैनर, विजिटिंग कार्ड और ऑनलाइन पोर्टलों से ऐसे लोगो या भ्रामक रूप से मिलते-जुलते डिजाइन को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का अनाधिकृत इस्तेमाल, गलत प्रस्तुतीकरण या उसकी नकल प्रतीक और नाम (अनुचित इस्तेमाल को रोकने वाला) अधिनियम 1950, ट्रेडमार्क अधिनियम 1999, कॉपीराइट अधिनियम 1957 और सूचना प्रौद्योगिकी कानून 2000 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ दीवानी एवं आपराधिक कार्रवाई तथा प्रशासनिक दंड जैसी कठोर कार्रवाई की जा सकती है।

मेष- आज आपका ध्यान परिवार और घरेलू मामलों पर अधिक रहेगा। मंगल का प्रभाव आपको जबरदस्त ऊर्जा, साहस और आत्मविश्वास देगा, लेकिन इसी वजह से जल्दबाजी या गुस्सा भी बढ़ सकता है। सोच-विचार को व्यावहारिक बनाए रखें। प्रेम जीवन में पार्टनर का अच्छा सहयोग मिलेगा, हालांकि जरूरत से ज्यादा भावनात्मक अपेक्षाएं रिश्ते में तनाव ला सकती हैं।

वृषभ- आज यात्रा, व्यक्तिगत प्रयास और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने के मामले में दिन अच्छा रहेगा। सूर्य और बुध का प्रभाव आपके आत्मविश्वास और व्यावहारिक सोच को मजबूत करेगा, लेकिन भावनात्मकता के कारण छोटी बात को बड़ा बनाने से बचें। प्रेम संबंधों में खुलकर और ईमानदारी से बातचीत करने से पुरानी गलतफहमियां दूर हो सकती हैं।

मिथुन- आज आपका ध्यान धन, बचत और परिवार की जिम्मेदारियों पर रहेगा। आपकी आकर्षक बातचीत और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे और सामाजिक स्तर पर आपकी पकड़ मजबूत होगी। हालांकि मानसिक दबाव या उलझन के कारण पैसों और दोस्तों से जुड़े मामलों में जल्दबाजी से फैसला न लें। प्रेम जीवन में पार्टनर से भावनात्मक सहयोग मिलेगा और बातचीत रिश्ते में मिठास बढ़ाएगी।

कर्क- आज आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान दोनों मजबूत रहेंगे। आप व्यक्तिगत फैसलों को लेकर पहले से अधिक स्पष्ट महसूस कर सकते हैं, हालांकि मूड में अचानक बदलाव और छोटी बातों पर भावुक प्रतिक्रिया परेशानी पैदा कर सकती है। आर्थिक मामलों में स्थिति स्थिर रहेगी और भविष्य के लिए बेहतर निवेश अवसर दिखाई दे सकते हैं, लेकिन भावनाओं में आकर खर्च न करें। प्रेम जीवन में पार्टनर से आपकी अपेक्षाएं बढ़ सकती हैं, इसलिए रिश्ते में पारदर्शिता और धैर्य बनाए रखें।

सिंह- आज आत्मचिंतन और आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आपका रुझान बढ़ सकता है। हालांकि जरूरत से ज्यादा सोचने के कारण मानसिक थकान और बेचैनी महसूस हो सकती है। करियर के मामले में आपकी व्यावहारिक सोच आपको आगे बढ़ाएगी और बड़ी जिम्मेदारियों को संभालने का साहस भी मिलेगा। दोस्तों और सामाजिक संपर्कों से सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या- आज दोस्तों, सहकर्मियों और सामाजिक संपर्कों से आपको महत्वपूर्ण लाभ मिल सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और फैसले लेने की क्षमता पहले से बेहतर होगी। साझा जिम्मेदारियों या पैसों से जुड़ा कोई भावनात्मक दबाव महसूस हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें। प्रेम जीवन में पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा, लेकिन बातचीत में जरूरत से ज्यादा आलोचनात्मक रवैया न अपनाएं।

तुला- आज करियर, जिम्मेदारियों और सामाजिक प्रतिष्ठा पर आपका पूरा ध्यान रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी और भावनात्मक संतुलन आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है और वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। अनुभवी लोगों का सहयोग और आपकी रचनात्मक सोच आगे बढ़ने में मदद करेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी और भविष्य की सुरक्षा के लिए निवेश की योजना बन सकती है, लेकिन दिखावे पर खर्च करने से बचें।

वृश्चिक- आज भाग्य आपका साथ देगा और धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। रिश्तों में ईमानदार बातचीत से आपसी समझ और गहरी होगी। हालांकि काम का बोझ और दैनिक जिम्मेदारियां बढ़ने के कारण शारीरिक थकान महसूस हो सकती है। करियर से जुड़े किसी फैसले को लेकर भ्रम की स्थिति बने तो जल्दबाजी न करें।

धनु- आज मन में छिपी चिंताएं या असुरक्षा की भावना उभर सकती है, इसलिए खुद को बेवजह परेशान करने से बचें। मंगल आपको आत्मविश्वास और रचनात्मक ऊर्जा देगा, लेकिन जरूरत से ज्यादा जोखिम लेने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखना होगा। काम और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में अनुशासन बनाए रखना जरूरी रहेगा।

मकर- आज रिश्तों और साझेदारी से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान रहेगा। विवाहित लोगों को जीवनसाथी का भावनात्मक सहयोग मिलेगा और साथ मिलकर घर-परिवार की योजनाएं बनाई जा सकती हैं। आत्मविश्वास और व्यावहारिक निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। कामकाज में प्रगति के अवसर मिलेंगे, हालांकि अधिक जिम्मेदारियों के कारण मानसिक थकान हो सकती है।

कुंभ- आज काम, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां आपके दिन का मुख्य हिस्सा रहेंगी। काम का दबाव बढ़ सकता है और कभी-कभी भ्रम या बेचैनी महसूस हो सकती है, लेकिन आप परिस्थितियों को व्यवस्थित तरीके से संभालने में सफल होंगे। बातचीत में आत्मविश्वास रहेगा, मगर शब्दों में तीखापन न आने दें। परिवार और घर की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

मीन- आज आपकी कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और रोमांटिक भावनाएं काफी मजबूत रहेंगी। बच्चों से जुड़े मामलों पर भी ध्यान जाएगा। निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी और धैर्य के कारण भावनात्मक परिस्थितियों को अच्छी तरह संभाल पाएंगे। हालांकि पैसों को लेकर अधीरता और घरेलू खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए वित्तीय मामलों में व्यावहारिक रवैया रखें।

शब्दजाल - 8390

वं	म	म	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	व	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	वं	र	दे	म	व	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	वं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	व	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	वा	टी	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	वू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	वं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

शब्द जाल में 'म' नाम से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए,नाम ऊपर से नीचे, नीचे से ऊपर, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

मंजिल, मर्यादा, मदर इंडिया, मर्द, मशाल, मरते दम तक, मकसद, मनचली, मंगल पांडे, मन की आंखें

शब्दजाल - 8389 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 257 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास भाद्रपद पक्ष शुक्ल
तिथि तृतीया 07.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 13.55 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 12.47 बजे को समाप्त।
करण गर 07.07 बजे तदनन्तर वणिज 19.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 29'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872832
जूलियन दिन 2461297.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रबि उस्सानी तारीख 02
विशेष हरतालिका तीज, गौरी हब्बा, गणेशोत्सव प्रारंभ, राष्ट्रीय हिन्दी दिवस।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.03 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	08.14 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.28 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.44 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.49 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.36 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.09 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.39 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.19 बजे से
		मिथुन	23.17 बजे से
		कर्क	01.31 बजे से
		सिंह	03.47 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सच्चा सहयोगी

किसी राजा को अपने मंत्रियों में से एक बहुत प्रिय था। वह राजा का विश्वासपात्र था। राजा हर मामले में उसकी सलाह जरूर लेता था। कुछ ईर्ष्यालु स्वभाव वाले मंत्रियों-दरबारियों को यह सहन नहीं होता था। उनमें से कुछ ने एक दिन राजा से शिकायत की। वे बोले, 'अपराध क्षमा हो, राजन! जिस मंत्री को आप अपना प्रिय व विश्वासपात्र समझते हैं वास्तव में वह भ्रष्टाचारी है। राज्य में जो भ्रष्टाचार फैला हुआ है, इसका मुख्य कारण यह मंत्री ही है।' यह सुनकर राजा ने अपने उस प्रिय मंत्री को उन मंत्रियों के सामने बुलाया और कहा, 'ये लोग तुम्हारे ऊपर जो आक्षेप लगा रहे हैं उसके निराकरण के लिए तुम्हें एक सप्ताह का समय दिया जाता है। तुम्हें खुद को निर्दोष सिद्ध करना पड़ेगा नहीं तो दंड भुगतना पड़ेगा।' उस मंत्री ने अपने घर आकर राजा को एक पत्र लिखा, 'राजन! अपमानित होने से मरना अच्छा है, इसलिए मैं मरने जा रहा हूं, अलविदा।' और मंत्री पत्र लिखकर अज्ञात स्थान पर चला गया। राजा ने पत्र पढ़ा और उसकी छानबीन की। मंत्री के न मिलने से राजा ने उसे मृत समझकर शोकसभा आयोजित की। वह मंत्री भी वेश बदलकर अपनी शोकसभा में पहुंचा। वहां उपस्थित जन समूह उसको श्रद्धांजलि दे रहा था। शिकायत करने वाले भी कह रहे थे, 'मंत्री जी बहुत ईमानदार, विश्वासपात्र व उच्च विचारों वाले व्यक्ति थे। उनकी असामयिक मृत्यु से हम सब दुखी हैं।' यह सुनते ही वह मंत्री अपने असली रूप में आ गया। उसे देख उसके विरोधियों के होश उड़ गए। मंत्री ने राजा से कहा, 'देखा महाराज। इन लोगों की राय कैसे बदल गई। अगर मैं बुरा था तो आज ये मेरी प्रशंसा क्यों कर रहे हैं। क्या आप ऐसे लोगों पर विश्वास करेंगे जिनके विचार हमेशा बदलते रहते हैं।' राजा को अपनी भूल का अहसास हो गया। उसने उस मंत्री को गले से लगाया और उन लोगों को राजसेवा से निकाल बाहर किया जिन्होंने मंत्री की शिकायत की थी।

फिल्म वर्ग पहेली- 7324

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'ग़मजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुनी तो का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारुख शेख, नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. सनीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7323

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7633

★★★★☆ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7632 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 8848

बाएँ से दाएँ

1.तरंग,हिलोर-3
3.झगड़ा,द्वेष,कहासुनी-3
5.पार्थिव देह-2
6.जरा,थोड़ा-2
8.रहस्य जानने वाला-4
10.दरवेश, औलिया,पीर-3
12.बहुतांश-3
13.राजनीतिक पार्टी-2
14.हिरासत-2
15.साजन,प्रेमी-3
17.देवर्षि-3
19.भगवान,रब,करतार -4
21.श्रवणेंद्रिय-2
23.प्राण,जीवन तत्व-2
24.द्रव पदार्थ-3
25.डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1.भगवान राम का एक पुत्र-2
2.दया,करुणा-3
3.शर्ट,बुशर्ट-3
4.अधिकार-2
5.भद्र,कुलीन-3
7.बड़ा भवन,कोठी-3
8.हमेशा,हर पल-4
9.यात्री,पथिक,राहगीर-2
12.कुख्यात-2,2
15.तमीज,तहजीब-3
16.रात्रि,रजनी-2
18.शोषण करना,दबाना-3
19.आसान,सीधा-3
20.नाव चलाने वाला-3
22.झुका हुआ-2
23.मर्तबान,रूस का राजा-2

शब्द पहेली -8847 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणेश चतुर्थी आज-शुभ मुहूर्त में विराजेंगे विघ्नहर्ता

घरों से लेकर सार्वजनिक पंडालों तक आकर्षक सजावट; 10 दिनों तक होंगे धार्मिक आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर आज 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व लांजी नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं की शुभ मुहूर्त में घर-घर और सार्वजनिक पंडालों में विधि-विधान के साथ स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही लांजी क्षेत्र में दस दिवसीय गणेशोत्सव का शुभारंभ होगा। क्षेत्र में स्थापित गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन अनंत चतुर्दशी के दिन ही करने की परंपरा है, जिसके चलते 25 सितंबर को गणपति बप्पा को भव्य शोभायात्राओं के साथ विदाई दी जाएगी।

शुभ मुहूर्त में होगी गणपति स्थापना

गणेश चतुर्थी पर श्रद्धालु शुभ मुहूर्त में भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं की स्थापना करेंगे। पंडितों और पुरोहितों की देखरेख में मंत्रोच्चार, पूजन और प्राण-प्रतिष्ठा के साथ बप्पा को पंडालों और घरों में विराजमान कराया जाएगा। स्थापना के बाद अगले दस दिनों तक प्रतिदिन सुबह-शाम आरती, पूजा-अर्चना और भोग-प्रसाद का आयोजन होगा। गणेश चतुर्थी को लेकर नगर में सुबह से ही धार्मिक वातावरण बनने की उम्मीद है। गणपति स्थापना के लिए भक्तों ने पहले से ही तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुभ मुहूर्त में बप्पा के विराजते ही नगर के विभिन्न हिस्सों में गणपति बप्पा मोरया के जयघोष गूंजेंगे।

पंडालों की सजावट को दिया अंतिम रूप

गणेशोत्सव समितियों द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों, चौराहों और प्रमुख स्थानों पर बनाए गए पंडालों को आकर्षक रूप दिया गया है। कहीं फूलों से सजावट की गई है तो कहीं रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी और विभिन्न सजावटी थीम के माध्यम से पंडालों को विशेष रूप दिया गया है। समितियों द्वारा पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी तैयारी की गई है। गणेश प्रतिमा स्थापना से पहले पंडालों में साफ-सफाई और सजावट का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। युवाओं और समितियों के सदस्य आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

मूर्तिकारों ने महीनों की मेहनत से तैयार की प्रतिमाएं

गणेशोत्सव के लिए क्षेत्र के मूर्तिकारों ने महीनों पहले से प्रतिमाओं का निर्माण शुरू कर दिया था। छोटी-बड़ी आकर्षक प्रतिमाओं को अंतिम रूप देकर पंडालों और घरों तक पहुंचाया जा रहा है। भक्तों ने अपनी पसंद के अनुसार पहले से प्रतिमाओं की बुकिंग कराई थी। मूर्तिकारों ने पारंपरिक स्वरूप के साथ विभिन्न आकर्षक रूपों में प्रतिमाएं तैयार की हैं। कई स्थानों पर मिट्टी और प्राकृतिक रंगों से बनी प्रतिमाएं भी तैयार की गई हैं। प्रतिमाओं की खरीदारी को लेकर बाजार में भी चहल-पहल बनी हुई है।

घर-घर में गणपति स्वागत की तैयारी

सार्वजनिक पंडालों के साथ ही घरों में भी गणपति स्थापना को लेकर विशेष उत्साह है। लोगों ने घरों की साफ-सफाई कर पूजा स्थल को सजाया है। फूल, रंगोली और विद्युत सजावट के साथ गणपति बप्पा के स्वागत की तैयारी की गई है। कई परिवारों में वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे।

10 दिनों तक भक्ति में डूबा रहेगा लांजी

गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक लांजी क्षेत्र में गणेशोत्सव की धूम रहेगी। सार्वजनिक पंडालों में सुबह-शाम आरती के साथ भजन-कीर्तन, धार्मिक आयोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। गणेशोत्सव के दौरान नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय रहेगा।

अनंत चतुर्दशी पर ही होगी बप्पा की विदाई

लांजी क्षेत्र की विशेष परंपरा के अनुसार यहां स्थापित गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन अनंत चतुर्दशी पर ही किया जाता है। इस वर्ष 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गणेश प्रतिमाओं की विसर्जन यात्राएं निकाली जाएंगी। ढोल-नगाड़ों और भगवान श्रीगणेश के जयघोष के बीच श्रद्धालु बप्पा को अंतिम विदाई देंगे। गणेश चतुर्थी से शुरू होकर अनंत चतुर्दशी तक चलने वाला यह उत्सव धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी देता है। श्रद्धालुओं की यही कामना है कि विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश सभी के जीवन से बाधाएं दूर कर सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली प्रदान करें।

गणेश पर्व को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। आगामी गणेश उत्सव पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लांजी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी सहित नगर के गणमान्य नागरिक, गणेश उत्सव समितियों से जुड़े लोग एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।बैठक में गणेश उत्सव के दौरान धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के सुचारू संचालन को लेकर प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ने आयोजकों से अपील की कि सभी कार्यक्रम निर्धारित नियमों के अनुरूप ही आयोजित किए जाएं। बैठक में डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को लेकर निर्धारित समय-सीमा और ध्वनि सीमा का पालन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही गणेश उत्सव समितियों को पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा पर्याप्त संख्या में वालंटियर नियुक्त करने के लिए कहा गया, ताकि आयोजन स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था बेहतर बनी रहे। आयोजन समितियों को यह भी निर्देशित किया गया कि गणेश प्रतिमा के पंडाल ऐसे स्थानों पर लगाए जाएं, जिससे मुख्य मार्ग बाधित न हों और यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे। वहीं गणेश प्रतिमा विसर्जन प्रशासन एवं पुलिस द्वारा निर्धारित मार्ग, स्थान एवं दिनांक के अनुसार ही करने की बात कही गई। बैठक में उपस्थित नागरिकों एवं आयोजन समितियों से पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर उत्सव मनाने तथा आयोजन स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की गई। इस अवसर पर ताराचंद कालबेले, अशोक पालीवाल, इस्तेयाक खान, ताजुल हुसैन, मोहम्मद आबिद नाजमी, इरफान हुसैन, तोसिफ खान, अब्दुल मंसूरी, राज झा, वेदांत पालीवाल, यश अग्रवाल सहित पत्रकारगण उपस्थित रहे।

अफवाहों से बचने की अपील

लांजी पुलिस ने मीडिया के माध्यम से नागरिकों एवं गणेश उत्सव समितियों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या अफवाहजनक सामग्री का प्रसार न करें। गणेश उत्सव के दौरान आपसी सौहार्द एवं शांति बनाए रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा कानून-व्यवस्था से संबंधित सूचना मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाने को सूचित करें।

श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन गूंजा भगवान श्रीहरि का जयघोष

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म और अध्यात्म की पावन धारा से इन दिनों लांजी नगरी भक्तिमय हो उठी है। नगर के मेन रोड स्थित अग्रसेन भवन में सिंघल परिवार (रूपाली साड़ी सेंटर, लांजी) द्वारा श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ एवं गयाश्राद्ध का भव्य आयोजन किया जा रहा है। शनिवार 13 सितंबर को कथा के प्रथम दिवस का शुभारंभ श्रद्धा और भक्तिभाव के वातावरण में हुआ। कथा व्यास परम पूज्य पं. मनसुखलाल जी शास्त्री (बड़ा अखाड़ा, मैहर) ने अपने श्रीमुख से कथा का शुभारंभ करते हुए श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया। कथा के प्रथम दिवस शुकदेव आगमन एवं श्रीमद् भागवत महात्म्य का भावपूर्ण वर्णन किया गया। जैसे ही कथा व्यास ने भगवान श्रीहरि की महिमा और भागवत कथा के महत्व का वर्णन प्रारंभ किया, पूरा कथा स्थल भक्ति के रंग में रंग गया। श्रद्धालु भजनों, जयघोष और कथा श्रवण में भाव-विभोर नजर आए। कथा व्यास पं. मनसुखलाल जी शास्त्री ने श्रीमद् भागवत महात्म्य की व्याख्या करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, धर्म, भक्ति, संस्कार और सदाचार का मार्ग दिखाने वाला दिव्य ग्रंथ है। भगवान की कथा का श्रवण मनुष्य के अंतर्मन को निर्मल करता है तथा उसे परमात्मा के प्रति भक्ति और समर्पण की भावना से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भागवत कथा का श्रवण जीवन में सकारात्मक विचारों का संचार करता है और मनुष्य को धर्म एवं सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

सात दिनों में सुनाए जाएंगे भगवान के विभिन्न प्रसंग

आयोजन के तहत 14 सितंबर सोमवार को राजा परीक्षित जन्म प्रसंग, 15 सितंबर मंगलवार को सती चरित्र एवं ध्रुव चरित्र, 16 सितंबर बुधवार को वामन अवतार, राम अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का वर्णन किया जाएगा। इसी क्रम में 17 सितंबर गुरुवार को श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, माखन चोरी लीला एवं गोवर्धन पूजा, 18 सितंबर शुक्रवार को दिव्य रासलीला, मथुरा लीला एवं रुक्मणी विवाह तथा 19 सितंबर शनिवार को द्वारिका लीला एवं सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन होगा। 20 सितंबर रविवार को कथा विश्राम के साथ पूर्णाहुति एवं हवन का आयोजन किया जाएगा।

प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक कथा

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक अग्रसेन भवन, मेन रोड, लांजी में किया जा रहा है। कथा के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। सिंघल परिवार ने नगर एवं आसपास के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं एवं बहनों से अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पर पहुंचकर परम पूज्य पं. मनसुखलाल जी शास्त्री के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने और इस पावन धार्मिक आयोजन का पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

थाना नया, लेकिन पहुंच मार्ग बदहाल

गड्ढों से होकर थाने पहुंच रहे फरियादी, तहसील मार्ग पर बिखरी गिट्टी से वाहन चालक परेशान; परिसर में दुर्गंध ने बढ़ाई लोगों की मुश्किल

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर की कानून व्यवस्था संभालने वाला थाना नया और सुविधाओं से सुसज्जित हो गया, लेकिन थाने तक पहुंचने वाला मार्ग अब भी बदहाली की तस्वीर पेश कर रहा है। दूसरी ओर तहसील कार्यालय तक पहुंचने वाले रास्ते की स्थिति भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। कहीं जर्जर मार्ग से फरियादी और पुलिसकर्मी परेशान हैं तो कहीं रास्ते में डाली गई गिट्टी छोटे वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन गई है। वहीं तहसील कार्यालय परिसर के वॉशरूम से उठने वाली तेज दुर्गंध स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। ऐसे में लोगों का कहना है कि संबंधित विभागों को अस्थायी इंतजाम के बजाय इन समस्याओं का स्थायी समाधान करना चाहिए। करीब 8 से 9 माह पूर्व थाना लांजी को नगर के सुभाष चौक स्थित पुराने भवन से हटाकर नए भवन में स्थानांतरित किया गया था। वर्तमान में थाना लांजी-सालेटेकरी मार्ग पर बांस डिपो के पास संचालित हो रहा है। नए भवन के शुरू होने के बाद लोगों को बेहतर सुविधाओं और व्यवस्थित पुलिस व्यवस्था की उम्मीद थी, लेकिन मुख्य मार्ग से थाना परिसर तक पहुंचने वाला रास्ता अब परेशानी का कारण बना हुआ है। मार्ग की स्थिति ऐसी है कि लोगों को गड्ढों और उबड़-खाबड़ रास्ते से होकर थाने तक पहुंचना पड़ता है। प्रतिदिन अपनी शिकायत और समस्याएं लेकर आने वाले ग्रामीणों एवं नगरवासियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए तो यह रास्ता और भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। खराब सतह और गड्ढों के कारण वाहन चलाते समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

पुलिस वाहनों की आवाजाही में भी परेशानी

खराब पहुंच मार्ग का असर पुलिसकर्मियों की आवाजाही पर भी पड़ रहा है। पुलिसकर्मियों को रोजाना इसी रास्ते से थाना आना-जाना पड़ता है। किसी घटना या आपात स्थिति की सूचना मिलने पर पुलिस वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना होना होता है। ऐसे में थाने तक पहुंचने वाला मार्ग सुगम और व्यवस्थित होना आवश्यक है। लोगों का कहना है कि कानून व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यालय तक पहुंचने का रास्ता ही बदहाल होना व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करता है।

तहसील की राह में गिट्टी बनी नई मुसीबत

थाना मार्ग के बाद अब तहसील कार्यालय तक पहुंचने वाला रास्ता भी लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। मार्ग को सुधारने के उद्देश्य से फिलहाल गिट्टी डाली गई है, लेकिन इसे समतल नहीं किए जाने के कारण छोटे वाहन चालकों के लिए मुश्किल और बढ़ गई है। जगह-जगह बिखरी गिट्टी के कारण दोपहिया वाहन चालकों को संभलकर निकलना पड़ रहा है। कई वाहन चालकों को टायर पंचर होने जैसी परेशानी भी उठानी पड़ रही है। लोगों का कहना है कि यदि मार्ग पर गिट्टी डाली गई है तो उसे जल्द समतल कर व्यवस्थित किया जाना चाहिए, ताकि तहसील कार्यालय आने वाले ग्रामीणों और नगरवासियों को आवागमन में परेशानी न हो। वर्तमान स्थिति में सुधार के लिए किया गया अस्थायी प्रयास ही लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता दिखाई दे रहा है।

तहसील परिसर में दुर्गंध से भी लोग परेशान

तहसील कार्यालय परिसर के अंदर स्थित वॉशरूम से आने वाली तेज दुर्गंध भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। स्थिति यह है कि दुर्गंध के कारण परिसर में कुछ देर खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। तहसील कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण और नगरवासी राजस्व सहित विभिन्न कार्यों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में कार्यालय परिसर में स्वच्छता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

स्थायी समाधान की जरूरत

थाना और तहसील दोनों ही आम लोगों से सीधे जुड़े महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय हैं। ऐसे में इन तक पहुंचने वाले मार्ग और परिसर की मूलभूत सुविधाएं व्यवस्थित होना जरूरी है। लोगों की मांग है कि थाना पहुंच मार्ग का स्थायी निर्माण कराया जाए, तहसील कार्यालय के रास्ते को समतल कर सुगम बनाया जाए तथा परिसर के वॉशरूम की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। फौरी राहत के बजाय यदि संबंधित विभाग इन समस्याओं का स्थायी समाधान करते हैं तो आम लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी से राहत मिल सकती है।

रात में बेवजह घूमने वालों पर पुलिस की नजर, चौक-चौराहों पर होगी संदिग्धों की जांच

देर रात तक दुकानें खोलकर बैठने वालों से भी होगी पूछताछ, पुलिस ने बढ़ाई गश्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। दिनभर की चहल-पहल के बाद रात होते ही शहर की सड़कों को अपना अड्डा समझने वालों के लिए अब माहौल बदलने वाला है। जुआ खेलने-बैठने वालों से लेकर नशे में घूमने वाले युवकों, गुंडा-बदमाशों और देर रात तक बेवजह दुकानें खोलकर बैठने वालों पर पुलिस की नजर रहेगी। पुलिस ने साफ कर दिया है कि रात के समय बिना किसी जरूरी काम के घूमना और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहना अब आसानी से नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। जो कानून का पालन कर सामान्य रूप से अपने काम से आ-जा रहे हैं, उन्हें किसी तरह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन शहर की शांति भंग करने वालों के लिए पुलिस की निगाह से बचना आसान नहीं होगा। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में नगर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयार की गई विशेष रूपरेखा के तहत पुलिस ने रात्रिकालीन गश्त और निगरानी को प्रभावी बनाने की तैयारी की है। लांजी थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि आगामी त्योहारों और नगर की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस अमला लगातार नगर में भ्रमण कर रहा है। पुलिस की निगरानी का दायरा केवल सड़कों पर घूमने वालों तक सीमित नहीं रहेगा। देर रात तक दुकानें खोलकर बैठने वालों से भी जरूरत के मुताबिक पूछताछ की जाएगी। दुकान खोलकर बैठने का कारण, वहां मौजूद लोगों और गतिविधियों की जानकारी पुलिस द्वारा ली जा सकती है। यदि किसी स्थान पर देर रात तक बैठने की आड़ में कोई संदिग्ध गतिविधि सामने आती है तो पुलिस उस पर भी नजर रखेगी।

चौक-चौराहों पर पुलिस रोकेगी संदिग्धों को, जुआ और नशे के अड्डों पर पुलिस की नजर

थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी ने बताया कि देर रात बिना किसी कार्य के घूमने वालों को नगर के विभिन्न मार्गों, चौक-चौराहों और प्रमुख स्थानों पर पुलिस टीम रोककर पूछताछ करेगी। पूछताछ केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहेगी। संदिग्ध व्यक्ति का फोटो लिया जाएगा, मोबाइल नंबर दर्ज किया जाएगा तथा उसके वाहन का नंबर और फोटो भी लिया जाएगा। इस कार्रवाई का सीधा मकसद रात के समय होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना और ऐसे लोगों की पहचान सुनिश्चित करना है, जो नगर की शांति और कानून व्यवस्था के लिए परेशानी का कारण बन सकते हैं। नगर में देर रात सक्रिय रहने वाले जुआरियों, नशेड़ियों तथा गुंडा-बदमाशों की गतिविधियों पर पुलिस विशेष नजर रखेगी। सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर जुआ खेलने, नशा करने

अथवा नशे की हालत में घूमने वालों के साथ पुलिस सख्ती से पेश आएगी। इसी तरह किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि सामने आने पर पुलिस आवश्यक कार्रवाई करेगी। रात के समय अंधेरे और सुनसान इलाकों को अपनी गतिविधियों के लिए सुरक्षित समझने वालों के लिए भी पुलिस की गश्त एक स्पष्ट चेतावनी है कि नगर में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर नजर रखी जा रही है।

यातायात व्यवस्था के लिए आरआई राजेश कुमरे की तैनाती

थाना प्रभारी ने बताया कि नगर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा विशेष रूप से आरआई राजेश कुमरे को पदस्थ किया गया है। वे नगर प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य करेंगे। इससे यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के साथ-साथ पुलिस और नगर प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय भी बनाया जाएगा। पुलिस की निगरानी केवल लांजी नगर तक सीमित नहीं रहेगी। क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में भी पुलिस टीम गश्त करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले अवैध कार्यों पर पुलिस अपनी पैनी नजर रखेगी और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई करेगी। थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी ने नगरवासियों से पुलिस की इस पहल में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस का रुख स्पष्ट है कि सामान्य नागरिक अपने जरूरी काम से रात में आवागमन करता है तो उसे बेवजह परेशान करने का उद्देश्य नहीं है। कार्रवाई का निशाना वे लोग होंगे, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं या जो शहर की शांति और कानून व्यवस्था के लिए परेशानी खड़ी करते हैं।

मोहपत सिरसाठे का निधन, आज बिसोनी में होगा अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बिसोनी निवासी मोहपत सिरसाठे, पिता होंडू साव, का 13 सितंबर 2026 को हृदय गति रुक जाने से 60 वर्ष की आयु में हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, परिचितों एवं ग्रामवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। मोहपत सिरसाठे हैदराबाद में ठेकेदारी का कार्य करते थे। वे मिलनसार एवं सामाजिक स्वभाव के व्यक्ति के रूप में परिचित थे। उनके निधन से बिसोनी सहित आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। उनकी अंतिम यात्रा 14 सितंबर 2026, सोमवार को दोपहर 12 बजे के बाद उनके गृह ग्राम बिसोनी स्थित निवास से निकाली जाएगी। अंतिम संस्कार ग्राम बिसोनी स्थित मोक्षधाम में किया जाएगा। मोहपत सिरसाठे अपने पीछे पत्नी, पुत्र, पुत्रवधू, पुत्री, तीन भाई, तीन बहनों सहित नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर जनप्रतिनिधियों, रिश्तेदारों, परिजनों, इष्ट-मित्रों एवं ग्रामवासियों ने शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक संतप्त लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पांच दिन का काम सात दिन बाद भी अधूरा, बूंद-बूंद पानी को तरसे शहरवासी

7 से 11 सितंबर तक था शटडाउन, अब तक नहीं सुधरी व्यवस्था, पीएम आवास में तीसरी मंजिल तक पानी पहुंचाना बना मुसीबत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका के फिल्टर प्लांट में चल रही पाइपलाइन शिफ्टिंग अब शहरवासियों के लिए राहत के बजाय परेशानी का सबब बनती जा रही है। नगर पालिका ने पहले पाइपलाइन शिफ्टिंग के चलते 7 से 11 सितंबर तक जलापूर्ति प्रभावित रहने की सूचना दी थी, लेकिन तय अवधि बीतने के बावजूद 13 सितंबर तक काम पूरा नहीं हो सका। नतीजा यह है कि प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी सहित बुद्धि भटेरा और शहर के कई रिहायशी इलाकों में लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान हैं और घरों में पानी को लेकर हाहाकार की स्थिति बन गई है। सबसे ज्यादा परेशानी उन परिवारों को उठानी पड़ रही है, जो बहुमंजिला प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में रहते हैं। पीएम आवास कॉलोनी के रहवासी प्रदीप केकती ने बताया कि वे बीते कई दिनों से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। कॉलोनी में फ्लैट सिस्टम होने के कारण ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। उनका कहना है कि नीचे से पानी भरकर ऊपर तक ले जाना बेहद मुश्किल हो रहा है। नगर पालिका द्वारा पाइपलाइन सुधारने के लिए कुछ दिन का समय बढ़ाया गया, लेकिन इसके बावजूद अब तक स्थायी व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी है। नगर पालिका के पूर्व पार्षद अनिल सोनी ने भी जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पाइपलाइन शिफ्टिंग का काम शुरू करने से पहले नगर पालिका को प्रभावित क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक जलापूर्ति की पुख्ता व्यवस्था करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसका खामियाजा अब शहर के अलग-अलग वार्डों के रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। अनिल सोनी के मुताबिक प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में स्थिति और गंभीर है। उनका आरोप है कि लोगों को फायर ब्रिगेड के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है और इसके लिए राशि लिए जाने की बात सामने आ रही है। उनका कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान लोगों को संकट के समय निशुल्क पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। स्थिति यह है कि कुछ परिवारों के सामने पीने के पानी तक का संकट खड़ा हो गया है। बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोगों की परेशानी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई परिवारों को नीचे से पानी लेकर तीसरी मंजिल तक पहुंचाना पड़ रहा है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए यह काम किसी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब नगर पालिका को पहले से पता था कि पाइपलाइन शिफ्टिंग के कारण कई दिनों तक जलापूर्ति प्रभावित होगी, तो वैकल्पिक व्यवस्था को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई? इधर, त्योहारों का समय होने के कारण कर्मचारियों की उपलब्धता को लेकर भी नगर पालिका के सामने चुनौती बताई जा रही है। ऐसे में काम की रफ्तार और धीमी होने की आशंका से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। शहरवासियों का सवाल सीधा है कि जब 7 से 11 सितंबर तक का समय निर्धारित था और वह भी निकल गया, तो अब नई समयसीमा क्या है और आखिर उन्हें नियमित पानी कब मिलेगा?, इस संबंध में नगर पालिका की उपयंत्री ज्योति मेश्राम ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि पाइपलाइन को पूरी तरह ठीक होने में लगभग एक सप्ताह का समय और लग सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पानी की सप्लाई की जा रही है। लेकिन नगर पालिका के इस दावे के बीच जमीनी तस्वीर कई सवाल छोड़ रही है। यदि टैंकरों से पर्याप्त जलापूर्ति की जा रही है तो रहवासियों को पानी के लिए इतनी परेशानी क्यों उठानी पड़ रही है? और जब पाइपलाइन का काम पहले ही निर्धारित समयसीमा से आगे निकल चुका है, तो क्या नगर पालिका के पास इस देरी के लिए कोई स्पष्ट जवाब है?

सिरमौर बनी डायमंड रॉक

प्रेसिडेंट कप जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय रेंजर कॉलेज मैदान में जिला फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में 8 सितम्बर से आयोजित प्रेसिडेंट कप जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का फाइनल मैच 13 सितम्बर को द डायमंड रॉक बनाम मॉयल इलेवन भरवेली के मध्य खेला गया। इस मैच में दोनों ही टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। हालांकि द डायमंड रॉक के खिलाफ मायल भरवेली की टीम एक भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सकी उधर द डायमंड रॉक के

खिलाड़ियों ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए एक के बाद एक ऐसे दो गोल दाग कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया।। टूर्नामेंट के फाइनल व समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, कटंगी विधायक फुटबाल संघ अध्यक्ष गौरवसिंह पारधी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अभय कोचर, सुरजीतसिंह ठाकुर, पार्षद राज हरिनखेड़े, मनोनीत पार्षद गजेन्द्र भारद्वाज, सुरेन्द्रपाल सिंह, पूर्व पार्षद राजेश लिल्हारे, समाजसेवी सुभाष गुप्ता, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, रक्षिका शोर्य संयोजिका जयश्री सोनवाने, अजय बैस, ओमेन्द्र बिसेन सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का किया गया समापन

इस दौरान अतिथियों ने कहा कि जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने इस तरह का आयोजन किया जा रहा है। जिले के खिलाड़ी विभिन्न खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन कर रहे है। उन्होंने कहा कि खेल में हार जीत होते रहती है। हारने वाली टीम को निराश न होकर और भी बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सभी खिलाडियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं अंत में पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन किया गया इस टूर्नामेंट को सफल बनाने में फुटबाल संघ जिला उपाध्यक्ष जेम्स बारीक, सचिव सुनील यादव, गणेश अग्रवाल, पूनम धुवारे, डॉ. अक्षय कटरे, दिलीप राजपूत, ज्वाला डहरवाल, युवराज, योगेश गायकवाड़, रूपेन्द्र गायकवाड़ सहित अन्य का सहयोग रहा।

गणेश उत्सव को लेकर जिलेभर में शांति समिति की हुई बैठकें

शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने पुलिस-प्रशासन ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी गणेश उत्सव के दौरान जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के सुचारू संचालन को लेकर जिलेभर में शांति समिति की बैठकें आयोजित की गईं। थाना एवं अनुविभाग स्तर पर आयोजित इन बैठकों में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के साथ गणेश उत्सव आयोजन समितियों के पदाधिकारी, डीजे संचालक एवं अन्य संबंधित लोग शामिल हुए। बैठकों में गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। पुलिस एवं प्रशासन ने आयोजन समितियों और डीजे संचालकों को ध्वनि विस्तारक यंत्रों एवं डीजे के संचालन के लिए निर्धारित समय सीमा तथा ध्वनि सीमा का पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशासन द्वारा जारी अन्य दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए ही धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की गई।

पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश

गणेश उत्सव समितियों को पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और पर्याप्त संख्या में वालंटियर तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्र में निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनी रहेगी। समितियों से यह भी कहा गया कि गणेश प्रतिमा के पंडाल ऐसे स्थानों पर लगाए जाएं जिससे मुख्य मार्ग बाधित न हों और यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे।

निर्धारित मार्ग और स्थान पर ही होगा प्रतिमा विसर्जन

बैठक में गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समितियों को स्पष्ट किया गया कि प्रतिमाओं का विसर्जन पुलिस एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग, स्थान और दिनांक के अनुसार ही किया जाए। आयोजन समितियां आयोजन स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा एवं व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा पुलिस प्रशासन द्वारा जारी सभी नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करें।

नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा पर रहेगा जोर

आगामी गणेश उत्सव के दौरान नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा, शांति एवं सुचारू यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस एवं प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। अधिकारियों ने आयोजन समितियों से प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर उत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की अपील की है।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने से बचें

बालाघाट पुलिस ने नागरिकों एवं गणेश उत्सव आयोजन समितियों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक अथवा अफवाहजनक सामग्री का प्रसार न करें। उत्सव के दौरान आपसी सौहार्द एवं शांति बनाए रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा कानून-व्यवस्था से संबंधित सूचना मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाने को सूचना देने की अपील की गई है।

अनुसूचित जनजाति आयोग सदस्य नेताम का ०दौरा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम 13 सितम्बर को रात्रि 8 बजे भोपाल से रायपुर पहुचेंगे और 14 सितम्बर को रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात 15 सितम्बर को प्रातः रायपुर से दमोह बिरसा के लिए प्रस्थान करेंगें ।

पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का निधन

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का रविवार को निधन हो गया। सत्यवती मिश्रा के निधन की खबर से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई। कलराज मिश्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट साझा कर यह दुखद जानकारी दी। उन्होंने लिखा, मेरी धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा, आज अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गई हैं। प्रभु उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें। इस खबर के सामने आते ही देशभर के कई प्रमुख नेताओं ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यवती मिश्रा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी का निधन अत्यंत दुःखद है। विनम्र श्रद्धांजलि। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अंडमान निकोबार के उपराज्यपाल दिनेश शर्मा ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, अत्यंत दुखद समाचार है कि पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की अर्धांगिनी सत्यवती मिश्रा, हम सब की चाची जी अब नहीं रहीं। उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक्स पर अपनी श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने सोशल मीडिया पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्र के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है।

ब्रिक्स के गाला डिनर में मलेशिया के पीएम धुन के हुए दिवाने गाए किशोर के गाने

नई दिल्ली। भारत मंडपम में आयोजित 18वें ब्रिक्स सम्मेलन की गाला डिनर शाम बेहद खास और यादगार बन गई। पीएम मोदी द्वारा मेजबानी की गई इस शाम में दुनिया भर के कई दिग्गज नेता मौजूद थे, लेकिन पूरी महफिल का सेंटर मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम बन गए। महान गायक किशोर कुमार के बहुत बड़े फैन अनवर इब्राहिम ने वहां बज रही पियानो की धुन के साथ किशोर दा के दो सदाबहार गाने गाए। उनके गाना गाने का ये खूबसूरत वीडियो अब सामने आया है, जिसने गंभीर कूटनीतिक माहौल में एक अलग ही मिठास घोल दी है। ब्रिक्स गाला डिनर के दौरान माहौल काफी खुशनुमा था। इसी बीच हॉल में एक पियानो बजाने वाला आर्टिस्ट किशोर कुमार के मशहूर गानों की धुन बजा रहा था। ये देखकर मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम खुद को रोक नहीं पाए और मुस्कुराते हुए सीधे पियानो के पास जाकर खड़े हो गए। उन्होंने बिना किसी झिझक के पियानो की धुन के साथ ताल मिलाते हुए पहले 1964 की सुपरहिट फिल्म 'संगम' का सदाबहार गाना 'दोस्त दोस्त ना रहा, प्यार प्यार ना रहा' गुनगुनाया। इसके तुरंत बाद उन्होंने 1965 में आई हिंदी फिल्म 'तीन देवियां' का रोमांटिक गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत, कौन हो तुम बतलाओ' पूरी लय और उत्साह के साथ गाना शुरू कर दिया। इस गाने को एस डी बर्मन ने कंपोज किया था और इसके खूबसूरत बोल मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे थे। अनवर इब्राहिम को इतने खूबसूरत अंदाज में हिंदी गाना गाते देख वहां मौजूद तमाम अधिकारी, राजनयिक और मेहमान मुस्कुराने लगे और सबने तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाया। इब्राहिम ने खुद इस खूबसूरत पल का वीडियो अपने आधिकारिक अकाउंट एक्स पर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में भारतीय संगीत और किशोर कुमार के प्रति अपने खास लगाव को जाहिर किया।

ये पहली बार नहीं है जब मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम ने सार्वजनिक रूप से किशोर कुमार के गानों के प्रति अपनी दीवानगी दिखाई। वह कई सालों से किशोर दा की आवाज और उनके बॉलीवुड क्लासिक्स के बड़े फैन रहे हैं। इससे पहले साल 2024 में जब वह भारत के दौरे पर आए थे, तब एक इंटरव्यू में भी उन्होंने किशोर कुमार के गानों का जिक्र किया था और यही गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत' गुनगुनाया था। उन्होंने बताया था कि भारतीय फिल्में और गाने केवल भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मलेशिया और पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया में लोग इन्हें बेहद पसंद करते हैं। इब्राहिम का ये अंदाज दिखाता है कि संगीत किस तरह बिना किसी भाषा या सरहद के दो देशों के लोगों को आपस में जोड़ सकता है।

इस 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मलेशिया ने पीएम नरेंद्र मोदी के विशेष निमंत्रण पर 'ब्रिक्स पार्टनर कंट्री' के रूप में हिस्सा लिया। मलेशिया के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बताया कि ब्रिक्स सम्मेलन विकासशील देशों के लिए एक बहुत बड़ा और खास प्लेटफॉर्म बन चुका है। यह मंच अर्थव्यवस्था, बिजनेस, निवेश और डिजिटल बदलाव जैसे बड़े मुद्दों पर मिलकर काम करने का मौका देता है। सम्मेलन के दौरान पीएम अनवर इब्राहिम ने अपने भाषण में सभी देशों को साथ लेकर चलने और आपसी सहयोग को मजबूत करने पर खास जोर दिया।

गजलाल नागपुरे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम परसोड़ी निवासी गजलाल नागपुरे का 100 वर्ष की आयु में 13 सितंबर की सुबह करीब 7:30 बजे निधन हो गया। उनके निधन की खबर से ग्राम में शोक की लहर दौड़ गई। वे अपने पीछे चार पुत्र एवं एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। गजलाल नागपुरे का अंतिम संस्कार 13 सितंबर को ही दोपहर करीब 3 बजे ग्राम परसोड़ी स्थित स्थानीय मोक्षधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में रिश्तेदारों, समाजजनों एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना परमपिता परमेश्वर से की।

प्रतिभाओं के सम्मान को लेकर आलोक संघ ने की बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले की प्रतिभाओं

को मंच देने और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम को लेकर जिला आलोक संघ ने रविवार को भारती लॉन लांजी में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को भव्य और गरिमामय स्वरूप देने के साथ ही जिले की अधिक से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित करने की रूपरेखा पर चर्चा हुई। बैठक में आयोजन की तैयारियों, व्यवस्थाओं और कार्यक्रम के विभिन्न चरणों को लेकर पदाधिकारियों ने अपने सुझाव रखे। सभी ने प्रतिभाओं के चयन और सम्मान समारोह को बेहतर ढंग से संपन्न कराने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर सहमति जताई। बैठक में जिला आलोक संघ बालाघाट के जिलाध्यक्ष प्रभुलाल पिछोड़े, आलोक संघ के राष्ट्रीय संगठन सचिव सी.डी. नगपुरे, राष्ट्रीय एंकरिंग समिति अध्यक्ष दुर्गा सुलाखे, प्रदेश संगठन सचिव अनोश बसेने, ब्लॉक अध्यक्ष बालाघाट कन्हैया मस्करे, ब्लॉक अध्यक्ष किरनापुर पन्नालाल नगपुरे, आलोक प्रमोटर सोमालाल बघेले, जिला उपाध्यक्ष आई.डी. रनगिरे, जिला सदस्य लक्ष्मण रनगिरे, सदस्य सुभाष नगपुरे एवं श्रीराम बोहने सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। वहीं अवंती साधना मंच लांजी, आलोक संघ लांजी एवं लोधी महासभा लांजी के सदस्यों ने भी बैठक में सहभागिता की।

सम्मान से प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का प्रोत्साहन

बैठक में सदस्यों ने कहा कि प्रतिभाओं की उपलब्धियों को सार्वजनिक मंच पर सम्मानित करने से उनमें आगे बढ़ने का उत्साह बढ़ता है। साथ ही समाज के अन्य युवाओं और प्रतिभावान लोगों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के माध्यम से जिले की विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को पहचान और सम्मान देने का प्रयास किया जाएगा। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुकाबले अब आधे घंटे पहले शुरु होंगे

टोक्यो। इसी माह 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में शुरु हो रहे एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कार्यक्रम में बदलाव किया गय है। आयोजकों ने पुरुष टीम के कुछ नॉकआउट मैचों को उनके निर्धारित समय से 30 मिनट पहले शुरू करने का फैसला किया है। नए कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर के सत्र में खेले जाने वाले पुरुष वर्ग के मुकाबले अब पहले से तय दोपहर 2 बजे के बजाय स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होंगे पर महिला वर्ग के मैचों के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वे पहले घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को इन सीधे क्वार्टर फाइनल में उतरना है। समय में बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि जापान का समय भारतीय टीम से 3 घंटे और 30 मिनट पहले है और वहां जल्दी अंधेरा होता है। भारतीय दर्शक इस मैच को सुबह 10 बजे से देख सकेंगे। एशियाई खेलों की आधिकारिक वेबसाइट पर भी पुरुषों के मैचों के लिए समय दोपहर 1:30 बजे ही

दर्शाया गया है। भारतीय पुरुष टीम अपना क्वार्टर फाइनल मैच 28 सितंबर को खेलेगी। मैचों के समय में बदलाव कर इसे 30 मिनट पहले शुरु करने से केवल शुरुआती नॉकआउट मैचों पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि दूसरे सेमीफाइनल और फाइनल पर भी इसका असर होगा। ये मुकाबले अब भारतीय समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, समय-सारणी में हुए इन बदलावों की जानकारी अभी तक सभी प्रतिभागी टीमों को नहीं दी गई है। यहां तक की आधिकारिक तौर पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारियों को भी ये जानकार नहीं मिली है। सुबह के सत्र में होने वाले मैचों के समय में कोई फेरबदल नहीं किया गया है। ये मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे, यानी भारतीय समय के अनुसार सुबह 5:30 बजे ही शुरू होंगे। टाइमिंग में बदलाव इसीलिए किया गया है क्योंकि जापान में जल्दी अंधेरा होता है। सभी क्रिकेट मुकाबले कोरोगी एथलेटिक पार्क में आयोजित किए जाएंगे, और यहां फ्लड लाइट्स की सुविधा भी नहीं है। इस कारण भी मैच जल्द रखे गये हैं।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत के बढ़ते प्रभाव को देखकर प्रधानमंत्री मोदी के प्रशंसक बने शास्त्री

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक कुशलता से बेहद प्रभावित हुए हैं। शास्त्री ने इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के बढ़ते दबदबे की भी तारीफ की है। उन्होंने मोदी की उस पहल की भी विशेष रूप से प्रशंसा की है जिसमें वह ब्रिक्स के अन्य प्रमुख नेताओं के साथ मिलकर पौधरोपण करते दिखे थे। शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक विशेष तस्वीर साझा की है, इसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक साथ पौधे को पानी देते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह तस्वीर ब्रिक्स देशों के राष्ट्रपतियों और अन्य आमंत्रित नेताओं द्वारा की गई एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहल का हिस्सा थी, जिसने वैश्विक सहयोग और स्थिरता के प्रति ब्रिक्स के संकल्प को दर्शाया।

वेटलिफ्टर रिशिकांता घुटने की चोट के कारण एशियाई खेलों से बाहर हुए

नई दिल्ली। राष्ट्रमण्डल रजत विजेता वेटलिफ्टर रिशिकांता सिंह घुटने की चोट के कारण 19 सितंबर से जापान में होने वाले एशियाई खेलों से बाहर हो गये हैं। रिशिकांता के बाहर होने से भारत को एक झटका लगा है क्योंकि वह पदक के दावेदार माने जा रहे थे। रिशिकांता सिंह के घुटने में चोट लगी है। वहीं एथलेटिक्स टीम में भी बदलाव किये गये हैं और भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी, लंबी कूद के खिलाड़ी शाहनवाज खान और धाविका नित्या गांधे को भी अलग-अलग कारणों से टीम से बाहर कर दिया गया है। 60 किलोग्राम वर्ग के वेटलिफ्टर रिशिकांता सिंह को घुटने में चोट लगी है। ये चोट उन्हें जुलाई में ग्लासगो राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतने से ठीक पहले लगी थी। हाल में मेडिकल जांच के बाद भारतीय वेटलिफ्टिंग महासंघ ने कहा है कि रिशिकांता को करीब एक महीने के विशेष रिहैबिलिटेशन की जरूरत है। , जिसके कारण वह एशियाई खेलों से बाहर हो गये हैं। उनके बाहर होने के बाद अब भारत की वेटलिफ्टिंग टीम में चार महिला खिलाड़ी शामिल रहेंगी। इसमें टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू (49 किग्रा), ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा), निरुपमा देवी (61 किग्रा) और हरजिंदर कौर (69 किग्रा)। वहीं एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय एथलेटिक्स दल में बदलाव करते हुए टीम की संख्या घटाकर 74 कर दी है। इसमें भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी को बाहर किया गया है, क्योंकि वह एशियाई खेलों के लिए निर्धारित 57.62 मीटर के प्रवेश मानक से मामूली अंतर (57.50 मीटर) से रह गयीं थीं। वहीं लंबी कूद के खिलाड़ी शाहनवाज खान भी चोट की समस्या से जूझ रहे थे, जिससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ और अंतिम ट्रायल में वह छठे स्थान पर रहे, जिसके कारण उन्हें भी टीम से बाहर होना पड़ा। स्प्रिंटर नित्या गांधे को 100 मीटर दौड़ में नौवें स्थान पर रहने के बाद टीम से बाहर कर दिया गया है, और उनकी जगह अब हरिता भद्रा महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम में शामिल किया गया है। वहीं कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को अंतिम ट्रायल में हिस्सा नहीं लेने के बाद भी शामिल किया गया है। ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवेल, हाई जंपर सर्वेश कुशारे, 100 मीटर हर्डल्स खिलाड़ी ज्योति याराजी और 400 मीटर हर्डल्स धावक यशस पालाक्षा शामिल हैं।

लाला अमरनाथ और सुरिंदर अमरनाथ के नाम दर्ज है क्रिकेट का अनोखा पिता-पुत्र रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लाला अमरनाथ और उनके बड़े बेटे सुरिंदर अमरनाथ के नाम टेस्ट क्रिकेट का एक ऐसा अनोखा रिकॉर्ड दर्ज है, जिसकी बराबरी अब तक कोई अन्य पिता-पुत्र नहीं कर सके हैं। साल 1933 में लाला अमरनाथ ने इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई के जिमखाना मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। अपने पहले ही टेस्ट मैच में उन्होंने 118 रन की शानदार पारी खेली और इतिहास रच दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला शतक था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने उस दौर में भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास को नई मजबूती दी। इसके करीब 43 साल बाद जनवरी 1976 में उनके बड़े बेटे सुरिंदर अमरनाथ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में टेस्ट पदार्पण किया। उन्होंने भी अपने पहले ही टेस्ट में शानदार शतक जड़ते हुए 124 रन की पारी खेली। इस तरह लाला अमरनाथ और सुरिंदर अमरनाथ ऐसे पिता-पुत्र बने, जिन्होंने अपने-अपने टेस्ट पदार्पण में शतक लगाया।

यह क्रिकेट इतिहास के सबसे दुर्लभ संयोगों में से एक है। लाला अमरनाथ अपने दौर के बेहतरीन ऑलराउंडरों में शामिल थे। 1936 के इंग्लैंड दौरे के दौरान उन्होंने टीम प्रबंधन से जुड़े मतभेदों के कारण दौरे के बीच भारत लौटने की स्थिति का सामना किया, लेकिन उनके तेवर और आत्मसम्मान में कोई कमी नहीं आई। आजादी के बाद उन्होंने स्वतंत्र भारत की कप्तानी संभाली और 1952 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत को टेस्ट सीरीज जीत दिलाने वाली टीम का नेतृत्व किया। सुरिंदर अमरनाथ ने भी अपने पिता की तरह आक्रामक और आकर्षक बल्लेबाजी से पहचान बनाई। उन्होंने महज 15 वर्ष की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया था। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले और वह भारत के लिए 10 टेस्ट तथा 3 वनडे मैच ही खेल सके। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

अमरनाथ परिवार की क्रिकेट विरासत का एक दिलचस्प अध्याय 1964 में भी देखने को मिला, जब 53 वर्षीय लाला अमरनाथ और 15 वर्षीय सुरिंदर अमरनाथ एक चैरिटी मैच में साथ मैदान पर उतरे थे। बाद में लाला के दूसरे बेटे मोहिंदर अमरनाथ ने भी भारतीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई। इस तरह अमरनाथ परिवार ने भारतीय क्रिकेट की कई पीढ़ियों को प्रभावित किया। पिता-पुत्र के पदार्पण टेस्ट में शतक का रिकॉर्ड आज भी लाला और सुरिंदर अमरनाथ की जोड़ी को क्रिकेट इतिहास में खास स्थान देता है। भारतीय क्रिकेट को नई पहचान देने वाले लाला अमरनाथ ने न सिर्फ मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया, बल्कि अपने जुझारू और बेबाक व्यक्तित्व से भी अलग पहचान बनाई। उनके परिवार ने आगे भी भारतीय क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट सीरीज 3-0 से जीती, एक भी खिलाड़ी शतक नहीं लगा पाया

एजबेस्टन। इंग्लैंड ने यहां हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी मेहमान टीम पाकिस्तान को हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। दोनो ही टीम के क्रिकेट इतिहास में ये पहली बार है जब सीरीज में एक भी खिलाड़ी शतक नहीं लगा पाया। इस सीरीज में कुल 20 अर्धशतक लगे पर कोई भी बल्लेबाज 100 रनों तक नहीं पहुंच पाया, यानी किसी भी खिलाड़ी ने शतक नहीं जड़ा। ऐसा क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे पहले 1993 में पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच हुई टेस्ट सीरीज में भी कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया था। तब भी 18 अर्धशतक लगे थे, मगर कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया था। इसी प्रकार सल 1969 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुई टेस्ट सीरीज में भी नौ अर्धशतक लगे थे पर शतक एक भी नहीं लगा था। यह भी हैरानी की बात है कि टेस्ट क्रिकेट में बिना शतक के सबसे अधिक अर्धशतकों वाली शीर्ष-5 सीरीज की सूची में पाकिस्तान का नाम तीन बार दर्ज है।

एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित हैं कप्तान श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह जापान में 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में टीम की कप्तानी करने को लेकर उत्साह से भरे हुए हैं और बेसब्री से इस अवसर का इंतजार कर रहे हैं। श्रेयस के अनुसार ये उनके लिए एक नया अनुभव होगा क्योंकि एशियाई खेलों का मंच काफी बड़ा होता है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने खिताब को बरकरार रखने उतरेगी। अय्यर ने कहा कि एशियाई खेलों में उन्हें देश के शीर्ष एथलीट्स से मिलने और उनके साथ बातचीत करने का भी मौका मिलेगा। भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में मिले अनुभवों से भी एशियाई खेलों में लाभ होगा। टीम को इससे अपने को परखने का अवसर मिलेगा। अय्यर ने कहा, यह मेरे लिए और पूरी टीम के लिए निश्चित रूप से उत्साहजनक समय है, क्योंकि यह उनके लिए पहली बार होगा हालांकि टीम में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जो पहले एशियन गेम्स में हिस्सा ले चुके हैं। इसलिए यह हमारे लिए काफी रोमांचक समय है।अय्यर ने इसमें मेजबान देश जापान के खिलाफ होने वाले संभावित मुकाबले को भी ऐतिहासिक बताया, जिसे एक विशेष अनुभव के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन खेलों में उन्हें क्रिकेट के अलावा हॉकी और अन्य खेलों के खिलाड़ियों के साथ जुड़ने, बात करने का अवसर मिलेगा। अपनी कप्तानी की जिम्मेदारियों के बीच, अय्यर ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने गंभीर के जीतने वाले रवैये, खिलाड़ियों पर उनके अटूट भरोसे और टीम में भूमिकाओं को स्पष्ट रखने की उनकी क्षमता की सराहना की।

इंग्लैंड-पाकिस्तान सीरीज में ब्रूक सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे

एजबेस्टन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में मिली 3-0 की एकतरफा जीत के दौरान ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज और उपकप्तान हैरी ब्रूक नंबर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। वहीं पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष-5 में भी नहीं है। केवल एक पाक बल्लेबाज को शीर्ष पांच में जगह मिली है। इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रूक नंबर एक पर पहुंच गये। ब्रूक ने तीन मैचों की चार पारियों में 53.75 की शानदार औसत से कुल 215 रन बनाए हैं। ब्रूक उन तीन बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं जिन्होंने इस सीरीज में 200 रन से अधिक बनाये हैं। सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष-5 बल्लेबाजों की सूची में पाक के साउद शकील को भी अवसर मिला है। साउद ने तीन मैचों की छह पारियों में 34 की औसत से 204 रन बनाए हैं। वह सूची में दूसरे नंबर पर रहे। इंग्लैंड के दो अन्य बल्लेबाज, जॉर्डन कॉक्स और डेन लॉरेंस ने भी शीर्ष-5 में जगह बनायी। कॉक्स ने 50.50 जबकि डेन लॉरेंस ने 46.75 की औसत के साथ 187 रन बनाये। रूट ने इस सीरीज की पांच पारियों में 41 की औसत से कुल 164 रन बनाये। उन्होंने सीरीज में कुल दो अर्धशतक लगाए।इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड टीम हावी रही और उसके बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

रायबाकिना ने अमेरिकी ओपन का महिला एकल खिताब जीता

न्यूयार्क। कजाकिस्तान की महिला टेनिस खिलाड़ी एलेना रायबाकिना ने बेलारुस की आर्यना सबालेंका को हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। रायबाकिना ने महिला एकल के खिताबी मुकाबले में सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस मुकाबले को जीतने के साथ ही रायबाकिना महिला टेनिस में नंबर एक स्थान पर भी पहुंच गयी हैं। तीन सेट तक चले फाइनल मुकाबले में रायबाकिना ने अपने कौशल का अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 6-4 से जीता। वहीं दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका ने दूसरे सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए 7-5 से जीत दर्ज कर वापसी की पर तीसरे और अंतिम सेट में रायबाकिना ने शुरुआती दौर में ही सबालेंका की सर्विस तोड़कर दबाव बना दिया जो अंत तक कायम रहा। अपनी ताकतवर सर्विस, सटीक शॉट्स और आक्रामक खेल से रायबाकिना ने बढ़त बनाए रखी और निर्णायक सेट 6-2 से जीतकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता । उन्होंने एक शानदार ऐस लगाकर यादगार अंदाज में मुकाबले का समापन किया। यह रायबाकिना के करियर का कुल तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले इस खिलाड़ी ने साल 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत हासिल की थी। इस ग्रैंड स्लैम जीत के साथ ही रिबाकिना ने महिला टेनिस (डब्ल्यूटीए) रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी भी बन गयी हैं। है। उन्होंने आर्यना सबालेंका को शीर्ष स्थान से हटाया। खिताबी समारोह में साल 2006 की यूएस ओपन चैंपियन मारिया शारापोवा ने रायबाकिना को टिफनी एंड कंपनी की प्रतिष्ठित ट्रॉफी सौंपी।

टेस्ट क्रिकेट के शर्मनाक रिकॉर्ड- बांग्लादेश का 21 हार का लंबा सिलसिला

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट का इतिहास जितना गौरवशाली है, उतना ही यह अप्रत्याशित और निर्मम भी रहा है, जहाँ जीत के बड़े-बड़े कीर्तिमानों के साथ-साथ लगातार हार का एक ऐसा सिलसिला भी दर्ज है जो टीमों के मनोबल को तोड़ देता है। टेस्ट क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा मुकाबले हारने का शर्मनाक रिकॉर्ड बांग्लादेश के नाम दर्ज है। नवंबर 2001 से फरवरी 2004 के बीच, बांग्लादेशी क्रिकेट टीम एक ऐसे बुरे दौर से गुजरी जहाँ उसे लगातार 21 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा। यह सिलसिला 15 नवंबर 2001 को चटगांव में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 विकेट की हार से शुरू हुआ था और 19 फरवरी 2004 को हरारे में जिम्बाब्वे के हाथों ही 183 रन की हार के साथ खत्म हुआ, जिसने इतिहास का सबसे लंबा पराजय-सिलसिला रच दिया। इस दौरान बांग्लादेश को न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों से लगातार करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। जिम्बाब्वे की टीम भी दो अलग-अलग मौकों पर हार के भंवर में फंसी। उनका पहला दौर दिसंबर 2001 से जून 2003 के बीच आया, जब टीम को लगातार 11 टेस्ट मैचों में हार मिली। इस दौरान उन्हें श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमों ने मात दी। ठीक एक दशक बाद, अगस्त 2014 से अक्टूबर 2017 के बीच, जिम्बाब्वे ने एक बार फिर लगातार 10 टेस्ट मुकाबले गंवाए, जिनमें दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हारें शामिल थीं। बांग्लादेश के लिए हार का सिलसिला केवल शुरुआती वर्षों तक सीमित नहीं रहा। मई 2007 से अक्टूबर 2008 के बीच टीम को एक बार फिर लगातार 9 टेस्ट मुकाबलों में हार झेलनी पड़ी। इस दौर की शुरुआत भारत के खिलाफ एक बड़ी हार से हुई, जिसके बाद श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने भी उन्हें कोई मौका नहीं दिया। आज क्रिकेट जगत की दिग्गज मानी जाने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम का शुरुआती टेस्ट इतिहास भी बेहद निराशाजनक रहा था।

रूट चार मैदानों पर 1000 टेस्ट रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

एजबेस्टन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट में अपनी 62 रनों की नाबाद पारी से अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम किया है। वह चार अलग-अलग मैदानों पर 1000 टेस्ट रन पूरे करने वाले विश्व के तीसरे खिलाड़ी बल गये हैं। यहां तक कि ये रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम भी नहीं है। इसके अलावा एजबेस्टन के मैदान पर ये ये अपलब्धि हासिल करने वाले वह विश्व के पहले खिलाड़ी हैं। एजबेस्टन से पहले, रूट ने लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल में अपने 1000 रन पूरे किये थे। लॉर्ड्स में उनके नाम सबसे अधिक 2203 रन दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त, ओल्ड ट्रैफर्ड में 1128 रन और द ओवल में 1050 रन उन्होंने बनाये हैं। इस प्रकार उनके कुल 1018 रन हो गए हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में रूट से दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक कैलिस और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉटिंग ने ही चार अलग-अलग मैदानों पर 1000 रन बनाये थे। कैलिस ने केप टाउन में

2181, सेंचुरियन में 1267, डरबन में 1266 और जोहानसबर्ग में 1148 में यह उपलब्धि हासिल की थी। वह रूट की तरह ही एक मैदान पर 2000 से अधिक रन बनाने में सफल रहे। वहीं, रिकी पॉटिंग ने एडिलेड में 1743, सिडनी में 1480 , मेलबर्न में 1338 और ब्रिसबेन 1335 में 1000 रनों का आंकड़ा पार किया। हालांकि, पॉटिंग इनमें से किसी भी मैदान पर 2000 रन का आंकड़ा छू नहीं पाए। महान बल्लेबाज तेंदुलकर अपने 200 टेस्ट मैचों और 15,921 टेस्ट रनों के लंबे करियर में कभी भी किसी एक मैदान पर 1000 टेस्ट रन बनाने में कामयाब नहीं हो पाए। उनके सबसे अधिक रन चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 970 हैं। ऐसे में जो रूट का चार अलग-अलग मैदानों पर इस आंकड़े को पार करना उनकी निरंतरता, तकनीक और घरेलू हालातोंमें उनके बेहतरीन खेल को दिखाता है।

सीएसके के नए हेड कोच पर जल्द फैसला, हेमांग बदानी सबसे मजबूत दावेदार

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के नए हेड कोच को लेकर चल रहा सस्पेंस अब जल्द खत्म हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले एक से दो सप्ताह में फ्रेंचाइजी नए कोच के नाम की आधिकारिक घोषणा कर सकती है। पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम ने लंबे समय तक कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग से अलग होने के बाद नए नेतृत्व की तलाश शुरू कर दी है। इस दौड़ में पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमांग बदानी का नाम सबसे मजबूत दावेदार के तौर पर सामने आया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार तीन सत्र प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद अपने कोचिंग ढांचे में बदलाव का फैसला किया। स्टीफन फ्लेमिंग के साथ लंबे समय से चला आ रहा सफल दौर समाप्त होने के बाद टीम अब नए नजरिए के साथ आगे बढ़ना चाहती है। टीम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कासी विश्वनाथन ने भी संकेत दिया था कि नए हेड कोच की तलाश की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि धोनी नए कोच के रूप में किसी भारतीय को प्राथमिकता दे रहे हैं। उनका मानना है कि आईपीएल में घरेलू खिलाड़ियों और भारतीय प्रतिभाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में भारतीय परिस्थितियों, खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट की बेहतर समझ रखने वाला कोच टीम के लिए ज्यादा प्रभावी हो सकता है। हेमांग बदानी के पक्ष में उनका कोचिंग अनुभव और घरेलू परिस्थितियों की जानकारी सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है। वह दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रह चुके हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की एसए20, संयुक्त अरब अमीरात की आईएलटी20 और श्रीलंका की एलपीएल जैसी टी20 लीगों में भी कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। तमिलनाडु से क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें चेन्नई के चेपॉक मैदान की परिस्थितियों की भी अच्छी जानकारी है। हालांकि बदानी की नियुक्ति के रास्ते में एक बड़ी चुनौती है। बताया जा रहा है कि धोनी चाहते हैं कि सीएसके का नया हेड कोच सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स के लिए काम करे और किसी दूसरी विदेशी टी20 लीग से जुड़ा न हो। फिलहाल बदानी सदर्न ब्रेव और दुबई कैपिटल्स जैसी टीमों के साथ जुड़े हैं और सिएटल ऑर्कास के सलाहकार भी हैं।

वनडे क्रिकेट में रोहित शर्मा का अटूट 264 का विश्व कीर्तिमान

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट, जो कभी धैर्य और संभलकर खेलने वाला फॉर्मेट माना जाता था, अब बल्लेबाजों की आक्रामक शैली और चौके-छक्कों की आतिशबाजी से परिभाषित होता है। जब कोई बल्लेबाज क्रीज पर टिककर व्यक्तिगत रूप से 200 से अधिक रनों का आंकड़ा पार करता है, तो वह केवल स्कोरबोर्ड को नहीं बढ़ाता, बल्कि विपक्षी गेंदबाजों के हौसले पस्त कर देता है। इतिहास के ऐसे ही पांच सबसे बड़े व्यक्तिगत वनडे स्कोरों ने क्रिकेट जगत में खलबली मचा दी थी और कई रिकॉर्ड बनाए। इस सूची में सबसे पहला और अविश्वसनीय नाम भारत के हिटमैन रोहित शर्मा का आता है।

कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में 13 नवंबर 2014 का दिन वनडे क्रिकेट के सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया, जब श्रीलंका के खिलाफ रोहित शर्मा ने 173 गेंदों में रिकॉर्ड 264 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। अपनी इस महापारी के दौरान उन्होंने 33 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के जड़े। 152.60 के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से आई इस पारी ने एक ऐसा विश्व रिकॉर्ड खड़ा कर दिया जिसे तोड़ पाना आज भी किसी भी बल्लेबाज के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। रोहित के इस विशाल रिकॉर्ड के ठीक बाद न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल की उस आक्रामक पारी का जिक्र आता है, जो विश्व कप के सबसे बड़े मंच पर खेली गई थी। 21 मार्च 2015 को वेस्टइंडीज के खिलाफ वेलिंगटन में गप्टिल ने

163 गेंदों में नाबाद 237 रन बनाए, जिसमें 24 चौके और 11 लंबे छक्के शामिल थे। यह विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारियों में से एक है। विश्व क्रिकेट में निडर और तूफानी बल्लेबाजी का दौर शुरू करने वाले भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी इस दौड़ में पीछे नहीं रहे। 8 दिसंबर 2011 को इंदौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ सहवाग ने सिर्फ 149 गेंदों का सामना करते हुए 219 रन ठोक दिए। अपनी इस पारी में उन्होंने 25 चौके और 7 छक्के लगाए और सचिन तेंदुलकर के बाद वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने।

सहवाग के इस कारनामे के कुछ ही सालों बाद वेस्टइंडीज के यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल ने भी अपनी ताकत का मुजाहिरा किया। 24 फरवरी 2015 को कैनबरा में जिम्बाब्वे के खिलाफ विश्व कप के मुकाबले में गेल ने 147 गेंदों में 215 रनों की विध्वंसकारी पारी खेली, जिसमें रिकॉर्ड 16 छक्के शामिल थे। इसी कड़ी में पाकिस्तान के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज फखर जमां का नाम भी बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। 20 जुलाई 2018 को जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में फखर जमां ने 156 गेंदों में नाबाद 210 रनों की पारी खेली। 24 चौके और 5 छक्कों से सजी यह पारी पाकिस्तान की ओर से वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज के रूप में दर्ज हुई।

तिरोड़ा में बिजली की आंख-मिचौली का खेल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया।

तिरोड़ा तहसील के मुंडीकोटा विद्युत उपकेंद्र अंतर्गत बिजली आपूर्ति का हाल इन दिनों बेहाल है. विशेष रूप से पांजरा गांव में बार-बार बिजली गुल होने से नागरिकों में महावितरण के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है. दिन हो या रात, बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली बंद हो जाने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. त्योहारों के दिनों में भी घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रहने से नागरिकों का रोष बढ़ गया है।

पांजरा में बिजली कटौती की स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि बिजली कब आएगी और कब चली जाएगी, इसका कोई भरोसा नहीं रह गया है. रात के समय बिजली गुल होने पर उमस और गर्मी के कारण छोटे बच्चों की नींद प्रभावित हो रही है. बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है. ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है. बिजली आपूर्ति बंद होने के बाद नागरिक जब संबंधित कनिष्ठ अभियंता से संपर्क करते हैं तो उन्हें कथित तौर पर 'ऊपर से ब्रेकडाउन है' जवाब दिया जाता है. लेकिन यह ब्रेकडाउन

कहां हुआ है, उसका कारण क्या है और बिजली आपूर्ति कब तक बहाल होगी, इसकी स्पष्ट जानकारी नागरिकों को नहीं मिलती. इस स्थिति से नागरिकों में भारी नाराजगी है।

बिजली उत्पादन के केंद्र में ही बिजली की किल्लत क्यों?

तिरोड़ा तहसील में बड़े औष्णिक विद्युत उत्पादन प्रकल्प के कारण यह क्षेत्र राज्य के बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है. क्षेत्र से बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन होने के बावजूद स्थानीय नागरिकों को बार-बार बिजली कटौती का सामना क्यों करना पड़ रहा है, यह सवाल अब ग्रामीणों द्वारा उठाया जा रहा है. ग्रामीणों का सवाल है कि जब बिजली उत्पादन परियोजना क्षेत्र के आसपास के गांवों में ही निर्बाध बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही है, तो इस बिजली उत्पादन का स्थानीय नागरिकों को लाभ कब मिलेगा?

बिजली कब आती है और कब चली जाती है, इसका कोई पता नहीं. दिन-रात किसी भी समय बिजली गायब हो जाती है. रात में छोटे बच्चों को गर्मी के कारण नींद नहीं आती. 'ऊपर से ब्रेकडाउन है' यही जवाब मिलता है. आखिर यह ब्रेकडाउन स्थायी रूप से कब खत्म होगा?

प्रभाकर थोटे, पांजरा

त्योहारों के दिनों में भी घंटों बिजली नहीं रहती. छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को परेशानी होती है. बिजली बिल समय पर भरना है, तो नियमित बिजली आपूर्ति की जिम्मेदारी किसकी है?

रविशंकर चामट,
पूर्व सरपंच, पांजरा

तिरोड़ा तहसील में बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन होता है, लेकिन हमें नियमित बिजली नहीं मिलना बड़ी विडंबना है. बिजली उत्पादन का लाभ स्थानीय नागरिकों को आखिर कब मिलेगा?

रविकुमार फुलझेले,
स्थानीय नागरिक, पांजरा

मुंडीकोटा उपकेंद्र के कार्यक्षेत्र में बार-बार बिजली बाधित हो रही है तो वरिष्ठ अधिकारियों को प्रत्यक्ष निरीक्षण करना चाहिए. हर बार 'ब्रेकडाउन' कहकर नागरिकों को टालना उचित नहीं है.

देवेंद्र ममंडपे,
उपसरपंच,मुंडीकोटा

अज्ञात वाहन की टक्कर से नर हिरण की मौत

तावशी-संभाजीनगर महामार्ग की घटना

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से एक नर हिरण की दर्दनाक मौत हो गई. यह घटना रविवार, 13 सितंबर को सुबह करीब 10 बजे तावशी-संभाजीनगर महामार्ग पर हुई. इस हादसे ने एक बार फिर वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, करीब 4 से 5 वर्ष उम्र का नर हिरण महामार्ग पार कर रहा था. इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि हिरण ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया. घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग का दल मौके पर पहुंचा. तावशी-संभाजीनगर महामार्ग पर नर हिरण मृत अवस्था में मिलने से परिसर में शोक की लहर है. इस क्षेत्र में वन्यप्राणियों की आवाजाही रहती है. ऐसे में महामार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है. महामार्ग पर बढ़ती वाहनों की आवाजाही और तेज रफ्तार को देखते हुए वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए ठोस उपाययोजना करने की मांग वन्यजीव प्रेमियों ने की है. घटना की सूचना मिलते ही अर्जुनी मोरगांव वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे. मृत हिरण का पंचनामा किया गया है तथा नियमानुसार आगे की वन विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है. वनपरिक्षेत्राधिकारी बहुरे के मार्गदर्शन में वनरक्षक परशुरामकर, सतीश शेंदरे, रविंद्र सांदेवार तथा वनमजदूर दिलीप डोंगरवार मामले की जांच कर रहे हैं. हिरण को टक्कर मारने वाला वाहन कौन-सा था, उसका चालक कौन था तथा हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जानकारी जुटाने के लिए वन विभाग द्वारा जांच की जा रही है।

तीन वर्षीय बच्ची से अनैसर्गिक अत्याचार

गोरेगांव तहसील के घोटी की घटना, 59 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव तहसील के घोटी गांव में तीन वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर अनैसर्गिक अत्याचार किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है. घटना शनिवार को सामने आने के बाद बच्ची के परिजनों की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने 59 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित बच्ची पड़ोस में रहने वाले आरोपी की पोती के साथ रोजाना खेलने के लिए उसके घर जाती थी. शुक्रवार शाम भी वह हमेशा की तरह खेलने के लिए गई थी. इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर बच्ची को अपने पास बुलाकर उसके साथ गलत व्यवहार किया. घटना के बाद रात में बच्ची को परेशानी महसूस हुई. इस दौरान उसने अपनी मां को अपने साथ हुए घटनाक्रम के बारे में बताया. इसके बाद बच्ची की मां और परिवार के सदस्यों ने गोरेगांव पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. जांच पुलिस निरीक्षक वैशाली ढाले के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक वेंकट पोटे कर रहे हैं।

अंधेरे में बैठे युवक को पकड़ा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। ग्रामीण थाने के तहत फुलचुर बायपास मार्ग में रात के अंधेरे में छुपकर बैठे युवक को पुलिस ने दबोचा. जानकारी के अनुसार फरीयादी हवलदार रमेश माने उक्त क्षेत्र में रात के समय पेट्रोलिंग कर रहे थे. तब उन्हें छोटा गोंदिया चावडी चौक निवासी विनोद देवाजी ब्राम्हणकर (35) रात के अंधेरे में छुपा हुआ दिखाई दिया. जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने टालमटोल जवाब दिया. पुलिस के अनुसार उक्त आरोपी किसी घटना को अंजाम देने के लिए छुपकर बैठा था. फरीयादी की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है,जांच हवलदार कोरे कर रहे हैं।

जवाहर नवोदय की आवासीय व्यवस्था पर उठे सवाल

पालकों ने जिलाधीश से की शिकायत-स्वतंत्र जांच कर कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। ग्रामीण व आर्थिक रूप से सामान्य परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आवास और सर्वांगीण विकास का अवसर देने वाले जवाहर नवोदय विद्यालय, नवेगांवबांध की व्यवस्थाओं पर पालकों ने गंभीर सवाल उठाए हैं. विद्यार्थियों की शैक्षणिक, आवासीय, भोजन व प्रशासनिक समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विद्यालय का प्रत्यक्ष निरीक्षण व स्वतंत्र जांच कराई जाए, ऐसी मांग नवोदय विद्यालय समिति के आयुक्त सहित जिलाधीश मंदार पत्की से की गई है। दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के पालकों का कहना है कि उन्होंने 8 अगस्त और 1 सितंबर को प्राचार्य को निवेदन देकर समस्याओं से अवगत कराया था. इसके बावजूद अपेक्षित समाधान नहीं होने का दावा पालकों ने किया है. विद्यालय स्तर पर समाधान नहीं निकलने के बाद अब पालकों ने वरिष्ठ प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है. पालकों के निवेदन के अनुसार, कक्षा नौवीं और दसवीं के विद्यार्थियों के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों के अध्यापन पर शिक्षकों की अपर्याप्त उपलब्धता का असर पड़ रहा है. बोर्ड परीक्षा के साथ ही विद्यार्थियों के सामने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी होती है. ऐसे में इन विषयों की पढ़ाई प्रभावित होना चिंताजनक है, ऐसा पालकों का कहना है. विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिए जाने की शिकायत भी निवेदन में की गई है. इसके अलावा पालक-प्रशासन संवाद, शिकायत निवारण व्यवस्था तथा पैनल निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया गया है. पालकों ने छात्रावासों में पीने के पानी और गर्म पानी की व्यवस्था, बिजली व इन्वर्टर, बेडिंग, मच्छर नियंत्रण तथा सुरक्षा व्यवस्था की नियमित जांच कराने की मांग की है. विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का समय-समय पर निरीक्षण किया जाए, ऐसी अपेक्षा भी व्यक्त की गई है. भोजन की गुणवत्ता और पौष्टिकता को लेकर भी पालकों ने चिंता जताई है. निर्धारित मेनू के अनुसार विद्यार्थियों को भोजन मिल रहा है या नहीं, इसकी नियमित जांच करने तथा भोजन के संबंध में विद्यार्थियों से समय-समय पर प्रत्यक्ष अभिप्राय लेने की मांग की गई है. भोजनावकाश के दौरान छात्राओं के लिए आयोजित किए जाने वाले 'रिमेडियल' वर्ग भी भोजन कक्ष के बजाय संबंधित कक्षाओं में ही आयोजित करने का सुझाव पालकों ने दिया है।

स्वतंत्र जांच दल भेजने की मांग

पालकों ने वरिष्ठ अधिकारियों का स्वतंत्र जांच दल विद्यालय में भेजकर प्रत्यक्ष निरीक्षण कराने की प्रमुख मांग की है. विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करने के साथ ही पालक व विद्यार्थियों से अलग-अलग अभिप्राय लिया जाए, ऐसी मांग की गई है. इसके अलावा दसवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सुधार योजना तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए. पालकों द्वारा की गई शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा जांच एवं कार्रवाई की जानकारी पालकों को लिखित रूप में दी जाए, ऐसी मांग भी निवेदन में की गई है।

गणेश मंडल देगा भक्तों को एक लाख रु. का बीमा कवच

दुर्गा चौक गणेश मंडल की अभिनव पहल- बप्पा के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगा मुफ्त दुर्घटना बीमा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। लोकमान्य तिलक ने सामाजिक एकता, धार्मिक व सामाजिक प्रतिबद्धता को मजबूत करने और समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से सार्वजनिक गणेशोत्सव की संकल्पना की थी. हालांकि, समय के साथ सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने से इसका मूल उद्देश्य कहीं पीछे छूटने लगा. ऐसे में सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए अर्जुनी मोरगांव के प्रसिद्ध दुर्गा चौक गणेश मंडल ने इस वर्ष एक अनूठी पहल शुरू की है।

मंडल की ओर से इस वर्ष बप्पा के दर्शन के लिए आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को एक लाख रु. का निःशुल्क दुर्घटना बीमा कवच देने का निर्णय लिया गया है. गणेशोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मंडल ने यह अभिनव उपक्रम शुरू किया है. गणेश प्रतिमा की स्थापना से लेकर अनंत चतुर्दशी तक यह बीमा संरक्षण लागू रहेगा. इस योजना का लाभ लेने के लिए दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु का स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अथवा बैंक ऑफ बड़ौदा में बैंक खाता होना आवश्यक है. बीमा संरक्षण संबंधित योजना के नियम, शर्तों व पात्रता के अनुसार प्रदान किया जाएगा. मंडल पदाधिकारियों के अनुसार, गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रहकर सामाजिक प्रतिबद्धता और

समाजोपयोगी गतिविधियों का माध्यम बने, इसी उद्देश्य से हर वर्ष विभिन्न उपक्रम आयोजित किए जाते हैं. इस वर्ष श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना शुरू की गई है. इस वर्ष गणेशोत्सव में मंडल की ओर से किसान के संपूर्ण जीवन पर आधारित आकर्षक झांकी तैयार की जा रही है. मंडल का दावा है कि महाराष्ट्र में पहली बार किसान के जीवन के विभिन्न पहलुओं को एक ही झांकी में साकार करने का प्रयास किया जा रहा है. मंडल के सदस्य स्वयं श्रमदान कर इस झांकी को आकार दे रहे हैं. मंडल की ओर से हर वर्ष सामाजिक संदेश देने वाले उपक्रमों को प्राथमिकता दी जाती है. इसी कड़ी में पौधारोपण, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य मेले, महिलाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, विभिन्न प्रतियोगिताएं, वरिष्ठ नागरिकों को उपयोगी सामग्री का वितरण, सीड बॉल निर्माण, गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए जलपात्र तैयार करने की प्रतियोगिता व प्रशिक्षण, जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री तथा दुर्गम क्षेत्रों के विद्यार्थियों को स्कूल जूते वितरित किए जाते हैं. इसके अलावा अंधविश्वास के खिलाफ जनजागरण, सरकारी योजनाओं व राजस्व विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने वाले शिविर भी आयोजित किए जाते हैं।

सामाजिक कार्यों के लिए मिला पुरस्कार

मंडल द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जिला प्रशासन ने भी सराहना की है. पिछले वर्ष मंडल के सामाजिक उपक्रमों की दखल लेते हुए जिला प्रशासन की ओर से उसे द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया था. सार्वजनिक वर्गणी का समाजोपयोगी कार्यों के लिए नियोजन करने की मंडल की पहल की नागरिकों व श्रद्धालुओं द्वारा सराहना की जा रही है. गणेशोत्सव के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने वाले दुर्गा चौक गणेश मंडल का यह उपक्रम शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

महिला व बुजुर्ग हुए कीट दंश के शिकार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में एक महिला और बुजुर्ग अज्ञात कीट दंश के शिकार हो गए. पहली घटना ग्राम दासगांव की बताई गई है. इस घटना में ममता सुभाष दसरे (45) को किसी अज्ञात कीट ने दंश कर दिया. जिसमें वह घायल हो गई. इसके बाद उसे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती किया गया. ऐसी ही दूसरी घटना तिरोड़ा के खेत में सामने आई. इस घटना में गणेश महादेव उईके (55) को किसी अज्ञात कीट ने दंश कर दिया. जिसमे वह घायल हो गया. इसके बाद उसे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती किया गया. दोनो घटनाओं को लेकर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

गांजा पीते एक को पकड़ा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर थाने के तहत राजा भोज चौक में ग्राम मुरपार निवासी आरोपी श्रीकांत गोपाल बुधे (25) चिलम में गांजा डालकर पी रहा था. पुलिस ने उसके पास से एक चिलम, एक माचिस, एक सफेद रंग के कपड़े की पट्टी इस प्रकार कुल 21 रु. का माल जब्त किया. फरियादी हवलदार दिनेश हेमराज बिसेन की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक संजय तुपे कर रहे हैं।

मुरूम-रेती विवाद में युवक पर पत्थर से हमला

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। मुरूम और रेत उठाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर पत्थर से हमला कर घायल करने की घटना डुग्गीपार थाना क्षेत्र के मालीजुंगा गांव में घटित हुई. इस घटना में तीन लोग घायल हुए हैं. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मालीजुंगा निवासी राजेंद्र शिरकु कोहले (45) और आरोपी दुर्वास संपत कांबलकर (32) के बीच पिछले करीब एक वर्ष से बातचीत बंद थी. शुक्रवार दोपहर राजेंद्र गांव के मोहल्ले में मौजूद थे. इसी दौरान दुर्वास कांबलकर उसके घर के सामने पहुंचा और मुरूम व रेत उठाने के संबंध में बातचीत करने लगा. राजेंद्र ने तान्हा पोला का दिन होने के कारण इस विषय पर अगले दिन बात करने की बात कही. इससे नाराज होकर आरोपी ने कथित तौर पर गालीगलौज करते हुए राजेंद्र के साथ धक्का-मुक्की की और उसे नीचे गिरा दिया. घटना देखकर लोकेश लक्ष्मण शेंडे (31) और पवन लक्ष्मण शेंडे (29) वहां पहुंचे. आरोप है कि इसी दौरान दुर्वास ने राजेंद्र के सिर पर पत्थर से वार कर उन्हें घायल कर दिया. साथ ही दोबारा मारपीट करने की धमकी देने का भी आरोप है. इस घटना में राजेंद्र कोहले, लोकेश शेंडे और पवन शेंडे घायल हुए हैं. शिकायत के बाद डुग्गीपार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जन्मजात विकृति से प्रभावित छह बच्चे उपचार के लिए जबलपुर रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित जन्मजात विकृति से प्रभावित छह बच्चों को उपचार के लिए शासकीय मेडिकल कॉलेज जबलपुर रवाना किया गया। इन सभी बच्चों का उपचार शासन की ओर से पूर्णतः निःशुल्क किया जाएगा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघन दाहिया के निर्देशन में आरबीएसके दलों ने आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से बच्चों को उपचार के लिए चिन्हित किया था। इनमें बिरसा विकासखंड के मुरकुट्टा निवासी सुरेन्द्र धुर्वे उम्र 3 वर्ष, माटला निवासी सोनार उम्र 8 वर्ष, बिजोरी निवासी गिरराज उम्र 2 वर्ष, डाबरी निवासी अमृता उम्र 8 वर्ष, माटला निवासी सागन परते उम्र 5 वर्ष तथा परसवाड़ा विकासखंड के कालीमाटी निवासी दिव्यांशी चौके उम्र 15 वर्ष शामिल हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक के दिशा-निर्देशन में संचालित इस कार्यक्रम के तहत बच्चों के जबलपुर में भर्ती होने से लेकर परिवहन, खान-पान एवं उपचार की व्यवस्था शासकीय स्तर पर की गई है। डीईआईसी प्रबंधक श्री राजाराम चक्रवर्ती द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

जिले में दो दिनों से झमाझम बारिश

24 घंटे में 39.6 मिमी बारिश दर्ज-नदी-नालों के जलस्तर पर नजर

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में पिछले दो दिनों से बारिश का दौर लगातार जारी है. रविवार को भी जिले के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई. पिछले 24 घंटों में जिले में 39.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया है. लगातार हो रही बारिश से धान सहित खरीफ फसलों को राहत मिली है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में नदी-नालों और जलभराव वाले स्थानों को लेकर सतर्कता बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों से बारिश की रफ्तार धीमी पड़ने के कारण किसानों की चिंता बढ़ रही थी. अब दो दिनों से हो रही अच्छी बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी बनने लगी है. धान की फसल के लिए यह बारिश महत्वपूर्ण मानी जा रही है. हालांकि कुछ क्षेत्रों में लगातार बारिश होने से खेतों और निचले इलाकों में पानी जमा होने की स्थिति भी बन रही है. जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी है. आसमान में बादल छाए रहने के कारण दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है. बारिश के चलते सड़कों पर भी आवागमन प्रभावित हुआ है. प्रशासन व संबंधित विभागों द्वारा नदी-नालों और जलाशयों के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है. नागरिकों से जलभराव वाले क्षेत्रों तथा तेज बहाव वाले नालों को पार करते समय सावधानी बरतने की अपील की गई है. जिलाधीश कार्यालय से मिली

जानकारी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में यानी 13 सितंबर को सुबह 11.30 बजे तक जिले में 39.6 मिमी बारिश दर्ज की. इस दौरान गोंदिया तहसील में 35.8 मिमी., आमगांव में 6.1 मिमी., तिरोड़ा में 71.8 मिमी., गोरेगांव में 39.8 मिमी., सालेकसा में 9.7 मिमी., देवरी में 40.5 मिमी., अर्जुनी मोरगांव में 64.7 मिमी. व सड़क अर्जुनी में 32.7 मिमी. बारिश दर्ज की गई।

धान उत्पादक किसानों को राहत

जिले में इस समय धान की फसल खेतों में लहलहा रही है. बारिश के इस दौर से फसल को आवश्यक पानी मिलने से किसानों को राहत मिली है. आने वाले दिनों में भी बारिश जारी रहने पर खरीफ फसलों की स्थिति और बेहतर होने की उम्मीद है.

पुजारीटोला व कालीसराड़ गेट खोले

पुजारीटोला बांध व कालीसराड़ बांध के जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए बांध की स्थिति नियंत्रण में रखने के लिए जलाशय परिचालन आराखड़े के अनुसार पुजारीटोला के 2 गेट 0.30 मीटर तक खोले गए, जहां से 1,595 क्यूसेक पानी नदी पात्र में छोड़ा जा रहा है. वहीं कालीसराड़ बांध का 1 गेट 0.15 मीटर तक खोला गया है, जहां से 493.72 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है. जलाशय में आने वाले पानी की आवक को देखते हुए विसर्ग की मात्रा कम या अधिक की जा सकती है. प्रशासन ने नागरिकों से नदी पात्र और नदी किनारे के क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की है।

जलाशयों का जलभंडाराण

जलाशय	जलभंडाराण
इटियाडोह	89.96 प्रश.
सिरपुरबांध	82.87 प्रश.
कालीसराड़	94.82 प्रश.
पुजारीटोला	89.54 प्रश.

बालाघाट
सोमवार 14 सितम्बर 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज़ गैलरी

जुए के फड़ पर तिरोड़ी पुलिस का धावा-चार गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र में अवैध जुए के खिलाफ पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम सावरगांव में चल रहे जुआ के फड़ पर छापेमार कार्रवाई की। पुलिस की अचानक दबिश से जुआरियों में हड़कंप मच गया। मौके से पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 16870 रुपये नगद, ताश के 52 पत्ते और तीन मोबाइल फोन जप्त किए। जप्त मशरूके की कुल कीमत 46870 रुपये बताई गई है। तिरो ?ी पुलिस के मुताबिक 11एवं 12 सितंबर की दरमियानी रात ग्राम सावरगांव में कुछ लोग ताश के 52 पत्तों पर हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे। सूचना मिलने के बाद तिरोड़ी पुलिस ने तत्काल मौके पर दबिश दी। पुलिस टीम को देखते ही जुआ खेल रहे लोगों में अफरा तफरी मच गई।लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर चार आरोपियों को मौके से पकड़ लिया।पुलिस गिरफ्त में आए आरोपियों की पहचान सुरेन्द्र पिता साधुलाल नगपुरे 48 वर्ष, रामेश्वर पिता रमेश नेवारे 27 वर्ष, रंजीत पिता राजू रनगिरे 25 वर्ष और संजय पिता मानिकराम उदापुरे 35 वर्ष के रूप में हुई है। सभी आरोपी ग्राम सावरगांव थाना तिरोड़ी के निवासी बताए गए हैं।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से ताश के 52 पत्ते, 16870 रुपये नगद और तीन मोबाइल फोन बरामद किए। जप्त सामग्री की कुल कीमत 46870 रुपये है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ धारा 13 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।तिरोड़ी पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध जुआ संचालकों और जुआरियों में हड़कंप की स्थिति बन गई। पुलिस की ओर से अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। यह छापामार कार्रवाई सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार और उनकी टीम के द्वारा की गई।

यात्री बस पेड़ से टकराई, 25 घायल

कार को ओवरटेक करते समय बिगड़ा संतुलन, सड़क पर पलटी नारायण ट्रेवल्स की बस; 40-45 यात्री थे सवार, घायलों का उकवा अस्पताल में चल रहा उपचार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-बैहर मार्ग पर रविवार शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। रूपझर थाना क्षेत्र के लौंगुर और चिखलाझोड़ी के बीच करीब पौने सात बजे तेज रफ्तार यात्री बस अर्टिगा कार को ओवरटेक करने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर के बाद बस सड़क पर ही पलट गई।जहां हादसे में करीब 25 यात्री घायल हो गए।उधर हादसे के बाद मची चीख पुकार के बीच स्थानीय लोगो की मदद से पुलिस ने सभी घायलो को उपचार के लिए उकवा अस्पताल पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है। उधर पुलिस द्वारा इस सड़क हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

बालाघाट से सालेटेकरी जा रही थी बस

प्राप्त जानकारी के अनुसार नारायण ट्रेवल्स की बस क्रमांक एमपी 50 जेडएफ 6483 बालाघाट बस स्टैंड से सालेटेकरी के लिए रवाना हुई थी। बस में करीब 40 से 45 यात्री सवार थे।स्थानीय लोगो का आरोप है कि लौंगुर और चिखलाझोड़ी के बीच चालक ने आगे चल रही अर्टिगा कार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान बस कार से टकरा गई और चालक का नियंत्रण बिगड़ गया। बस पेड़ से टकराकर पलट गई और बस में सवार करीब 25 यात्री घायल हो गए।

घायलों में इनका समावेश, आधिकारिक पुष्टि होनी बाकी

देर शाम हुए इस सड़क हादसे में दुबराज पिता सुमेर, उम्र 52 वर्ष पोंडी, रोशनी पति शेखर, उम्र 36 वर्ष मलाजखंड बिंदु पति धनान/धनश्याम, उम्र 48 वर्ष पिंडकैपर, राजेंद्र पिता हितवारी, उम्र 27 वर्ष भंडेरी,हेमलता पति राजेंद्र, उम्र 25 वर्ष भंडेरी, प्रेमचंद पिता भोलालाल, उम्र 75 वर्ष मलाजखंड, गुनवन्ता पति विजय नागवंशी, उम्र 60 वर्ष बैहर, सहित करीब 25 लोगों को उपचार के लिए उकवा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।फिलहाल दुर्घटना में घायलों की संख्या और उनकी स्थिति की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। पुलिस द्वारा मौके पर राहत एवं यातायात व्यवस्था संभाली जा रही है। हादसे के कारण बालाघाट-बैहर मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा।

बस पलटते ही मची चीख-पुकार

उधर हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। कई यात्री सीटों के बीच फंस गए। राहगीरों ने तत्काल रूपझर थाना पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।

घायलों का चल रहा उपचार

हादसे में घायल करीब 25 यात्रियों को उपचार के लिए भेजा गया है। इनमें कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि कुछ के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी सामने आई है। रूपझर थाना पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और बस चालक की लापरवाही समेत हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

हादसे के बाद लगा जाम पुलिस ने संभाला मोर्चा

उधर स्थानीयजनो से हादसे की सूचना मिलते ही उकवा चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क से हटाने तथा यातायात को सामान्य कराने का प्रयास किया जा रहा है। बस के सड़क पर पलटने से दोनों ओर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और हादसे के बाद मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई। हालांकि करीब 1 घंटे बाद बस को क्रेन की मदद से हटकर यातायात बहाल कर दिया गया। तब कहीं जाकर लोगों ने राहत की सांस ली और आवागमन शुरू हो गया।

आज विराजेंगे प्रथम पूज्य भगवान गणेश

दस दिवसीय गणोत्सव की होगी शुरूवात,पंडालों में की गई आकर्षक सजावट

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित तहसील व अन्य ग्रामीण अंचलों में गणेश उत्सव की तैयारी लगभग पूर्ण हो गई है।प्रथम पूज्य भगवान गणेश का 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व आज 14 सितंबर से प्रारंभ हो जाएगा।जिल भर के प्रमुख चौक चौराहों सहित घर-घर में भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर स्थापना की जाएगी।जिसको लेकर भक्तों में ?सा उत्साह बना हुआ।वही स्थापना के एक दिन पूर्व से भक्तों द्वारा गणेश स्थापना के लिए प्रतिमा ले जाने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है।वहीं सोमवार को भी गणेश प्रतिमाओं को ढोल नंगाड़ों की धुन पर नाचते गाते ले जाया गया।आपको बताए कि जिलेभर में गणेशोत्सव का माहौल दिखाई दे रहा है।जिले भर में 14 सितंबर को प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व शुरू हो जाएगा।जो 25 सितंबर तक चलेगा।जहां रोजाना दस दिनों तक विभिन्न धार्मिक आयोजनो के बाद अगले बरस तू जल्दी आ के उद्घोष के साथ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कर गणेश चतुर्थी पर्व का समापन किया जाएगा।

बाजार में रौनक बिखेर रही गणेश प्रतिमाए

गणेश उत्सव को देखते हुए बाजार भगवान गणेश की प्रतिमाओ से सज चुके हैं जहां 500

रु से लेकर 5 हजार रु तक की सजी धजी मूर्तियां बिक्री के लिए तैयार है।जो लोगो को अपनी ओर आकर्षित करते नजर आ रही है।इस शैली की मूर्तियों में गणेश भगवान चूहे, गरुण, मोर, पर्वत और अन्य आसन लगाए बैठे हैं।देखने में ये मूर्तियां अधिक आकर्षक लग रही है। बताया जा रहा है कि पहले श्रद्धालु साइज के हिसाब से ही मूर्तियां खरीदते थे, लेकिन अब सुंदरता, कलर मैचिंग, कपड़े व सजावट को भी पैमाना मानते हैं।जिसको लेकर गणेश स्थापना के पूर्व मूर्तिकारों की दुकानों में ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है।कुछ श्रद्धालु तो रविवार को ही गणेश प्रतिमा खरीदकर ले गए। इसके अलावा सार्वजनिक समितियों में भी प्रतिमा की बनावट व सजावट देखने उत्साह रहा। बाजार में भी प्रतिमा विक्रय के लिए रखी गई है।इस कारण प्रमुख चौक-चौराहे भी गुलजार नजर आए। यहां अन्य दिनों की अपेक्षा रविवार को अधिक संख्या में लोगों ने पहुंचकर खरीदारी की।

नगर में यहां विराजेंगे गणराज

जिला मुख्यालय सहित तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में भगवान गणेश की प्रतिमा जगह-जगह स्थापित की जाएगी। इसमें प्रमुख रूप से राजघाट चौक, सराफा बाजार, विंध्नवासिनी समिति, त्रिपुर सुंदरी गणेश समिति भटेरा चौकी, झांसी रानी चौक, काली पुतली चौक, मोती नगर चौक, बूढ़ी, सरेखा, बैहर मार्ग के अलावा सरेखा कोसमी, नवेगांव, भटेरा, कुम्हारी रोड सहित अन्य स्थानों में गणेश प्रतिमाएं स्थापित कर 10 दिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पंडाल बनकर तैयार, की जा रही अंतिम सजावट

उधर गणेश प्रतिमा स्थापना के लिए सार्वजनिक समितियों द्वारा पंडाल व स्टेज तैयार कर लिया गया है।जिसकी रंग-बिरंगी लाईटिंग से सजावट की जा रही है।वहीं गणेश समिति पदाधिकारीगण अंतिम समय में भी गणेशोत्सव के लिए चंदा एकत्रित करते नजर आ रहे हैं। इधर 10 दिनों तक चलने वाले इस पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन ने भी व्यापक व्यवस्था बनाई है।थानों में समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठकर कर व्यवस्थाएं बनाई गई है।

भालू ने युवक पर किया जानलेवा हमला

हाथ जबड़े में दबोचा और सिर पर मारे पंजे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम अतरचूहा के जंगल में बैल चराने गए एक युवक पर अचानक भालू ने हमला कर दिया। भालू ने युवक के बाएं हाथ को जबड़े में दबोच लिया और सिर पर पंजे से वार कर दिया। युवक ने हिम्मत दिखाते हुए भालू से संघर्ष किया। घायल युवक राजेंद्र पिता सम्तनसिंह उइके 27 वर्ष को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अतरचूहा निवासी राजेंद्र उइके अपने परिवार के साथ

खेती किसानी का कार्य करता है। परिवार में माता-पिता के अलावा राजेंद्र इकलौता पुत्र है। उसकी चार बहनों की शादी हो चुकी है। रोजाना की तरह 12 जून को सुबह करीब 8 बजे राजेंद्र गांव के अन्य लोगों के साथ बैल चराने के लिए गांव से लगे जंगल में गया था। सभी लोग अलग-अलग स्थानों पर अपने मवेशी चरा रहे थे।इसी दौरान नाले के किनारे जंगल में राजेंद्र अपने बैलों को चरा रहा था। तभी अचानक झाड़ियों में छिपा भालू तेजी से बाहर निकला और राजेंद्र पर झपट पड़ा। राजेंद्र कुछ समझ पाता इससे पहले ही भालू ने उसके बाएं हाथ को अपने जबड़े में दबोच लिया। इसके बाद भालू ने उसके सिर पर भी पंजे से हमला किया। अचानक हुए हमले से राजेंद्र घबरा गया।लेकिन उसने हिम्मत नहीं छोड़ी और भालू से संघर्ष करता रहा।दोनों के बीच काफी देर तक संघर्ष हुआ। इसी दौरान राजेंद्र जमीन पर औंधा गिर गया। इसके बाद भालू उसे छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। भालू के वहां से जाने के बाद घायल राजेंद्र किसी तरह हिम्मत जुटाकर अपने घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी।घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायल राजेंद्र को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया जहां उसका उपचार किया जा रहा है।बताया गया है कि ग्राम अतरचूहा चारों ओर से जंगल से घिरा हुआ है।इसके चलते वन्य प्राणियों का गांव और आसपास के क्षेत्रों में अक्सर आना जाना बना रहता है। भालू के हमले की इस घटना से ग्रामीणों में भय का माहौल है।

थूकने के विवाद में युवक से मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजीथाना क्षेत्र के ग्राम भण्डारबोड़ी में थूकने जैसी मामूली बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि तीन लोगों ने एक युवक के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट कर दी। खैरलांजी पुलिस ने शुभम लिल्हारे 30 वर्ष की शिकायत पर खैरलांजी पुलिस ने शिव शंकर लिल्हारे सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भण्डारबोड़ी के गोविंद टोला निवासी शुभम लिल्हारे खेती किसानी का काम करते हैं। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे शुभम अपनी मोटरसाइकिल से खेत से घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते से दो युवक निकल रहे थे।जिन्होंने सड़क पर थूका। थूक के छींटे शुभम पर आ गए। शुभम ने उन्हें देखकर थूकने कहा तो दोनों धुभम से वाद-विवाद करने लगे और चले गए।शुभम के घर पहुंचने के कुछ देर बाद दोपहर करीब 12:30 बजे शिव शंकर लिल्हारे उन्हीं दो लोगों के साथ उसके घर पहुंच गया। शिव शंकर ने आते ही शुभम से कहा की मेरे साले को क्यों रोका और गाली क्यों दी, शुभम ने कहा कि उसने न तो रोका और न ही गाली दी। इस पर तीनों शुभम को अश्लील गालियां देने लगे। गाली देने मना करने पर तीनों ने शुभम के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की उसे जमीन पर पटक दिया और कहै कि आज तो कम मारे हैअगली बार मिलने पर जान से खत्म करने की धमकी देकर चले गए।घटना के बाद शुभम लिल्हारे ने खैरलांजी थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल मुलाहिजा कराया है। पुलिस ने शुभम की शिकायत पर आरोपी शिव शंकर लिल्हारे सहित अन्य दो आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का अपराध दर्ज किया है। मामले की विवेचना जारी है।उल्लेखनीय है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मोटरसाइकिल से आते जाते समय थूकने और टोकने को लेकर इस तरह के विवाद अक्सर सामने आते रहते हैं, जो कई बार गंभीर मारपीट तक पहुंच जाते हैं।

अज्ञात कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई भिड़ंत

हादसे में तीन घायल,कार चालक मौके से हुआ फरार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में लगातार बढ़ते जा रहे सड़क हादसों के बीच रविवार को एक अज्ञात कार और मोटरसाइकिल के बीच भिड़ंत हो गई।रविवार देर शाम हुए इस हादसे में मोटरसाइकिल में सवार तीन लोग घायल हो गए,जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। यह हादसा लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कनकी के आवास टोला के समीप का बताया गया है। उधर हादसे के फौरन बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। तो वहीं घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है

घायलों में इनका समावेश

रविवार देर शाम हुए इस सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। जिसमें थाना लालबर्रा ग्राम सेवनघाट निवासी 19 वर्षीय माही पिता गन्नालाल चौधरी, लालबर्रा बेहरई निवासी 25 वर्षीय माही का माम भाई प्रकाश पिता दादूलाल टेम्बरे और माही के बड़े पिताजी की बेटी सेवनघाट निवासी 17 वर्षीय वैष्णवी पिता मुन्नालाल चौधरी के नाम का समावेश है।तीनों घायलो का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। इसमें प्रकाश टेम्बरे की हालत गंभीर बताई जा रही है।जबकि माही और वैष्णवी को मामूली चोट आई है।

तेज रफ्तार व गलत दिशा में कार चलाना बताई जा रही वजह

प्राप्त जानकारी के अनुसार माही, और वैष्णवी बेहरई निवासी अपने माम भाई प्रकाश टेम्बरे के

घर गए हुए थे। जो एक ही मोटरसाइकिल में सवार होकर रविवार शाम बालाघाट पुलिस लाइन स्थित माही के बहन जीजा के घर आ रहे थे। बताया गया कि मोटरसाइकिल प्रकाश चला रहा था जबकि माही और वैष्णवी पीछे बैठे थे।बताया गया कि जैसे ही वह अपनी मोटरसाइकिल से कनकी के आवास टोला समीप पहुंचे, वैसे ही लालबर्रा की ओर जा रही एक अज्ञात तेज रफ्तार कार ने,लापरवाही पूर्वक गलत दिशा में वाहन चलाते हुए उन्हें ठोस मार दी। जिससे मोटरसाइकिल में सवार तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।उधर हादसे के तुरंत बाद कार चालक कार लेकर फरार हो गया।हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से एक अन्य कार चालक ने तीनों घायलो को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है जहां उनका उपचार जारी है।

मवेशी चराने खेत गया किसान का तालाब में मिला शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना खैरलांजी क्षेत्र के ग्राम झिरिया टोला में उस समय सनसनी फैल गई। जब मवेशी चराने खेत की ओर गया एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में डूबने से मौत हो गई। खैरलांजी पुलिस ने मृतक किसान हीरालाल पिता ताराचंद ठाकरे 51 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरालाल ठाकरे पांच भाई-बहनों में से एक था। सभी भाई-बहनों की शादी हो चुकी है। हीरालाल अपने परिवार के साथ अलग रहकर खेती-किसानी का काम करता था। बताया गया कि 11 सितंबर को सुबह करीब 10 बजे वह घर की भैंस चराने के लिए खेत की ओर गया था। दोपहर करीब 3 बजे तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। परिवार के सदस्यों ने उसके मोबाइल पर फोन लगाया लेकिन हीरालाल ने फोन रिसीव नहीं किया।इसके बाद परिजन उसकी तलाश में खेत की ओर पहुंचे। खोजबीन के दौरान ग्राम के चुनगजया तालाब के किनारे हीरालाल के कपड़े, मोबाइल फोन और चप्पल पड़े मिले जबकि उसके मवेशी तालाब के आसपास चर रहे थे। सामान देखकर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद तालाब में तलाश करवाई गई।जहां हीरालाल का शव बरामद हुआ।प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि मवेशियों को तालाब में धोते अथवा पानी पिलाते समय हीरालाल गहरे पानी में चला गया होगा जिसके चलते वह डूब गया और उसकी मौत हो गई। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा।घटना की सूचना मिलने पर खैरलांजी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट